य एषु सुप्तेषु जागर्ति
दिल्ली, राजस्थान, कर्नाटक, तमिलनाडु, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, और पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

राजस्थान पत्रिका

patrika.com
/rajasthanpatrika
/rpbreakingnews
/rajasthan_patrika

वर्ष : 20 | अंक : 215 | पृष्ठ 12 | ₹5.00 | नई दिल्ली | सोमवार, 24 फरवरी 2025 | फाल्गुन कृष्ण पक्ष एकादशी, संवत् 2081

MPIDC
MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

इन्वेस्ट मध्यप्रदेश
अनंत संभावनाएं

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी
के दूरदर्शी नेतृत्व में
देश का हृदय प्रदेश लिख रहा
विकास की नई गाथा

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट
उद्घाटन

प्रधानमंत्री
नरेन्द्र मोदी
द्वारा

गरिमामयी उपस्थिति

मंगुभाई पटेल
राज्यपाल, मध्यप्रदेश

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

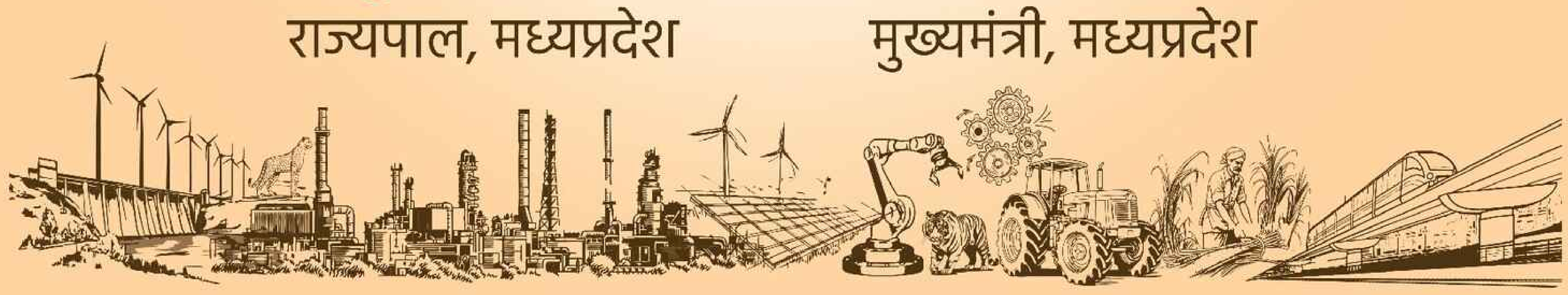

CII
Confederation of Indian Industry

24 फरवरी, 2025 | प्रात: 10:00
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल

EY
Shape the future with confidence

सीधा प्रसारण
Webcast.gov.in/mp/cmevents
DD News
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
www.investmp.in

D-11193/24

MP IDC
MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

CII
Confederation of Indian Industry

EY
Shape the future with confidence

अनंत संभावनाओं की भूमि मध्यप्रदेश में आपका स्वागत है

औद्योगिक विकास के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दृढ़ प्रतिबद्धता से मध्यप्रदेश में निवेश का मजबूत ईको सिस्टम विकसित हुआ है। अपनी निवेशक अनुकूल नीतियों एवं 'स्टार्ट योर बिज़नेस इन 30 डेज़', एकल खिड़की व्यवस्था, ईज़ ऑफ डूईंग बिज़नेस में अग्रणी एवं अपार संसाधनों के साथ प्रदेश निवेश के एक प्रमुख गंतव्य के रूप में उभर रहा है।

इन्वेस्ट मध्यप्रदेश
अनंत संभावनाएं

उद्योग एवं रोज़गार वर्ष – 2025

कार्यक्रम

24 फरवरी 2025

प्रातः 7:30	पंजीयन
	सेक्टर आधारित सत्र
प्रातः 11:45–सायं 6:30	टेक इन्वेस्ट – समिट हॉल 1
प्रातः 11:45–दोपहर 2:00	नवीनीकृत मध्यप्रदेश – समिट हॉल 2
दोपहर 3:15 - सायं 7:00	फीडर सोलराइजेशन समिट : 2000 मेगावॉट कुसुम सी की प्रीबिड – समिट हॉल 2
	पार्टनर कन्ट्री सेशन
प्रातः 11:45 –दोपहर 12:45	ग्लोबल साउथ पर सेशन – कॉन्फ्रेंस हॉल
दोपहर 12:45–1:45	जर्मनी और मध्यप्रदेश के लिए निवेश रणनीतियों पर सत्र – कन्ट्री सेशन हॉल
दोपहर 3:30–सायं 4:30	जापान और मध्यप्रदेश के बीच आर्थिक सहयोग पर सत्र - कन्ट्री सेशन हॉल
	थीमेटिक सेशन
प्रातः 11:45–दोपहर 12:45	मॉलिक्यूल टू मशीन (फार्मा एवं मेडिकल डिवाइसेस)- सेशन हॉल 1
दोपहर 1:15–2:15	इन्वेस्टिंग इन ह्यूमन कैपिटल (स्किल डेवलपमेंट) - सेशन हॉल 1
सायं 4:30–5:30	सड़क निर्माण के बुनियादी ढांचे में गति लाना : निवेश, नवाचार और संभावनाएं - सेशन हॉल 3
	सीआईआई मीटिंग
दोपहर 2:00-3:00	महिला उद्यमियों एवं स्टार्ट-अप्स के लिए नेटवर्किंग के अवसरों पर सीआईआई आईडब्ल्यूएन सत्र - कॉन्फ्रेंस हॉल
दोपहर 3:00–सायं 4:00	सीआईआई राष्ट्रीय वस्त्र एवं परिधान समिति- कॉन्फ्रेंस हॉल
सायं 4:00–5:00	सीआईआई राष्ट्रीय एमएसएमई काउंसिल मीटिंग - कॉन्फ्रेंस हॉल
सायं 5:00-7:00	द विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग- कॉन्फ्रेंस हॉल
दोपहर 3:30–सायं 4:00	एमओयू सेशन – सेशन हॉल 3

25 फरवरी 2025

	सेक्टर आधारित सत्र
प्रातः 9:30–11:15	मध्यप्रदेश प्रवासी समिट- समिट हॉल 2
प्रातः 10:30–दोपहर 12:30	पर्यटन समिट- समिट हॉल 1
प्रातः 11:30–दोपहर 1:30	माइनिंग समिट- समिट हॉल 2
दोपहर 2:00–सायं 4:00	एमएसएमई एवं स्टार्ट-अप समिट – मुख्य हॉल
दोपहर 2:00–सायं 4:00	शहरी विकास समिट- समिट हॉल 1
	प्री-बिड सेशन
प्रातः 10:00–11:30	मुरैना सोलर- बीईएसएस प्रोजेक्ट– सेशन हॉल 1
प्रातः 11:30–दोपहर 12:00	मुरैना यूपी-एमपी कॉम्प्लिमेन्टैरिटी प्रोजेक्ट- सेशन हॉल 1
दोपहर 12:00–2:00	रूफटॉप सोलर (RESCO)- सेशन हॉल 1
	पार्टनर कन्ट्री सेशन
प्रातः 10:30–11:30	कनाडा राउन्ड टेबल- कॉन्फ्रेंस हॉल
दोपहर 12:00–1:00	बहुराष्ट्रीय निवेश सत्र- कन्ट्री सेशन हॉल
दोपहर 2:30–3:30	पोलैंड कन्ट्री सेशन- कन्ट्री सेशन हॉल
	थीमेटिक सेशन
प्रातः 10:30–11:30	नए युग का आरंभ (वस्त्र एवं परिधान)- सेशन हॉल 2
प्रातः 11:00–दोपहर 12:30	फ्यूचर फ्रंटियर्स- एमपी स्टार्टअप पिचिंग सेशन- सेशन हॉल 3
दोपहर 12:00–1:00	सीड टू शेल्फ (खाद्य प्रसंस्करण एवं बागवानी)- सेशन हॉल 2
दोपहर 12:30–1:30	थीमेटिक सेशन (को-ऑपरेटिव)- सेशन हॉल 3
दोपहर 2:30–3:30	ग्रीन हाइड्रोजन- सेशन हॉल 1
दोपहर 2:00–3:00	लॉजिस्टिक्स: दुनिया से जुड़ता मध्यप्रदेश- सेशन हॉल 2
	इन्वेस्ट मध्यप्रदेश समापन सत्र
सायं 4:30–6:00	ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट - मुख्य हॉल

फोकस सेक्टर

- कृषि, खाद्य और डेयरी प्रसंस्करण
- ऑटोमोबाइल एवं ऑटो कंपोनेंट्स
- टेक्सटाइल एवं गारमेंट्स
- फार्मा, मेडिकल डिवाइस और हेल्थ केयर
- आईटी/आईटीईएस/ईएसडीएम
- नवीकरणीय ऊर्जा
- लॉजिस्टिक्स एवं भंडारण
- प्राकृतिक गैस एवं पेट्रो रसायन
- एयरोस्पेस एवं डिफेंस
- पर्यटन
- माइनिंग
- कौशल निर्माण
- शहरी विकास

अधिक जानकारी के लिये
invest.mp.gov.in

मुख्य आकर्षण

- एमपी मोबिलिटी एक्सपो
- सेंट्रल इंडिया फेब्रिक एंड फैशन एक्सपो
- ओडीओपी विलेज
- कन्ट्री सेशन
- एमपी पवेलियन
- एग्जीबिशन एवं एक्सपो
- एमपी बिजनेस एग्जीक्यूटिव मीट (बी2बी मीटिंग)
- मध्यप्रदेश सरकार एवं बिजनेस मीट (बी2जी मीटिंग)

D-11193 / 24

य एषु सुप्तेषु जागर्ति | वर्ष 20 | अंक 215 | पृष्ठ 12 | मूल्य 5.00 | नई दिल्ली, सोमवार, 24 फरवरी 2025 | फाल्गुन कृष्ण पक्ष एकादशी, संवत् 2081

दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गुजरात, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

सप्ताह की शुरुआत प्रेरक विचारों के साथ, जो जीवन में भरेंगे नई ऊर्जा और जोश

राजस्थान पत्रिका

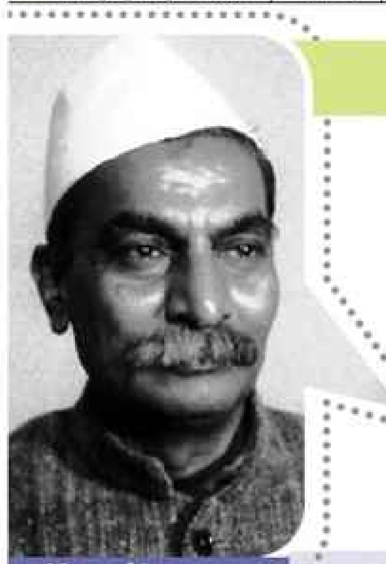

डॉ. राजेंद्र प्रसाद
भारत के पहले राष्ट्रपति

28 फरवरी को डॉ. राजेंद्र प्रसाद की पुण्यतिथि है।

प्रेरणा
एक छोटा कदम छोटे लक्ष्य पर, बाद में विशाल लक्ष्य भी हासिल करा देता है।

मंडे मोटिवेशन
MONDAY MOTIVATION

जीवन में बेहतरीन प्रदर्शन के बारे में सिखातीं डॉ. राजेंद्र प्रसाद की प्रेरक बातें -

1 पेड़ों के आसपास चलने वाला **अभिनेता कभी आगे नहीं बढ़ सकता।**
2 हर किसी को **अपनी उम्र के साथ सीखने** के लिए खेलना चाहिए।
3 खुद पर **उम्र को कभी हावी नहीं** होने देना चाहिए।
4 **जो बात सिद्धांत में गलत है,** वह बात व्यवहार में भी सही नहीं है।
5 किसी की **गलत मंशाएं आपको किनारे नहीं** लगा सकतीं।

विकास में भी दिखे चमक

गुलाब कोठारी

आजादी के 75 साल बाद भी हम विकास के लिए विदेशी-निवेश-तकनीक-भागीदारी पर ही आश्रित होते जा रहे हैं। हम गर्व करते हैं कि संसाधन और मजदूरी हमारी तथा उद्योग व्यापार बाहरी। हमारी उच्च शिक्षा ही हमें अंधेरे में रखे हुए है। हम अपने-आप विकसित नहीं हो पाए। हमारी प्रतिभाएं विदेश जाकर सुखी हैं। अधिकारी और अभिजात्य वर्ग भी नई पीढ़ी को बाहर भेज रहा है। अधिकारी वर्ग भारतीय मानसिकता से कोसों दूर है। वे ही नीतियां बनाते हैं, उन्हें लागू भी करते हैं। इसका एक कारण हमारे जनप्रतिनिधियों में श्रेष्ठता का अभाव है। उनकी चयन प्रक्रिया जाति, वंश, वर्ग, आरक्षण आधारित हैं, योग्यता आधारित नहीं है। अतः विदेशी ज्ञान अंग्रेजी मानसिकता ही आज भी देश को चला रही है।

निवेशकों के लिए आयोजन भी वर्षों से होते रहे हैं। वही मुट्ठीभर उद्योगपति हर राज्य में बुलाए जाते रहे हैं, वे ही सब जगह एमओयू करते रहे हैं और वर्ष के अन्त तक पुनः अपने साधारण औसत पर लौट आते हैं। कुछ तो जमीनें खरीदकर चले जाते हैं, कुछ नीतियों से दुःखी होकर। देश में कितने उद्योगपति ऐसे हैं जो हर बार, हर प्रदेश में नया उद्योग लगा सकते हैं? शिक्षण-प्रशिक्षण-परिवहन-संचार आज भी सरकार पर निर्भर है। सरकारी स्कूलें, सरकारी नौकरियां आज भी नए युग की, देश के अनुपात में चुनौतियां झेलने की स्थिति में नहीं हैं। हाथी के दांत की तरह दिखावटी हैं। झूठ और स्वार्थ पर टिकी हैं। राष्ट्रधर्म, मानव मूल्य और चेतना के अध्याय शिक्षा से बाहर हो गए।

अभी दिसम्बर 2024 में राजस्थान में भी निवेश समिट हुआ था। 35 लाख करोड़ के 11,628 प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। राष्ट्रीय स्तर पर परिणाम नहीं आए तो हम ग्लोबल हो गए। मुख्यमंत्री स्तर के शीर्ष नेता विदेशों में रोड शो करें, दूतावासों से अनुरोध करें, उनके लिए कानूनों में परिवर्तन करें, देशी के नाम पर विदेशी माल (स्वदेशी निर्मित) पर हम गर्व करें, हम मजदूरी करके काम चलाते रहें, नेता वोट काटते रहें, जमीनें विदेशी खरीदें, मशीनें विदेशी। क्या बचेगा आने वाली नई पीढ़ियों के लिए। अधिक एमओयू, अधिक संसाधनों का बेचान, मानव संसाधन भी मूल में तो उनके ही काम आएंगे, जिनके उद्योग होंगे। मारुति सुजकी-एयरटेल-पेनासोनिक से लेकर ऊबर तक के लिए विदेशियों पर आश्रित हैं और गौरवान्वित भी महसूस करते हैं।

हमारा हाल यह है कि कहने को एक मुख्य सचिव राज्य का शासन चलाता है, किन्तु एक-एक विभाग में एक-एक दर्जन आइएएस मिल जाएंगे, क्लर्कों की तरह। मानों किसी काम के ही न हो। कर्मचारी तो इनके घरों में अर्दली की तरह हैं दर्जनों में। इसमें कोई विदेशी हमसे आगे नहीं निकल सकता। इस तंत्र के रहते हम अपने दम पर विकास नहीं कर सकते। न ही बजट आम आदमी तक पहुंच सकता है। हमारी स्वच्छंदता ही हमारी बेड़ियां हैं।

अफसर लूट रहे@पेज08

gulabkothari@epatrika.com

आठ साल बाद लिया बदला : भारतीय टीम ने 6 विकेट से जीता मैच

विराट बेमिसाल...चैंपियंस ट्रॉफी से मेजबान पाकिस्तान आउट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

दुबई. भारतीय प्रशंसकों के लिए रविवार को दुबई में होली 20 दिन पहले ही मना ली। टीम इंडिया ने रविवार को यहां आइसीसी वनडे चैंपियंस ट्रॉफी में चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान को शिकस्त दे दी है। टीम इंडिया ने यह मुकाबला 45 गेंद पहले ही छह विकेट से जीता और 2017 चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में मिली हार का बदला चुका लिया। उस मैच में पाकिस्तान ने भारत को हराकर उसका लगातार दूसरी बार चैंपियन बनने का सपना तोड़ दिया था। इस बार टीम इंडिया ने चैंपियन पाकिस्तान को आउट कर हिसाब बराबर किया। टीम इंडिया ने चैंपियन ट्रॉफी में पाक को 6 मैचों में तीसरी शिकस्त दी है।

पाकिस्तान के खिलाफ जड़ा चौथा शतक

जीत के हीरो विराट ने नाबाद 100 रन की पारी खेली। विराट ने वनडे करियर का 51वां व पाकिस्तान के खिलाफ चौथा शतक लगाया।
सबसे तेज 14000 रन पूरे किए: विराट ने वनडे करियर में सबसे तेज 14000 रन का बनाने का आंकड़ा भी पार किया। उनके नाम 299 वनडे में 14085 रन हो गए हैं। इससे पहले यह कमाल सचिन तेंदुलकर (18426) और कुमार संगकारा (14234) कर चुके हैं।

जीत का उल्लास...

भारत की जीत के बाद उत्साहित विराट कोहली और अक्षर पटेल।

सेमीफाइनल की राह आसान...

- लगातार दो मैच जीतकर भारतीय टीम की सेमीफाइनल में पहुंचने की राह आसान हो गई है। वहीं, पाकिस्तान की टीम बाहर हो गई है।
- सोमवार को न्यूजीलैंड और बांग्लादेश का मैच होना है। यदि न्यूजीलैंड यह मैच जीत जाती है तो बांग्लादेश की टीम बाहर हो जाएगी। वहीं, कीवी टीम लगातार दो जीत से सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी।
- बांग्लादेश की टीम को सेमीफाइनल की होड़ में बने रहने के लिए न्यूजीलैंड और पाकिस्तान को हराना होगा। टीम भारत से हार चुकी है।

60 करोड़ ने देखी लाइव स्ट्रीमिंग

भारत-पाकिस्तान का यह मैच जियो हॉटस्टार ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम हुआ जहां शुरुआत 60 करोड़ से ज्यादा लोगों ने लाइव स्ट्रीमिंग देखी। बार्क के अनुसार, वर्ष 2023 में, भारत बनाम पाकिस्तान मैच को टेलीविजन पर 17.3 करोड़ लोगों ने देखा था और 22.5 करोड़ दर्शकों ने इसे डिज्नी हॉटस्टार (जिसे अब जियो हॉटस्टार के रूप में जाना जाता है) पर देखा।

विराट पारी से पाकिस्तान को दी पटखनी **@स्पोर्ट्स&गेमिंग**

तेलंगाना हादसा : रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

सुरंग में भरा पानी, फंसे लोगों से नहीं हुआ संपर्क

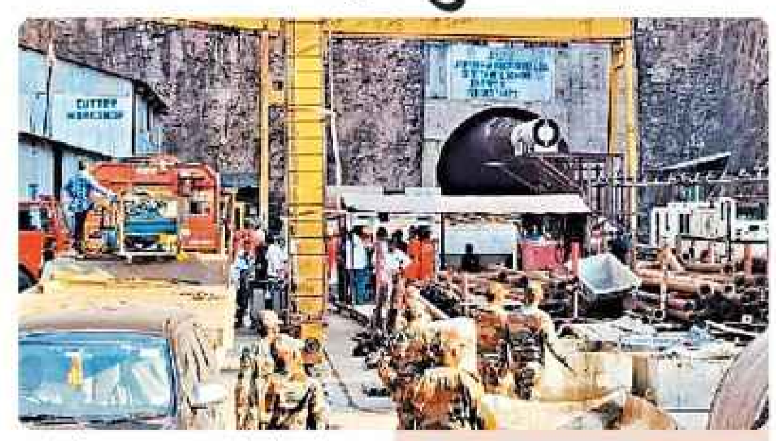

सुरंग के द्वार पर पहुंचे सेना के जवान व टनल में फंसे अनुज के परिजनों को सांत्वना देती महिलाएं।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

हैदराबाद. तेलंगाना के नागरकुरनूल जिले में श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) प्रोजेक्ट की सुरंग का हिस्सा ढहने से फंसे आठ लोगों से अभी तक कोई संपर्क नहीं हो पाया है। रेस्क्यू में जुटे अधिकारियों का कहना है कि बचाव दल ने सुरंग में फंसे लोगों आवाज लगाई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला है। यह हादसा शनिवार सुबह 8:30 बजे हुआ था। सुरंग के प्रवेश द्वार से करीब 14 किलोमीटर अंदर छत का 3 मीटर हिस्सा ढह गया था। इससे आठ लोग सुरंग में फंस गए। दूसरी ओर बचावकर्मी 13 किलोमीटर अंदर तक पहुंच चुके हैं, जहां दुर्घटना हुई थी। एनडीआरएफ के एक अधिकारी के मुताबिक सुरंग में घटनास्थल से करीब 2 किलोमीटर तक पानी भर हुआ है। **शेष@पेज08**

अभी तक यह हुआ

1. सुरंग में पानी और **गाद के कारण बचावकर्मियों को आगे बढ़ने में परेशानी** हो है। सुरंग में ऑक्सीजन और बिजली की आपूर्ति उपलब्ध कराई जा रही है। मोटरों से जल निकासी का काम जारी है।
2. सुरंग से जल निकासी के बाद ही **खुदाई के उपकरण घटनास्थल तक पहुंच सकेंगे**। उसके बाद मलबा हटाने का काम शुरू हो सकेगा।
3. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने **बचाव कार्यों की जानकारी ली।**

मस्क की सख्ती : कर्मचारियों को ई-मेल से हड़कंप

'एक हफ्ते के काम का हिसाब दो, वर्ना नौकरी खत्म समझो'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

न्यूयॉर्क. अमरीका में डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डोज) के प्रमुख एलन मस्क के एक फरमान ने सरकारी कर्मचारियों की नींद उड़ा दी है। मस्क ने सभी फेडरल कर्मचारियों को भेजे ई-मेल में निर्देश दिया कि वे सोमवार तक पिछले एक हफ्ते के अपने कामकाज की रिपोर्ट जमा करें। ऐसा न करने को इस्तीफे के रूप में माना जाएगा। ई-मेल 20 लाख से ज्यादा सरकारी कर्मचारियों को भेजा गया। हालांकि इस कदम पर विभिन्न विभागों ने कड़ी आपत्ति जताई है।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक ई-मेल में कर्मचारियों से कहा गया है कि वे पिछले हफ्ते के काम का विवरण पांच बिंदुओं में लिखकर मैनेजर को भेजें। रिपोर्ट में कोई गोपनीय जानकारी, लिंक या अटैचमेंट नहीं जोड़ा जाए। कर्मचारियों को सोमवार रात 11:59 बजे (वॉशिंगटन समयानुसार) तक रिपोर्ट भेजनी होगी। **शेष@पेज08**

एलन मस्क व काश पटेल

काश पटेल ने कहा, कर्मचारी ध्यान न दें

ई-मेल एफबीआइ कर्मियों को भी मिला है। एफबीआइ के डायरेक्टर भारतवंशी काश पटेल ने इसका विरोध करते हुए कहा कि कर्मचारी इस पर ध्यान नहीं दें। पटेल ने कर्मचारियों को भेजे मेल में कहा, एफबीआइ में सभी समीक्षा डायरेक्टर कार्यालय से की जाती है। जब भी हमें जानकारी की जरूरत होगी, हम मांग लेंगे। डोज के ई-मेल पर प्रतिक्रिया न दें।

पाक पर शिकंजा

'भारत के खिलाफ नहीं कर सकेगा एफ-16 का प्रयोग'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

वॉशिंगटन. अमरीकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। ट्रंप प्रशासन ने पाकिस्तान में अमरीका समर्थित कार्यक्रम के लिए 39.7 करोड़ डॉलर जारी किए हैं। इसका उद्देश्य पाकिस्तान में अमरीका निर्मित एफ-16 लड़ाकू विमानों के उपयोग की निगरानी करना है। इससे यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि उनका उपयोग आतंक विरोधी अभियानों में हो, भारत के खिलाफ पाकिस्तान इसका इस्तेमाल न कर सके। 2019 में बालाकोट एयरस्ट्राइक के जवाब में पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ एफ-16 विमान का इस्तेमाल किया था। भारतीय विंग कमांडर अभिनंदन ने मिग-21 से इसे मार गिराया था। इससे अमरीका नाराज हुआ था। गौरतलब है कि ट्रंप ने पिछले माह विदेशी सहायता पर 90 दिन की रोक लगाई थी। अब 5.3 अरब डॉलर की राशि जारी की है। इसमें पाकिस्तान को दी जाने वाली राशि शामिल है।

मजबूत विकल्प की तैयारी : बगावत की सुगबुगाहट के बीच 8-9 अप्रेल को राष्ट्रीय अधिवेशन

मोदी के गुजरात से कांग्रेस भरेगी हुंकार

केरल चुनाव से पहले कांग्रेस में तूफान...

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. देश में भाजपा की बढ़ती ताकत को चुनौती देने के लिए कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृहमंत्री अमित शाह के गृह राज्य गुजरात से ही हुंकार भरने की तैयारी की है। देश के सामने मजबूत विकल्प के रूप में कांग्रेस को खड़ा करने के लिए अहमदाबाद में आठ और नौ अप्रेल को पार्टी का राष्ट्रीय अधिवेशन होगा। यह अधिवेशन ऐसे समय हो रहा है जब सांसद शशि थरूर ने भी बगावती तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। केरल विधानसभा चुनाव 2026 अप्रैल में होने हैं। राज्य में नेतृत्व को लेकर रमेश चेन्नीथला और केसी वेणुगोपाल गुट पहले से आमने-सामने हैं। इस बीच शशि थरूर ने भी दावा ठोक दिया है। पार्टी के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने रविवार को अधिवेशन के बारे में जानकारी दी। **शेष@पेज08**

सियासत चेन्नीथला व वेणुगोपाल गुट पहले से आमने-सामने

'जहां अज्ञानता आनंद है, वहां बुद्धिमान होना मूर्खता'

थरूर ने ऐसा क्या कहा

केरल कांग्रेस को चाहिए लीडर...

- शशि थरूर ने एक पॉडकास्ट में कहा कि कई सर्वे में यह साफ हुआ है कि **केरल में नेतृत्व संभालने के लिए वह दूसरों से कहीं ज्यादा आगे** हैं।
- अगर कांग्रेस **पार्टी मेरा इस्तेमाल करना चाहती है, तो मैं पार्टी के लिए मौजूद रहूंगा।** उन्हें मेरी जरूरत नहीं, तो मेरे पास करने के लिए अपने काम भी हैं।
- आपको (कांग्रेस) यह नहीं सोचना चाहिए कि **मेरे पास कोई और विकल्प नहीं है।** मेरे पास किताबें, भाषण और दुनिया भर से निमंत्रण हैं।
- केरल कांग्रेस को लीडर चाहिए। **मैंने इस ओर पार्टी का ध्यान दिलाया है।** यहां तक कि यूडीएफ में कांग्रेस के सहयोगी भी मुझसे यह कह चुके हैं।

कांग्रेस विरोधी भी मुझे देते हैं वोट

थरूर ने कहा कि 'तिरुवनंतपुरम में उनकी निजी अपील पार्टी की तुलना में कहीं ज्यादा है। लोगों को उनका बात करने का तरीका और व्यवहार पसंद है। यहां तक कि जो लोग आम तौर पर कांग्रेस के खिलाफ रहते हैं, वह भी मुझे वोट देते हैं। 2026 के चुनाव में हमें इसी तरह वोटरों को अपने साथ रखना है।

आरामदायक जिंदगी छोड़कर आया था

शशि थरूर ने कहा कि सोनिया गांधी, मनमोहन सिंह और केरल कांग्रेस के नेता रमेश चेन्निथला सहित वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के आग्रह पर ही वह संयुक्त राष्ट्र में अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद अमरीका में अपनी आरामदायक जिंदगी छोड़कर वापस राजनीति में आए।

न्यूज विंडो

पोप फ्रांसिस की हालत और गंभीर

वेटिकन सिटी@ पत्रिका. ईसाई धर्म गुरु पोप फ्रांसिस (88) की हालत और गंभीर हो गई है। वेटिकन के मुताबिक वह लंबे समय से अस्थमा से जूझ रहे हैं। उनके फेफड़ों में निमोनिया हो गया है। बयान में कहा गया कि पोप की हालत खतरे से बाहर नहीं है। उन्हें रोम के जेमिली अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

बम की धमकी के बाद फ्लाइट डायवर्ट

नई दिल्ली@ पत्रिका. अमरीका के न्यूयॉर्क से दिल्ली आ रही अमरीका एयरलाइंस की फ्लाइट को बम की धमकी के बाद रोम के लिए डायवर्ट कर दिया गया है। फ्लाइट को रोम के फ्यूमिसिनो एयरपोर्ट पर उतरा गया है।

साइट डाउन, नीट के रजिस्ट्रेशन में बाधा

नई दिल्ली@ पत्रिका. नीट-यूजी के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शनिवार को वेबसाइट बंद रहने से कुछ घंटे बाधित रही। हालांकि कुछ देर बाद वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन फिर शुरू हो गए। रजिस्ट्रेशन 7 मार्च तक होंगे।

ट्रेंडिंग न्यूज

दिल्ली

आतिशी होंगी विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष

नई दिल्ली@पत्रिका. दिल्ली की पूर्व सीएम आतिशी विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष होंगी। उन्हें आप विधायक दल का नेता चुना गया। बैठक में आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल और 22 विधायक मौजूद थे। पहली बार दिल्ली विधानसभा में सीएम व नेता प्रतिपक्ष, दोनों महिलाएं होंगी।

शूटिंग में हादसा

गुरु रंधावा स्टंट सीन करते हुए घायल

मुंबई@पत्रिका. पंजाबी गायक-अभिनेता गुरु रंधावा फिल्म 'शौंकी सरदार' की शूटिंग के दौरान स्टंट सीन करते हुए घायल हो गए। उनके सिर और शरीर पर चोटें आई हैं। उन्होंने अस्पताल के बेड की तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की। इसमें उनके सिर पर पट्टी और गले में सर्वाइकल कॉलर है।

हैदराबाद

लिफ्ट-दीवार के बीच फंसा बच्चा, मौत

हैदराबाद@पत्रिका. हैदराबाद में अपार्टमेंट की लिफ्ट के दरवाजे और दीवार के बीच फंसने से 6 साल के बच्चे अर्णव की मौत हो गई। दरवाजा बंद होने से पहले ही लिफ्ट चल पड़ी थी। लिफ्ट के फ्रेम और फ्लोर के स्लैब को काटकर बच्चे को निकाला गया, पर उसे बचाया नहीं जा सका।

फिट और हेल्दी नेशन | 'मन की बात' में बोले, हर महीने 10% कम तेल का उपभोग करें

मोटापे से निपटने के लिए देशवासियों को मोदी का चैलेंज

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' के 119वें एपिसोड में 'ओबेसिटी' (मोटापे) पर चर्चा की। उन्होंने 'फिट और हेल्दी नेशन' के लिए ओबेसिटी की समस्या से निपटने पर जोर देते हुए कहा, एक स्टडी के मुताबिक हर आठ में से एक व्यक्ति ओबेसिटी से परेशान है। बच्चों में मोटापे की समस्या चार गुणा बढ़ गई है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक 2022 में दुनिया में ढाई सौ करोड़ लोग ओवरवेट थे। मोटापा कई परेशानियों व बीमारियों को जन्म देता है।

मोदी ने ओबेसिटी से छुटकारा पाने के लिए देशवासियों को खाने के तेल में 10% की कमी करने का नया चैलेंज दिया। उन्होंने कहा, हम सब छोटे-छोटे प्रयासों से इस चुनौती से निपट सकते हैं। हर माह तेल 10% कम खरीदें। यह ओबेसिटी कम करने की दिशा में अहम कदम होगा। खाने में तेल का कम उपयोग व ओबेसिटी से निपटना पर्सनल चॉइस नहीं है, बल्कि परिवार के प्रति जिम्मेदारी भी है। खान-पान में तेल का ज्यादा इस्तेमाल हृदय रोग, डायबिटीज व हाइपरटेंशन जैसी बीमारियों की वजह बन सकता है। खान-पान में

छोटे-छोटे बदलाव कर हम खुद को ज्यादा मजबूत, स्वस्थ और रोगमुक्त बना सकते हैं।

नीरज चोपड़ा और निकहत के मैसेज

मोदी ने ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा और बॉक्सर निकहत जरीन के स्पेशल मैसेज शेयर किए। नीरज चोपड़ा ने मैसेज में कहा, जब मैंने ग्राउंड पर जाना शुरू किया था तो काफी मोटापा था। ट्रेनिंग और हेल्दी खाने से काफी सुधार आया। इसी तरह निकहत ने कहा, मैं कोशिश करती हूं कि हेल्दी डाइट को फॉलो करूं। अनहेल्दी डाइट या तेल वाली चीजें खाने से मेरे प्रदर्शन पर असर पड़ता है।

महिलाओं को देंगे सोशल मीडिया अकाउंट

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) पर मोदी अपने सोशल मीडिया (एक्स, इंस्टाग्राम) अकाउंट एक दिन के लिए देश की कुछ प्रेरक महिलाओं को सौंपेंगे। उन्होंने 'मन की बात' के एपिसड में कहा कि ये ऐसी महिलाएं हैं, जिन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल कीं, नवाचार किया और अलग पहचान बनाई। वे अपने कार्य और अनुभवों को देशवासियों के साथ साझा करेंगी।

नवाचार : घटती संख्या के कारण बंद होने के कगार पर पहुंच गया था स्कूल

नामांकन पर प्रधानाध्यापक ने दी 1 हजार की एफडी, बढ़ने लगी नए विद्यार्थियों की संख्या

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अथानी (कर्नाटक). देशभर में निजी स्कूलों के बढ़ते प्रभाव के बीच सरकारी स्कूलों के नामांकन कम होते जा रहे हैं। इससे कई स्कूल बंद होने की कगार पर हैं। कर्नाटक के बेलगावी जिले के अदहालट्टी गांव के कन्नड़ सरकारी स्कूल के प्रधानाध्यापक सिद्धामल्ला खोत ने छात्र-छात्राओं का नामांकन बढ़ाने के लिए अनूठी पहल की है। उन्होंने अपनी जेब से स्कूल में दाखिला लेने वाले प्रत्येक नए छात्र-छात्रा के लिए 1000 रुपए की फिक्स डिपॉजिट जमा कराने का ऐलान किया है। यह राशि 18 साल बाद परिपक्व होगी। खोत ने बताया कि शिक्षकों की टीम के प्रयासों के परिणाम सामने आने लगे हैं। स्कूल में नामांकन में बढ़ोतरी हुई है। खोत ने 2023 में स्कूल के प्रधानाध्यापक बनने के बाद मासिक क्विज सहित कई कार्यक्रम शुरू किए। इसका स्कूल को लाभ मिला।

2 छात्र थे, 9 का प्रवेश

खोत ने बताया कि पिछले साल कक्षा 1 में सिर्फ दो छात्र थे। इस साल एफडी की योजना के बाद पहली कक्षा में 9 बच्चों ने दाखिला लिया। योजना से बदलाव नजर आ रहा है। उम्मीद है कि कुछ दिन में 40 बच्चों का नामांकन होगा।

सिर्फ 18 बचे थे

खोत ने बताया कि 2015 में स्कूल में कक्षा 1 से 7 तक 60 से 70 छात्र-छात्राएं थे। हाल में शिक्षकों की कमी और अपर्याप्त बुनियादी ढांचे के कारण नामांकन में गिरावट आई है। पिछले साल 18 छात्र बचे थे, जिससे स्कूल बंद होने की कगार पर पहुंच गया था।

सुगंधा नागर त्रिवेदी की पुस्तक का राज्यसभा सांसद सुरेन्द्र नागर और नीति आयोग के सदस्य प्रो.रमेश चंद ने किया विमोचन

लोक परंपरा को संजोने का प्रयास है 'गुर्जरी लोकगीत' पुस्तक

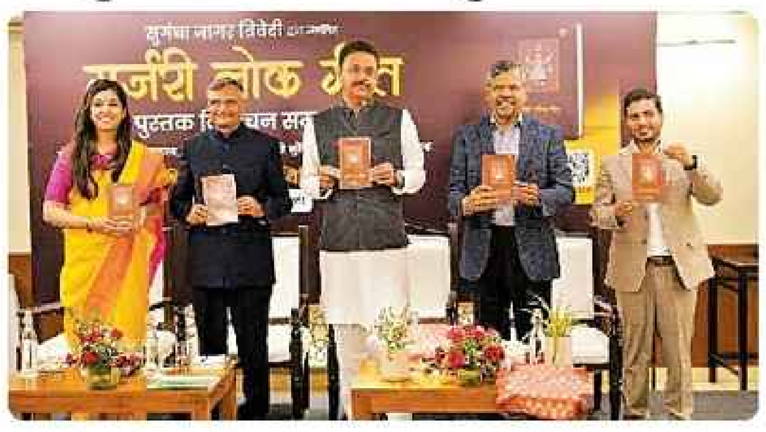

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. नीति आयोग के सदस्य प्रो. रमेश चंद और राज्यसभा सांसद सुरेन्द्र सिंह नागर ने यहां इंडिया हेबिटेट सेंटर में रविवार को सुगंधा नागर त्रिवेदी की ओर से संकलित 'गुर्जरी लोकगीत' पुस्तक का विमोचन किया। कार्यक्रम में साहित्य, कला और संस्कृति से जुड़ी कई प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया। राज्यसभा सांसद सुरेन्द्र सिंह नागर ने लेखिका सुगंधा नागर त्रिवेदी को बधाई देते हुए कहा कि यह पुस्तक गुर्जरी लोक परंपरा को संजोने और नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ने का एक प्रभावी प्रयास है। 2014 के बाद से प्रधानमंत्री मोदी ने मातृभाषा और लोक संस्कृति को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया है। ऐसे में यह पुस्तक एक सराहनीय पहल है। हमारे लोकगीतों का एक गौरवशाली इतिहास रहा है।

नीति आयोग के सदस्य प्रो. रमेश चंद ने कहा कि आज के समय में लोकगीतों का स्थान आधुनिक गीतों ने ले लिया है, जिससे हमारी समृद्ध विरासत लुप्त होने के कगार पर है। ऐसे में यह पुस्तक गुर्जरी लोक संस्कृति को सहेजने का महत्वपूर्ण कार्य करेगी। लोकगीत केवल मनोरंजन ही नहीं है बल्कि जिस प्रकार शरीर के लिए भोजन आवश्यक है उसी प्रकार ये लोकगीत हमारी रूह के लिए बहुत जरूरी है।

लोकसभा अध्यक्ष ने संसद भवन में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के सदस्यों को संबोधित किया

75 साल में देश ने चुनौतियों को चर्चा संवाद से किया हल : बिरला

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत ने अपनी अनेकों विविधताओं के बावजूद संसदीय लोकतंत्र को सफलता से अपनाया है। उन्होंने कहा कि इन 75 वर्षों में देश ने कई संकटों और चुनौतियों का सामना किया है। सभी चुनौतियों को चर्चा-संवाद के माध्यम से हल किया है।बिरला ने यह बातें संसद भवन परिसर में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के सदस्यों से कहीं।

बिरला ने कहा कि संसदीय लोकतंत्र को देश में न केवल शासन का सबसे प्रभावी पद्धति माना जाता है, बल्कि यह भारतीय परंपराओं और संस्कृति का अभिन्न अंग भी है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र, जो सदैव भारतीय समाज की आधारशिला रहा है, ने देश को आर्थिक और सामाजिक रूप से आगे बढ़ाने में मदद की है। उन्होंने कहा कि संविधान निर्माताओं ने भारत में लोकतंत्र की नींव रखी, जिसे हमने वर्षों से लगातार मजबूत किया है। तकनीकी, सेवाओं और शिक्षा में तेजी से हो रहे बदलावों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण है हर व्यक्ति लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान दे। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माण में एक आवश्यक भूमिका निभाते हैं। बिरला ने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य की पूर्ति का दायित्व शिक्षकों का है, जो छात्रों के विचारों में लोकतान्त्रिक सिद्धांतों का समावेश करने में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि शैक्षिक संस्थान न केवल ज्ञान का प्रसार करने में अग्रणी हैं, बल्कि उन्होंने दुनिया की कई समस्याओं के समाधान भी प्रदान किए हैं। यही कारण है कि हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारे छात्र वैश्विक संदर्भ और तेजी से बदलती तकनीकों के साथ तालमेल बैठाने की क्षमता विकसित करें। बिरला ने नवाचार और अनुसंधान में राष्ट्रीय क्षमताओं को और बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने संसद के कामकाज में तकनीकी नवाचारों के सक्रिय उपयोग का भी ज़िक्र किया। 22 भारतीय भाषाओं में समानांतर भाषांतरण और संसद में 1947 से लेकर अब तक सभी बहसों के डिजिटलीकरण से संसदीय कार्य की दक्षता के साथ भारत की संसद को एक तकनीकी रूप से उन्नत संस्थान बना दिया है। इस कार्यक्रम का आयोजन संसदीय शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान की ओर से किया गया।

पत्रिका के प्रधान संपादक गुलाब कोठारी की पुस्तक 'संप्रेषण की समग्रता' पर परिचर्चा

कोठारी के आलेख गैर राजनीतिक समाधान प्रस्तुत करते हैं : सुधि राजीव

नौ दिवसीय पत्रिका बुक फेयर सम्पन्न

पत्रिका बुक फेयर
15-23 फरवरी 2025

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मंच पर मौजूद वरिष्ठ पत्रकार गोविंद चतुर्वेदी, आनंद जोशी और हरिदेव जोशी पत्रकारिता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुधि राजीव

जयपुर. मूल्य आधारित और जिम्मेदार पत्रकारिता क्या होती है, यह बात गुलाब कोठारी के प्रथम पृष्ठ पर प्रकाशित आलेखों के संग्रह को पढ़कर समझ में आती है। इसलिए पत्रकारिता में आने वाले हर छात्र को ये पुस्तक पढ़नी चाहिए। यह बात हरिदेव जोशी पत्रकारिता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुधि राजीव ने कही। वे रविवार को जवाहर कला केंद्र में आयोजित पत्रिका बुक फेयर में राजस्थान पत्रिका के प्रधान संपादक गुलाब कोठारी की पुस्तक 'संप्रेषण की समग्रता' पर चर्चा कर रही थीं। उन्होंने कहा, इनमें ऐसे संदेश हैं, जो समाज की हर चीज और हर क्षेत्र को छूते हैं। इन्हें पढ़कर आत्म संतोष की अनुभूति होती है। समाचार पत्रों के संपादकीय आलेख अधिकतर समकालीन घटना विशेष पर प्रतिक्रिया होते हैं। ये आलेख भुला दिए जाने वाले भी होते हैं, लेकिन कोठारी के आलेखों की एक अलग पहचान है। ये आलेख दलगत भावना से हटकर, बिना पक्षपात के समस्याओं का गैर राजनीतिक समाधान प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने कहा, इनको पढ़कर ऐसा लगा जब कोठारी समकालीन मुद्दों पर लिखते हैं तो वे उनके हिस्सेदार होते हैं। उनके लिखे को पढ़ने से प्रेरणा मिलती है। पत्रकारिता तलवार की धार पर चलने जैसा है। सच की राह पर चलेंगे तो चुनौतियों से भी सामना होगा।

मन से लिखा ही मन को छू सकता है

वरिष्ठ पत्रकार आनंद जोशी ने कहा, इन आलेखों में यह झलकता है कि पाठकों को यह महसूस नहीं होना चाहिए कि वह अपनी समस्या से अकेला लड़ रहा है। उसके साथ राजस्थान पत्रिका और संपादक हमेशा खड़े हैं। संपादकीय आलेखों की यह पुस्तक एक दस्तावेज है। इन लेखों का भारी असर रहा। संप्रेषण का मूल तत्व है कि एक-एक शब्द समझ में आना चाहिए, वरना संप्रेषण अधूरा है। गुलाब कोठारी मन के चितेरे हैं उन्हें मन को पढ़ना खूब आता है। मन से लिखा ही मन को छू सकता है। ये सभी संपादकीय मन को छूने वाले हैं। जोशी ने दो संपादकीय आलेखों का उदाहरण देते हुए कहा, जब राजस्थान में पानी की कमी हुई तो उन्होंने संपादकीय लिखा 'आओ पानी बचाएं' इसके बाद लिखा 'हर व्यक्ति भागीरथ'। इन आलेखों का व्यापक असर हुआ। कोठारी के आव्हान पर अमृतं जलम् अभियान पूरे राज्य में शुरू हुआ हुआ। इसमें वे खुद आगे रहे और पूरे स्टाफ के साथ स्वयं श्रमदान करने तालकटोरा पहुंचे। आज तालकटोरा लबालब दिखता है। अभियान में जनभागीदारी से सैकड़ों जलस्रोतों का जीर्णोद्धार और सफाई हुई। उनमें जल का संग्रह होने लगा। लोग पानी बचाने के लिए जागरूक हुए। आलेखों के बारे में बताते हुए कार्यक्रम की मॉडरेटर श्वेता तिवारी ने कहा, इनमें भारतीय चिंतन भी झलकता है।

पुस्तक दो भागों में प्रकाशित हुई है

यह पुस्तक दो भागों में प्रकाशित हुई है। इन आलेखों में कोठारी ने सामयिक विषयों-मुद्दों पर जो विचार व्यक्त किए हैं वह जनता के लिए मार्गदर्शक, सरकारों के लिए पथप्रदर्शक और जनता की प्रभावशाली आवाज बनकर जनमानस में अंकित हुए हैं। कोठारी ने अकाल, सूखा, पानी की कमी, चरागाह, भूमि का रेगिस्तान में बदलना, राजनीति, शिक्षा, भ्रूण हत्या, सामाजिक सौहार्द स्वास्थ्य, महिला सुरक्षा आदि ज्वलंत विषयों पर लेखन किया है।

आलेख प्रेरणा देने का काम करते रहेंगे

वरिष्ठ पत्रकार गोविंद चतुर्वेदी ने पुस्तक में प्रकाशित आलेखों पर चर्चा करते हुए कहा, कोई बात कहने की सफलता तभी है जब कही गई बात दिल में उतर जाए और लोग उसका अनुसरण करें। ऐसे ही आलेखों का संग्रह इस पुस्तक में है। इनमें विराट संपादकीय स्वरूप नजर आता है। जीवन के हर क्षेत्र पर लिखा गया है। उन्होंने एक संपादकीय का उदाहरण देते हुए कहा, राजस्थान सरकार ने एक ऐसा कानून बनाया जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीधा हमला तो था ही, भ्रष्ट अधिकारियों को संरक्षित करने का कुत्सित प्रयास भी था। पत्रिका ने इसे काला कानून करार देते हुए जोरदार विरोध किया। सरकारी मंशा पर सवाल उठाते हुए गुलाब कोठारी ने संपादकीय लिखा। संपादकीय छापने के साथ यह भी तय किया कि जब तक सरकार काला कानून वापस नहीं लेगी तब तक सरकार और मुख्यमंत्री की खबरें नहीं छपेगी। असर यह हुआ कि सरकार को काला कानून वापस लेना पड़ा।

परिचर्चा के दौरान एडवोकेट सोनाली खत्री ने पत्रकारिता के भविष्य के बारे में सवाल पूछा। इस पर चतुर्वेदी ने कहा, पत्रकारिता का भविष्य उज्ज्वल है।

गहलोत के बयान पर किया पलटवार

कांग्रेस सरकार में बिजली कंपनियों का घाटा बेहताशा बढ़ा: राठौड़

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने पूर्व सीएम अशोक गहलोत के सोशल मीडिया पोस्ट में बिजली व मूंगफली खरीद को लेकर दिए बयानों पर रविवार को पलटवार किया। उन्होंने कहा कि गहलोत को आज बिजली कंपनियों व किसानों की चिंता होने लगी है। जबकि उनके कार्यकाल में कांग्रेस सरकार ने आपसी लड़ाई के चलते कुछ नहीं किया। अविवेकपूर्ण निर्णयों से बिजली कंपनियों को 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक के घाटे में पहुंचा दिया था। कांग्रेस सरकार ने प्लांटों को बंद कर बिजली की कृत्रिम कमी पैदा कर दी। 17 रुपए प्रति यूनिट की दर से बिजली खरीदी गई, जो भ्रष्टाचार का बड़ा खेल था। अब भाजपा सरकार ने उन्हीं प्लांटों के माध्यम से बिजली उत्पादन को डेढ़ गुना तक बढ़ाया है।

उन्होंने कहा हमारी सरकार ने सोलर एनर्जी क्षेत्र में कई कार्य करते हुए राज्य को बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का रोडमैप तैयार किया है। वर्ष 2027 तक राज्य सरकार किसानों को दिन में बिजली देने के लिए संकल्पित है। गहलोत मूंगफली की खरीद को लेकर जो राजनीति कर रहे हैं, उसमें भी वो अपना कार्यकाल भूल गए हैं। पांच साल तक कुर्सी की लड़ाई में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने मूंगफली खरीद के संबंध में कोई भी कदम नहीं उठाया।

कामकाज में होगी आसानी

बैंकों की तरह राष्ट्रीय सॉफ्टवेयर से जुड़ेंगी प्राथमिक कृषि ऋण समितियां

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. राज्य की प्राथमिक कृषि ऋण समितियों को सहकारी बैंकों और जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों के माध्यम से नाबार्ड से जोड़ा जाएगा। इन समितियों के लिए राष्ट्रीय स्तर का सॉफ्टवेयर नाबार्ड की ओर से तैयार किया गया है। राष्ट्रीय सॉफ्टवेयर से जुड़ने पर 25 से अधिक आर्थिक गतिविधियों के लिए समाधान मिलेगा। जिसमें लघु, मध्यम और दीर्घकालिक लोन के लिए वित्तीय सेवाएं, खरीद प्रक्रिया संचालन, सार्वजनिक वितरण दुकानों का संचालन, व्यवसाय योजना, भंडारण, मानव संसाधन प्रबंधन जैसे विभिन्न मॉड्यूल शामिल हैं।

> अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के दौरान राज्य में सहकारी आन्दोलन को मजबूत बनाने पर जोर दिया जा रहा है। 'सहकार से समृद्धि' के अंतर्गत 54 पहलों के माध्यम से सहकारी सेक्टर सशक्त बनेगा। जीडीपी में सहकारिता क्षेत्र का योगदान 40 प्रतिशत बढ़ाने पर जोर है।
>
> **गौतम कुमार दक,** सहकारिता राज्य मंत्री

इस मामले में पार्टी दे चुकी है नोटिस

मंत्री किरोड़ी का फोन टैपिंग के आरोप लगाने का सिलसिला जारी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सांचौर. कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीना को उनके फोन टैपिंग होने के सार्वजनिक बयान देने को लेकर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष की ओर से नोटिस देकर जवाब तलब किया जा चुका है। इसका वे जवाब देने के साथ ही स्वीकार भी कर चुके हैं कि उन्होंने फोन टैपिंग की बात सही मंच पर नहीं कर गलती की है, लेकिन रविवार को फिर उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा कि उनके फोन टैप हो रहे हैं और सीआईडी पीछे लगी है। मीना रविवार को सांचौर के माखुपुरा में निजी कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि अब भी मेरे फोन टैप हो रहे हैं। उनकी जासूसी की जा रही है। सीआईडी पीछे लगी हुई है। उन्होंने कहा कि वे किसी का अपहरण नहीं कर रहे। कोई मादक पदार्थ या डोडा-पोस्त नहीं ला रहे। ऐसा काम नहीं कर रहे, जो समाज के खिलाफ हो। पिछले राज के अधिकारी ज्यों के त्यों बैठे हैं। जो पहले मेरे फोन टैप करते थे, मेरा पीछा करते थे। उन्होंने कहा कि पेपर फर्जीवाड़े गिरोह के बड़े तार सांचौर से जुड़े हैं।

रेल मंत्री वैष्णव ने किया नई दिल्ली स्टेशन का निरीक्षण

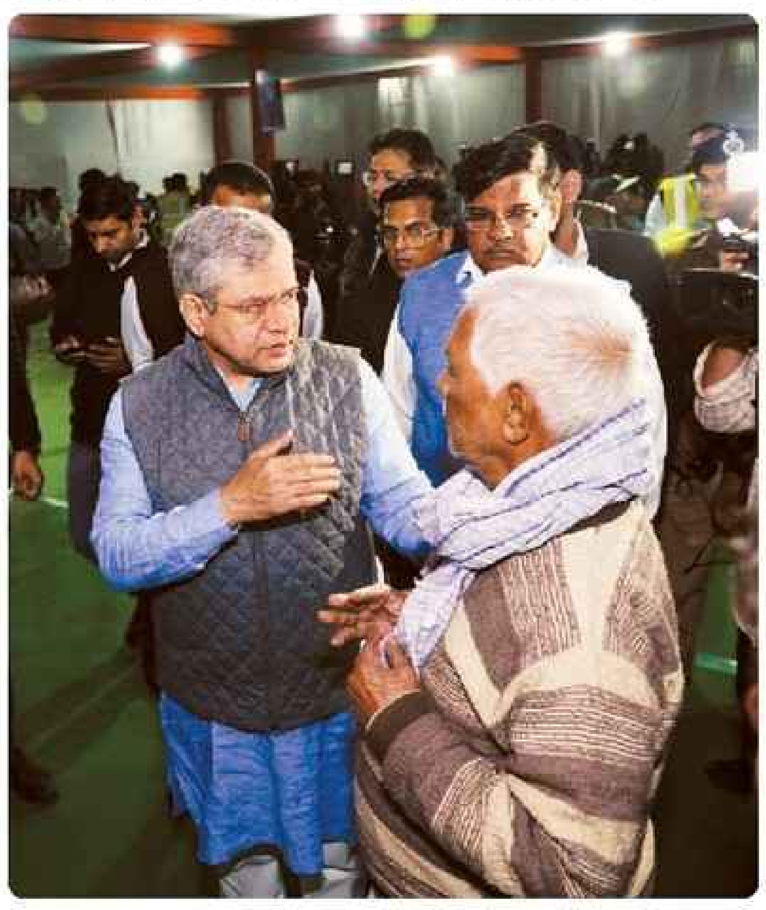

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार शाम को नई दिल्ली स्टेशन का निरीक्षण किया। प्रयागराज जाने वाले यात्रियों के लिए बनाए गए एनक्लोजर में वैष्णव ने यात्रियों से बात की। इसके बाद वैष्णव ने कहा कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर प्रवेश नियंत्रण और भीड़ नियंत्रण के लिए कई कदम उठाए गए हैं। अगर यात्रियों के पास आरक्षित टिकट है, तो वे सीधे स्टेशन के अंदर जाएंगे। जिनके पास टिकट नहीं है, वे पहले होल्डिंग क्षेत्र में जाएंगे। उन्हें सीधे होल्डिंग एरिया में ले जाने की व्यवस्था की गई है। अनारक्षित टिकटों के सभी काउंटर पहली मंजिल से हटा दिए गए हैं और होल्डिंग एरिया में काउंटर बनाए गए हैं। ताकि केवल टिकट खरीदने वाले ही स्टेशन में प्रवेश कर सकें।

वॉर रूम से स्टेशनों की लाइव निगरानी

यात्रियों की संख्या देख नई दिल्ली से प्रयाग के लिए चलाईं 5 अनारक्षित ट्रेनें

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. रेलवे की ओर से विभिन्न स्टेशनों पर यात्रियों की संख्या की जांच टिकटों की बिक्री और सीसीटीवी कैमरा की लाइव मॉनिटरिंग से की जा रही है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने उत्तर रेल पूर्वोत्तर रेल और उत्तर मध्य रेल के महाप्रबंधकों को विशेष तौर पर हिदायत दी हैं कि हर स्टेशन पर यात्रियों की संख्या की मॉनिटरिंग की जाए और उसके हिसाब से विशेष गाड़ियां चलाई जाए। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार की शाम औसत से अधिक यात्री प्रयागराज जाने के लिए आए।

रेलवे ने सप्ताहांत में यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए नई दिल्ली स्टेशन से प्रयाग के लिए समयबद्ध रूप से 5 अनारक्षित ट्रेनें चलाईं। टिकट बिक्री और भीड़ की लगातार निगरानी उच्चतम स्तर पर की गई। केंद्रीय रेल मंत्री वैष्णव रेलवे बोर्ड के वॉर रूम से स्थिति पर नजर रख रहे थे, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार भी रेलवे बोर्ड में ट्रेनों की मॉनिटरिंग करते रहे। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा नई दिल्ली स्टेशन पर मिनी कंट्रोल रूम से नजर रख रहे थे।

शनिवार शाम ऐसे बढ़ी प्रयागराज के लिए सामान्य श्रेणी की टिकट बिक्री

- शाम 6 बजे से 7 बजे तक 2375 टिकटें बिकीं
- शाम 7 से 8 बजे तक 2950 टिकटें बिकीं
- रात 8 से 9 बजे तक 3429 टिकटें बिकी
- रात 9 से 10 बजे तक 2662 टिकटें बिकीं
- रात 10 से 11 बजे तक 1689 टिकटें बिकीं

'इसलिए राजीव गांधी का सपना रहा अधूरा'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

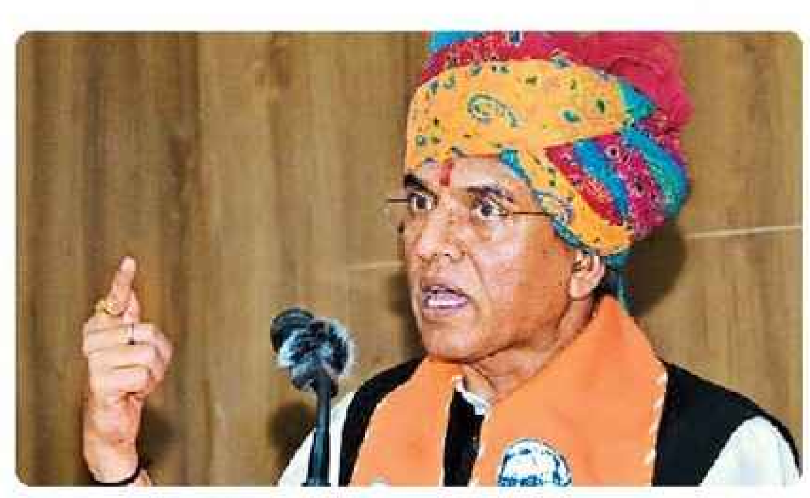

जयपुर. केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया का कहना है कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने वर्ष 1985 में बिना रोडमैप बनाए 21वीं सदी के भारत का सपना देखा, इसलिए उनका सपना, सपना ही रह गया। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने का रोडमैप भी बताया है। मांडविया ने रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से कहा कि 2014 से मोदी के नेतृत्व में नई कार्यशैली विकसित कर बजट में दूरदर्शी सोच रखते हुए समग्र विकास को शामिल किया गया। आज रोजगार बढ़ने से देशवासियों का जीवन स्तर सुधरा है। बेरोजगारी कम हुई है। उन्होंने कहा कि 2014 की तुलना में देश का बजट 3 गुना बढ़ा है, सरकार की आय भी बढ़ी है। इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एलएलयू) का 17वां दीक्षांत समारोह

अच्छा वकील कमजोर वर्ग की आवाज बनता है : भजनलाल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जोधपुर. राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एलएलयू) के रविवार को आयोजित 17वें दीक्षांत समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विद्यार्थियों को वकालत का पाठ पढ़ाया। उन्होंने कहा कि अच्छा वकील कानून का ज्ञाता होने के साथ ही समाज के कमजोर वर्ग की आवाज भी बनता है। इस पेशे ने देश को कई महान राष्ट्र निर्माता दिए है। संविधान के मुख्य शिल्पी बाबा साहेब आंबेडकर भी वकील थे। दीक्षांत भाषण सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस संदीप मेहता ने दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने अनुभव से कानून शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। जस्टिस मेहता ने डाटा प्राइवेसी, आइपीआर और इंटरनेशनल ट्रेड लॉ की नई चुनौतियों से निपटने की सीख दी। समारोह में 2024 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

इस बार बजट में न्यायिक व्यवस्था का ध्यान रखा

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से पिछले सप्ताह पेश किए गए बजट में न्यायिक व्यवस्था और उसके कार्यों को तरजीह दी गई है। इनमें 8 नए जिला एवं सेशन न्यायालय, 8 वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय, 4 अतिरिक्त जिला एवं सेशन न्यायालय, विशेष न्यायालय (पॉक्सो एक्ट), 3 विशेष न्यायालय (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम), न्यायिक कार्यालय भवनों एवं आवास के लिए 350 करोड़ रुपए, नवीन न्याय संहिताओं की आवश्यकताओं के लिए कम्प्यूटर, कैमरों सहित विभिन्न सुविधाएं विकसित करने के लिए 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। सरदार पटेल सेंटर ऑफ साइबर कंट्रोल एंड वॉर रूम' की स्थापना के लिए भी 350 करोड़ रुपए दिए गए हैं।

पेरेंट्स हो रहे हैं डिप्रेशन के शिकार

एग्जाम बच्चों का, टेंशन में मम्मी

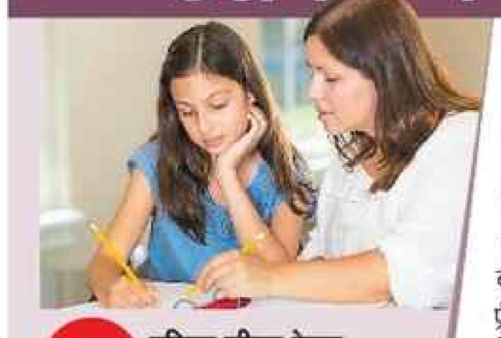

केस 1

रिया इस बार 10वीं कक्षा में है और उसकी मम्मी उसे रात को दो बजे तक पढ़ाती हैं। इसके बावजूद रिया का प्रीबोर्ड का पेपर खराब हो गया। ऐसी स्थिति में रिया की मम्मी खुद को दोषी मानते हुए डिप्रेशन का शिकार हो गई।

केस 2

12वीं कक्षा के अर्नव के पेरेंट्स ने उसकी बोर्ड परीक्षा के लिए किसी भी शादी-समारोह में जाना बंद कर दिया है ताकि अर्नव को कोई परेशानी न हो। उसकी मम्मी को उसके एग्जाम की इतनी टेंशन रहती है कि उसे रातभर नींद नहीं आती है।

पत्रिका फीचर डेस्क
patrika.com

इस तरह के केस बोर्ड एग्जाम के दौरान कई घरों में देखे जाते हैं। मनोविशेषज्ञों का कहना है कि बच्चे की परीक्षा के संबंध में अभिभावकों का एक्स्ट्रा केयरिंग होना, उसके एकेडमिक स्कोर को खराब भी कर सकता है। साथ ही अपनी इस आदत से पेरेंट्स भी तनावग्रस्त हो जाते हैं। इस संबंध में माताओं पर असर अधिक होता है।

स्वयं को दोषी ठहराती हैं: चिकित्सकों के अनुसार परीक्षा के समय मां अपने बच्चों का एक टाइट शेड्यूल तय करती हैं और अधिक परवाह दिखाते हुए खुद भी उसी टाइम टेबल के अनुसार अपना रूटीन बना लेती हैं। कुछ समय के लिए यह सभी से दूर रहती हैं। तनाव के कारण उन्हें अनिद्रा, भूख कम लगना, किसी काम में मन नहीं लगना और झुंझलाहट जैसी समस्याएं होने लगती हैं, जो चिंताजनक है।

इन दिनों बच्चों के साथ मां के डिप्रेशन के मामले सामने आ रहे हैं। एग्जाम के समय में माता-पिता का बच्चे के प्रति अधिक पजेसिव होने से बच्चे का प्रदर्शन बिगड़ भी सकता है। एग्जाम टाइम में पढ़ाई के बजाए बच्चे को पूरी साल पढ़ाई पर फोकस करने के लिए कहें।
-डॉ. तुषार जगावत, मनोचिकित्सक
patrika.com

एग्जाम डाइट

एग्जाम में लें हैल्दी डाइट ताकि हाजमा न हो खराब

परीक्षा का समय केवल पढ़ाई और रिवीजन तक सीमित नहीं है, बल्कि सही खान-पान भी इसमें महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। दिमाग को तेज और फोकस बनाए रखने के लिए संतुलित आहार जरूरी है। सही पोषण न केवल याददाश्त बढ़ाता है, बल्कि तनाव भी कम करता है और एनर्जी लेवल बनाए रखता है।

नेहा यदुवंशी
आहार विशेषज्ञ
patrika.com

नाश्ता अवश्य करें

सुबह का पहला भोजन आपके पूरे दिन की ऊर्जा निर्धारित करता है। नाश्ता न करने से ध्यान भटक सकता है, चिड़चिड़ापन हो सकता है और एनर्जी कम हो जाती है। हल्का लेकिन पोषक नाश्ता लें जैसे पोहा, बेसन चीला, दलिया, अंकुरित चाट या ओट्स।

मीठे से बचें, हैल्दी स्नैक्स अपनाएं

मीठे खाद्य पदार्थ त्वरित ऊर्जा तो देते हैं, लेकिन जल्दी ही सुस्ती और थकान ला सकते हैं। इसकी जगह बादाम, अखरोट, मखाना, भुना चना, दही, फल और डार्क चॉकलेट जैसे हैल्दी स्नैक्स खाएं, जो दिमाग को लंबे समय तक ऊर्जा देते हैं।

ज्यादा चाय-कॉफी न पीएं

डिहाइड्रेशन से थकान, सिरदर्द और ध्यान में कमी हो सकती है। इसलिए पर्याप्त मात्रा में पानी, नारियल पानी, नींबू पानी या छाछ लें और चाय-कॉफी का सेवन कम करें। कैफीन की अधिक मात्रा नींद और एकाग्रता को प्रभावित कर सकती है।

स्ट्रेस में हल्का भोजन लें

कई बार एग्जाम स्ट्रेस के कारण भूख कम लगती है या पेट खराब महसूस होता है। ऐसे में हल्का और सुपाच्य भोजन जैसे खिचड़ी -दही, मूंग दाल सूप, इडली-सांभर या केला-दही का सेवन करें।

माइंड बूस्टर सुपरफूड

कुछ खास खाद्य पदार्थ दिमागी शक्ति और फोकस बढ़ाने में मदद करते हैं। पालक, मेथी, जामुन, अखरोट, अलसी, चिया सीड्स, पनीर और दही को अपनी डाइट में शामिल करें, ये याददाश्त और एकाग्रता में सुधार करते हैं।

इनसे बचें

तला-भुना, जंक फूड- सुस्ती और आलस लाते हैं।

ज्यादा मीठा- शुगर क्रैश का कारण बन सकता है।

अधिक चाय-कॉफी- अनिद्रा होने के साथ मानसिक शांति पर असर होता है।

हमारी बात

मां को रहती है बच्चों की फिक्र

परीक्षा के समय मां बच्चों के लिए अत्यधिक चिंतित हो जाती हैं। वे यह समझती हैं कि बच्चों पर पढ़ाई का दबाव बहुत होता है और वह नहीं चाहती कि उनका बच्चा मानसिक या शारीरिक रूप से थक जाएं। उनका मन हमेशा इस बात में उलझा रहता है कि कैसे बच्चे का तनाव कम किया जा सकें। साथ ही हमेशा यह चिंता रहती है कि उसकी पढ़ाई अच्छे तरीके से हो।

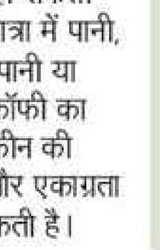

रितु जैन

बोर्ड परीक्षा में महिलाएं बच्चों का कुछ ज्यादा ध्यान रखने लगती हैं, क्योंकि यह पूरे साल की मेहनत का आखिरी प्रयास होता है, जिसका रिजल्ट भी अच्छा होने की उम्मीद सभी को होती है। अगली क्लास के विषय की पढ़ाई आदि भी उस पर निर्भर होती है। वार्षिक रिजल्ट से समाज में प्रतिष्ठा को जोड़कर भी देखते हैं। इसलिए मां अपनी नींद, भूख सभी भूल कर अपने बच्चों पर ध्यान केन्द्रित करती हैं।

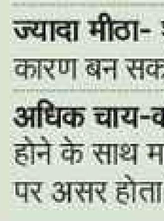

पिंकी सैनी

अगला विषय: महिलाएं कैसे छोटे- छोटे प्रयासों से बड़ी बचत कर सकती हैं?

हमें भेजें होली का किस्सा

होली के त्योहार संग जुड़ी होती हैं खट्टी-मीठी यादें और कई रोचक किस्से। आपके पास भी ऐसी रंग-बिरंगी यादें होंगी ही। इनमें से एक किस्सा लगभग 300 शब्दों में लिखकर हमें वॉट्सऐप नंबर 9057531584 पर 25 फरवरी 2025 तक भेज दें। अपना नाम व फोटो भी जरूर दें। इन्हें होली स्पेशल पत्रिका ईबुक में प्रकाशित किया जाएगा।

पत्रिका शी न्यूज़
हमसे जुड़ें facebook.com/patrikaSheNews

महिला एवं बाल विकास विभाग में महिला पर्यवेक्षक के तीन पद सृजित, मगर एक भी नियुक्त नहीं

ब्लॉक में 117 आंगनबाडी केंद्र, निगरानी के लिए महिला पर्यवेक्षक नहीं

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

सिरोही/शिवगंज. महिलाओं एवं बच्चों के समग्र विकास के लिए कार्य करने वाला महिला एवं बाल विकास विभाग योजनाओं का संचालन तो बखूबी करता है, मगर कार्मिकों के अभाव में सफल क्रियान्वयन समस्या बना हुआ है। शिवगंज ब्लॉक में विभाग के अधीन 117 आंगनबाडी केन्द्र संचालित हैं। केन्द्रों के निरीक्षण व कार्यकर्ताओं को आवश्यक जानकारी देने के लिए तीन महिला पर्यवेक्षक के पद सृजित हैं, मगर जनप्रतिनिधियों की उदासीनता की वजह से तीनों ही पद रिक्त हैं। ऐसे में सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि इन केन्द्रों की मॉनिटरिंग किस तरह से होती होगी। शिवगंज ब्लॉक में महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से 117 आंगनबाडी केन्द्र संचालित हैं। इसमें से तीन ऐसे केन्द्र हैं, जहां आंगनबाडी कार्यकर्ता के पद खाली है, शेष सभी केन्द्रों पर कार्यकर्ता हैं। ब्लॉक में सीडीपीओ का एक पद, लेखाकार का एक पद, वरिष्ठ लिपिक का एक पद, महिला पर्यवेक्षक के तीन पद तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी और चालक के एक-एक पद सृजित हैं, लेकिन पिछले लंबे समय से महिला पर्यवेक्षक के तीनों ही पद रिक्त पड़े हैं।

तीन सेक्टर में बंटे हैं आंगनबाड़ी केंद्र

महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से संचालित इन आंगनबाड़ी केन्द्रों के बेहतरीन संचालन के लिए, इन्हें पोसालिया, पालड़ी और शिवगंज तीन सेक्टरों में विभाजित कर तीनों सेक्टरों के अधीन आने वाले आंगनबाड़ी केन्द्रों के निरीक्षण एवं व्यवस्थाओं के साथ-साथ समय-समय पर विभाग की ओर से जारी निर्देशों की पालना करवाने की जिम्मेदारी इन महिला पर्यवेक्षकों की होती है। विडम्बना है कि इन तीनों ही सेक्टर में एक भी महिला पर्यवेक्षक नहीं है। विभागीय सूत्रों की माने तो पूरे जिले में 36 महिला पर्यवेक्षकों के पद सृजित हैं, मगर वर्तमान में केवल तीन पर्यवेक्षक ही कार्य कर रही हैं। ऐसे में सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि विभागीय जिम्मेदारियों का निर्वहन किस तरह से होता होगा।

मासिक रिपोर्ट में भी हवाला

शिवगंज मुख्यालय पर तीनों ही महिला पर्यवेक्षकों के पद लंबे समय से रिक्त चल रहे हैं। इसकी जानकारी विभाग के उच्च अधिकारियों को भी है। विभाग की ओर से भेजी जाने वाली मासिक रिपोर्ट में भी इसका हवाला होता है। मगर नियुक्ति को लेकर विभाग की उदासीनता समझ से परे हैं। इन हालातों में ब्लॉक के सभी 117 आंगनबाड़ी केन्द्रों की निगरानी, निरीक्षण इत्यादि कार्य सीडीपीओ को संभालना पड़ रहा है।

यह सही है कि ब्लॉक में महिला पर्यवेक्षक के तीनों ही पद रिक्त चल रहे हैं। इन पदों पर नियुक्ति के लिए विभाग को समय-समय पर पत्र लिखा गया है। संभावना है कि मार्च में नियुक्तियां होगी। बावजूद इसके विभागीय योजनाओं को लागू करने के पूरे प्रयास किए जाते हैं।
सुनीता सामतानी, सीडीपीओ, महिला एवं बाल विकास विभाग,

इंदौर के नागरिकों की तरह होना पड़ेगा शहर व कस्बों के प्रति जागरूक

पालीवासी निभाएं अपनी जिम्मेदारी तो स्वच्छता में बन सकते हैं सिरमौर

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

पाली. देश का इंदौर शहर, जो पिछले कई सालों से स्वच्छता में देश में नम्बर वन है। उसका उदाहरण देकर अन्य शहरों को वैसा ही करने लिए प्रेरित किया जाता है। हमारे पाली की भी रैंकिंग सुधर सकती है। पाली इंदौर की तरह देश में मॉडल बन सकता है। इसके लिए जरूरत है, जागरूक होकर नगर निगम के साथ स्वयं कमान संभालने की। घर की तरफ शहर को अपना मानने की। जिस तरह इंदौर डोर-टू-डोर कचरे का संग्रहण किया जाता है। उसी तरह पाली में भी होता है, लेकिन कमी है हम इंदौरवासियों की तरह अलग-अलग गीला व सूखा कचरा डस्टबिन में नहीं डालते। दफ्तरों और घरों में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करना बंद नहीं कर रहे। प्लॉस्टिक की बोतलों का उपयोग कर रहे हैं।

पाली शहर का विहंगम दृश्य।

थोड़ा सहयोग बदल सकता है तस्वीर

स्वच्छता के लिए नागरिकों का सहयोग मिले तो तस्वीर बदल सकती है। नगरवासी अपनी जिम्मेदारी निभाएं तो कम संसाधन व राशि के भी हम अपने शहर की रैंकिंग सुधार सकते है। हर दुकानदार कचरा डस्टबिन में डाले। उसे कचरा संग्रहण वाहन में डाले। स्ट्रीट वेंडर पॉलिथिन का उपयोग नहीं कर कपड़े के थैले में ही सामग्री दें। नागरिकों को कचरा सड़कों पर नहीं डालना है। सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग दुकानदार, ठेले वाले, आमजन बंद कर दे तो आधा शहर साफ हो जाए। नालों व नालियों में 80 प्रतिशत कचरा प्लास्टिक का ही मिलता है। मैं तो चाहता हूं कि पाली को क्लीन सिटी के रूप में पहचाना जाए। उसके लिए प्रयास भी कर रहे हैं।
- नवीन भारद्वाज, आयुक्त, नगर निगम, पाली

ऐसे सुधर सकती है पाली की रैंकिंग

- **कचरे का सही निपटान:** गीला व सूखा कचरा अलग-अलग डालकर। जैविक और गैर-जैविक कचरे को अलग रखकर। कचरा प्रबंधन के नियमों का पालन करें।
- **स्वच्छता के प्रति जागरूकता:** जो लोग स्वच्छता के प्रति सजग है। वे दूसरों को भी ऐसा करने के लिए जागरूक करें। कचरा फैलाने पर उनको टोके।
- **सार्वजनिक स्थानों की सफाई:** नागरिकों को अपने आसपास के सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखने के लिए आगे आना होना। पार्क, सड़कों और अन्य स्थलों पर कचरा नहीं डाले, वहां थूके नहीं, वहां कचरा डालने वालों को रोके।
- **पौधरोपण:** हर नागरिक को अपने क्षेत्र में पौधे लगाने चाहिए। इससे न केवल सौंदर्य बढ़ेगा, बल्कि पर्यावरण भी सुधरेगा।

एटीएम से ठगी करने वाला शातिर आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

जैसलमेर@पत्रिका. पोकरण पुलिस ने एटीएम से छेड़छाड़ कर बैंक के साथ ठगी करने वाले मेवात गैंग के एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी तकनीकी तरीके से एटीएम मशीन से पैसे निकालकर खातों से डेबिट नहीं होने देता था, जिससे बैंक को लाखों रुपये का नुकसान हुआ।

तकनीकी जांच से हुआ खुलासा, गैंग के तौर-तरीकों पर नजर : थानाधिकारी छतरसिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी जांच के आधार पर सम्बन्धित गैंग की गतिविधियों का पता लगाया। टीम ने कार्रवाई करते हुए अरशद खां (39) पुत्र पांचू खां उर्फ पांच्या खां निवासी बिलेटा, तहसील रैणी, थाना राजगढ़, जिला अलवर को गिरफ्तार किया। आरोपी पेशे से ट्रक ड्राइवर है, लेकिन एटीएम फ्रॉड में माहिर है।

आज का राशिफल सोमवार, 24 फरवरी 2025

मेष	*चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ* अकस्मात बड़े व्यय के कारण तनाव बढ़ेगा। कार्यों में विलंब होगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य में सुधार होगा।
वृषभ	*ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो* कार्यस्थल पर सहकर्मियों से व्यवहार सुधरेंगे। प्रेम-प्रसंग के कारण निजी जीवन प्रभावित होगा। व्यापार बदलाव के योग।
मिथुन	*क, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह* पुराने निवेश से लाभ होगा। भाइयों से चल रहे विवाद चिंता का कारण बनेंगे। धार्मिक आस्था बढ़ेगी। कार्य सफल होंगे।
कर्क	*हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो* व्यवहार से लोग प्रभावित होंगे। खान-पान पर ध्यान दें। पेट संबंधी रोग हो सकता है। नौकरी में अधिकारी वर्ग प्रसन्न होंगे।
सिंह	*मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे* पारिवारिक कार्यों में आवागमन होगा। सामाजिक मान बढ़ेगा। जमीन-जायदाद से जुड़े कार्यों में मंदी का सामना होगा।
कन्या	*टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो* जिद न करें। समय रहते निर्णय लें। माता-पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मकान, दुकान परिवर्तन के योग बनेंगे।
तुला	*रा,री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते* कोर्ट-कचहरी के कार्यों में धन लगेगा। भाइयों से विवाद और मनमुटाव की स्थिति बनेगी। दोस्तों के साथ व्यापार करेंगे।
वृश्चिक	*तो, ना, नी, नू, या, यी, यू* आपके अच्छे होने का लोग गलत फायदा उठाएंगे। समझदारी से कार्य करें। पेट संबंधी पीड़ा रहेगी। मकान बदलने के योग।
धनु	*ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे* आय से ज्यादा खर्च होगा। संतान के व्यवहार से दु:खी होंगे। धार्मिक यात्रा के योग बन रहे हैं।
मकर	*भो, जा, जी, जू, खा, खू, गा, गी* आलस्य के कारण उन्नति रुकी है। सेहत का ध्यान रखें। कारोबार मध्यम रहेगा। आवास बदलने के योग बन रहे हैं।
कुम्भ	*गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा* समय रहते गलतियों को सुधारें। घमंड न करें। निजी जीवन में परेशानी बढ़ेगी। माता के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।
मीन	*दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, चि* दिनचर्या में बदलाव लाना होगा। संत या महापुरुष के दर्शन संभव है। व्यावसायिक स्थिति मजबूत होगी।

ज्यो. पं चंदन श्यामनारायण व्यास, पंचांगकर्ता, उज्जैन

ग्रह-नक्षत्र ज्योतिर्विद: पं. घनश्यामलाल स्वर्णकार

शुभ वि. सं:	2081	**हिजरी सम्वत :**	1446	**ऋतु:**	बसंत
संवत्सर का नाम:	कालयुक्त	**मु.मास :**	सावन-25	**मास:**	फाल्गुन
शाके सम्वत:	1946	**अयन:**	उत्तरायण	**पक्ष:**	कृष्ण

आज का दिन

सोमवार, 24 फरवरी, 2025

सूर्योदयकालीन लग्न व ग्रह स्थिति

श्रेष्ठ चौघड़िया: आज सूर्योदय से प्रात: 8.25 तक अमृत, प्रात: 9.50 से पूर्वाह्न 11.15 तक शुभ तथा दोपहर बाद 2.05 से सूर्यास्त तक क्रमश: चर, लाभ व अमृत के श्रेष्ठ चौघड़िए हैं एवं दोपहर 12.17 से दोपहर 1.03 तक अभिजित नामक श्रेष्ठ मुहूर्त है। जो आवश्यक शुभ कार्यारम्भ के लिए अत्युत्तम है।

शुभ तिथि: एकादशी नन्दा संज्ञक तिथि दोपहर बाद 1.45 तक, तदन्तर द्वादशी भद्रा संज्ञक तिथि प्रारम्भ हो जाएगी। एकादशी तिथि में यज्ञोपवीत, विवाहादि मांगलिक कार्य, युद्ध, चित्रकारी, देवोत्सव, यात्रा, प्रवेश, अलंकार व गृहारम्भ आदि कार्य करने योग्य हैं। द्वादशी में भी विवाहादि कार्य शुभ कहे गए हैं।

नक्षत्र: पूर्वाषाढ़ा ''उग्र व अधो मुख'' संज्ञक नक्षत्र सायं 6.59 तक, तदुपरान्त उत्तराषाढ़ा ''ध्रुव व ऊर्ध्वमुख'' संज्ञक नक्षत्र है। पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र में कुआ, बावड़ी, कृषि, विग्रह, कठिन व साहसिक कार्य और उत्तराषाढ़ा नक्षत्र में विवाहादि सभी मांगलिक कार्य करने योग्य हैं।

योग: सिद्धि नामक नैसर्गिक शुभ योग प्रात:10.05 तक, तदन्तर व्यतिपात नामक अत्यन्त बाधा कारक अशुभ योग है। व्यतिपात योग की समस्त घड़ियां सभी शुभ कार्यों में वर्जित हैं।

करण: बालव नाम करण दोपहर बाद 1.56 तक, तदन्तर कौलव व तैतिल आदि करण क्रमश: है।

व्रत/दिवस विशेष: आज विजया एकादशी व्रत है।

चंद्रमा : चन्द्रमा धनु राशि में रात्रि 12.56 तक, तदुपरान्त मकर राशि में रहेगा।

ग्रह मार्गी वक्री: मंगल मार्गी प्रात: 7.31 से।

शुभ मुहूर्त: आज सगाई व रोका, कूप-खनन व बोरिंग करवाना पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र में तथा विवाह का अति आवश्यकता में उत्तराषाढ़ा नक्षत्र में (व्यतिपात दोष) यथा आवश्यक शुभ मुहूर्त हैं।

दिशाशूल: सोमवार को पूर्व दिशा की यात्रा में दिशाशूल रहता है। चन्द्र स्थिति के अनुसार आज धनु राशि के चन्द्रमा का वास पूर्व दिशा की यात्रा में सम्मुख रहेगा। जो पूर्व दिशा की यात्रा के लिए लाभदायक है।

राहुकाल (मध्यमान से): प्रात: 7.30 बजे से प्रात: 9.00 बजे तक राहुकाल वेला में शुभकार्यारम्भ यथासंभव वर्जित रखना हितकर है।

आज जन्म लेने वाले बच्चे- आज जन्म लेने वाले बच्चों के नाम (फा, ढा, भे, भो, ज) आदि अक्षरों पर रखे जा सकते हैं। रात्रि 12.56 तक जन्मे जातकों की जन्म राशि धनु व इसके बाद जन्मे जातकों की जन्म राशि मकर है। धनु राशि के स्वामी बृहस्पति व मकर राशि के स्वामी शनि देव हैं। इनका जन्म ताम्रपाद से है, जो शुभ माना जाता है। सामान्यत: ये जातक बुद्धिमान, परोपकारी, सर्वप्रिय, सभी कार्यों में होशियार, कार्यकुशल और यशस्वी होते हैं। इनका भाग्योदय 28 वर्ष की आयु के बाद होता है। धनु राशि वाले जातकों के रुके हुए कार्यों में प्रगति एवं सुधार होगा। घर- परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

नि :शुल्क आवंटित जमीन कूटरचित दस्तावेज से हस्तांतरण का आरोप

मौलाना आजाद विवि के चेयरपर्सन, रजिस्ट्रार सहित तीन गिरफ्तार

जोधपुर@पत्रिका. बोरानाडा थाना पुलिस ने बुझावड़ गांव की 140 बीघा जमीन घोटाले के मामले में मौलाना आजाद यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन मोहम्मद अतीक गौरी, सेवानिवृत्त आरएएस अधिकारी विवि के रजिस्ट्रार अनवर अली व निसार अहमद खिलजी को शनिवार को गिरफ्तार किया। इन्हें मारवाड़ मुस्लिम एज्यूकेशन एण्ड वेलफेयर सोसायटी को राज्य सरकार से नि:शुल्क आवंटित 140 बीघा जमीन फर्जी तरीके व कूटरचित दस्तावेज से मौलाना आजाद यूनिवर्सिटी को हस्तांतरित करने का आरोपी माना गया है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) निशांत भारद्वाज ने बताया कि गत 9 अप्रेल को कमला नेहरू नगर निवासी अब्दुल नजीम बेलीम ने बोरानाडा थाने में मामला दर्ज कराया था। आरोप प्रमाणित माने जाने पर मेड़ती गेट निवासी मोहम्मद अतीक गौरी, चौहाबो में नंदनवन स्कीम निवासी सेवानिवृत्त आरएएस अनवर अली और निसार अहमद खिलजी को गिरफ्तार किया गया है। अन्य की भूमिका के संबंध में जांच की जा रही हैं। अतीक मारवाड़ मुस्लिम एजुकेशन सोसायटी के पूर्व उपाध्यक्ष व वर्तमान में मौलाना अबुल कलाम विवि के चेयरपर्सन हैं। वहीं, सेवानिवृत्त आरएएस अधिकारी अनवर अली सोसायटी के रजिस्ट्रार और निसार अहमद खिलजी सोसायटी के पूर्व महासचिव रहे हैं। इस मामले में थानाधिकारी ने एफआर लगाई थी। दोबारा जांच एसीपी बोरानाडा को सौंपी गई तो जांच में आरोप सही पाए गए। अंत में एडीसीपी निशान भारद्वाज ने पत्रावली का अवलोकन कर आरोप प्रमाणित माने।

नौ साल से फरार आरोपी गिरफ्तार

जोधपुर @ पत्रिका. प्रतापनगर थाना पुलिस ने चेक अनादरण के मामले में नौ साल से फरार एक आरोपी को गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ कोर्ट ने चार स्थाई वारंट जारी कर रखे थे।

सहायक पुलिस आयुक्त प्रतापनगर रविन्द्र बोथरा ने बताया कि मूलतः कमला नेहरू नगर हाल मसूरिया श्रमिक कॉलोनी सेक्टर बी निवासी मुकेश सिंह पुत्र जोहरसिंह सांखला को गिरफ्तार किया गया है। वह नौ साल से फरार था। उसके खिलाफ चेक अनादरण का मामला दर्ज है।

वह थाने के टॉप-10 में शामिल था। पकड़ में न आने पर उसके खिलाफ चार स्थाई वारंट भी जारी किए गए थे।

डोडा-अफीम बरामद, आरोपी गिरफ्तार

रोहट. थाना क्षेत्र के विश्नोईयों की ढाणी सांवलता कलां गांव में एक घर में पुलिस ने कार्रवाई करते डोडा पोस्त व अफीम बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार किया। थानाधिकारी उर्जाराम, कांस्टेबल महिपाल, आसूचना अधिकारी विशेष भूमिका कांस्टेबल गणेश चौधरी, दिनेश खोखर, तेजाराम, रेखा, श्रवणराम सांवलता कल्ला गांव पहुंचे। जहां विश्नोइयों की ढाणी सांवलता निवासी प्रेमप्रकाश के घर की तलाशी ली तो घर में रखे अवैध रूप से 16.820 किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त एवं 1.530 किग्रा अफीम जब्त कर आरोपी प्रेमप्रकाश को गिरफ्तार कर अवैध डोडा व अफीम बरामद की।

पहाड़ियों में फंदे पर लटकता मिला शव

पाली. माण्डीगढ़ राजस्व ग्राम अलसीपुरा के लापता युवक का शव माण्डीगढ़ सरहद जंगल पहाड़ियों में पेड़ पर फंदे से लटका मिला। पुलिस ने पहुंचकर ईगल रेस्क्यू टीम जितेन्द्रसिंह राठौड़ की मदद से शव उतारा। युवक 17 फरवरी से लापता था तथा शव सड़ गल चुका था। इस कारण घटनास्थल पर ही परिजनों की सहमति से शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंपा। एएसआई ईश्वरसिंह राणावत ने बताया कि माण्डीगढ़ अलसीपुरा निवासी उमाराम पुत्र पदाराम भील जो 17 फरवरी शाम 4 बजे बिना बताए घर से निकल गया था। घर नहीं लौटने पर परिजनों ने आसपास रिश्तेदार व गांवों में तलाश की।

शहर के बाजार से होकर गुजरते हैं बड़े वाहन

जालोर-बाड़मेर स्टेट हाइवे पर सायला में बाइपास की दरकार, मिलेगी ट्रैफिक जाम से निजात

कपिल त्रिवेदी
patrika.com

सायला. नगर के बीच से गुजर रहे जालोर बाड़मेर स्टेट हाइवे 16 को बाइपास मिल जाए तो शहर में काफी हद तक ट्रैफिक जाम से बचा जा सकता हैं। शहर के हालात इतने विकट बने हुए हैं कि दिनभर बड़े बड़े ट्रेलर एवं भारी वाहन शहर के मुख्य बाजार के बीच से गुजरते हैं। ऐसे में हादसे का डर तो रहता ही हैं, साथ हर दो घंटे में ट्रैफिक जाम हो जाता हैं। कभी-कभी तो जाम को खुलने में आधा घंटा लग जाता है। ऐसे में आपातकालीन स्थिति में वाहन चालकों को ज्यादा परेशानी होती है।

स्टेट हाइवे 16 जालोर बाड़मेर के लिए ओटवाला सरहद के मामाजी ओरण से बाइपास शुरू कर वालेरा जीएसएस तक बाइपास निर्माण करवाया जाए तो समस्या का समाधान हो सकता है। वर्तमान में यहां ग्रेवल मार्ग बना हुआ है। हालांकि रास्ते की चौड़ाई 15 फिट के आसपास की है, लेकिन सरकार चाहे तो भूमि को अवाप्त कर बाइपास का निर्माण करवा सकती है। वहीं अन्य स्थानों पर होकर भी सायला शहर से बाहर होते हुए बाइपास निकाला जाए तो शहर को ट्रैफिक जाम की समस्या से निजात मिल सकेगी। जालोर बाड़मेर स्टेट हाइवे पर दिन रात बड़े वाहनों की आवाजाही रहती हैं। ऐसे में जालोर से बाड़मेर की तरफ या बाड़मेर से जालोर की तरफ जाने वाले वाहन अक्सर सायला शहर में ट्राफिक जाम में फंस जाते हैं। जिससे गंतव्य स्थान तक पहुचने में समय भी अधिक लगता हैं। बाइपास बनने समय भी कम लगेगा व ईंधन की बचत भी होगी।

बच्चों के स्कूल आने-जाने में डर

शहर के सरकारी एवं निजी विद्यालयों के बच्चे भी इसी स्टेट हाइवे से होकर स्कूल जाते हैं व स्कूल से घर आते हैं। ऐसे में बाजार में होकर बड़े वाहनों के चलने से अभिभावकों को भी हर समय खतरे का डर रहता है। अभिभावकों ने बताया कि बड़े वाहनों को बाइपास बनाकर शहर से बाहर होकर निकालना चाहिए।

सड़कों पर दिनभर रहती है भीड़भाड़

शहर में व्यापार के लिए मुख्य बाजार वर्तमान में गुजरने वाली सड़क के दोनों तरफ है। आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से लोग यहां खरीदारी करने आते है। वहीं मुख्य बाजार के बीच में गुजर रहे बड़े पत्थरों से लदे ट्रेलर से व्यापारियों व खरीदारी के लिए आने वाले लोगों को हमेशा हादसे का डर सताता है। वहीं खरीदारी के लिए वाहन लेकर आने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

हो सकता है मैं आपके विचारों से सहमत न हो पाऊं फिर भी विचार प्रकट करने के आपके अधिकारों की रक्षा करूंगा। –वाल्तेयर

राजस्थान पत्रिका
• संस्थापक •
कर्पूर चन्द्र कुलिश

तमिलनाडु में हिंदी विरोध की राजनीति अनुचित

नई शिक्षा नीति (एनईपी) और त्रिभाषा फॉर्मूले को लेकर तमिलनाडु में फिर विवाद गहरा गया है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन के बाद अभिनेता कमल हासन ने आरोप लगाया है कि तमिलनाडु पर 'हिंदी थोपने' की कोशिश की जा रही है। उनका कहना है कि वह बहुभाषी होने के पक्षधर हैं, लेकिन राज्य में हिंदी को अनिवार्य करना स्वीकार्य नहीं है। तमिलनाडु के नेताओं, अभिनेताओं और दूसरे नुमाइंदों के ऐसे तर्कों के कारण त्रिभाषा फॉर्मूला लागू करना मृगमरीचिका बना हुआ है। कस्तूरीरंगन कमेटी पहले ही सिफारिश कर चुकी है कि तमिलनाडु समेत सभी गैर-हिंदी भाषी राज्यों के सेकंडरी स्कूलों में एक क्षेत्रीय भाषा और अंग्रेजी के अलावा हिंदी पढ़ाई जानी चाहिए।

भाषा को लेकर संकीर्ण सोच से ऊपर उठने के बजाय राज्य के नेता इस मुद्दे पर राजनीति चमकाने में जुटे हैं। तमिलनाडु में हिंदी विरोध का लंबा इतिहास है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान महात्मा गांधी ने दक्षिण भारत में वर्ष 1918 में दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा की स्थापना की थी। वे हिंदी को भारतीयों को एकजुट करने वाली भाषा मानते थे। तब ही तमिलनाडु में हिंदी विरोध शुरू हो गया था। ब्रिटिश औपनिवेशिक काल में तमिलनाडु को मद्रास प्रेसिडेंसी कहा जाता था। तब 1937 में सी. राजगोपालाचारी की सरकार ने स्कूलों में हिंदी को अनिवार्य किया तो तमिलनाडु में इसके खिलाफ तीन साल तक आंदोलन चला। फैसला वापस लेने पर आंदोलन तो खत्म हो गया, पर इसने राज्य में हिंदी विरोध के जो बीज बोए थे, वे जब-तब अंकुरित होने लगते हैं। क्षेत्रीय पार्टियां राजनीतिक फायदे के लिए इन्हें खाद-पानी मुहैया कराती रहती हैं। तमिलनाडु के स्कूलों में 1967 से दो-भाषा फॉर्मूले (तमिल और अंग्रेजी) का पालन किया जा रहा है। त्रिभाषा फॉर्मूले के तहत हिंदी वहां क्षेत्रीय पार्टियों के लिए आंख की किरकिरी बनी हुई है। शिक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाने के इस नीति के मकसद के बावजूद ये पार्टियां पुराना राग नहीं छोड़ना चाहतीं। द्रमुक की मौजूदा सरकार पर केंद्र की यह चेतावनी भी बेअसर रही कि जब तक तमिलनाडु एनईपी को पूरी तरह लागू नहीं करेगा उसे समग्र शिक्षा निधि की 2152 करोड़ रुपए की राशि जारी नहीं की जाएगी।

तमिलनाडु सरकार हिंदी के पठन-पाठन के दरवाजे इसलिए बंद रखना चाहती है, क्योंकि उसे लगता है कि एक बार दरवाजे खुले तो राजनीति का रंग-रोगन बदल जाएगा। नई शिक्षा नीति हिंदी थोपने के बजाय विद्यार्थियों को एक अतिरिक्त भाषा सीखने का अवसर दे रही है। दक्षिणी राज्यों में त्रिभाषा फॉर्मूले का रास्ता बनाने के लिए फूंक-फूंककर कदम रखना होगा।

सामयिक: अमरीका उन अवसरों को क्यों छोड़ेगा जो यूक्रेन के प्राकृतिक संसाधनों तक उसकी पहुंच बनाते हैं...

रूस के साथ रिश्तों के लिए यूक्रेन सिर्फ एक मोहरा

मार्क चैंपियन
यूरोप, रूस और मध्यपूर्व मामलों के विशेषज्ञ
ब्लूमबर्ग
(वाशिंगटन पोस्ट से विशेष अनुबंध के तहत)

हाल ही ट्रंप और पुतिन प्रशासन के अधिकारियों के बीच हुई मुलाकात में यूक्रेन और यूरोप गैरहाजिर थे। इस बैठक में अमरीका-रूस ने अपने आपसी रिश्ते सुधारने की पहल की, न कि यूक्रेन के लिए। ट्रंप अब यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की को समझौते में बाधा के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहे हैं।

हमें इस समय अमरीकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के उस दृष्टिकोण पर फिर से सोचने और विचार करने की जरूरत है जिसमें उन्होंने रूस और यूक्रेन के बीच जंग खत्म कराने की बात कही थी। समझौता कराने के लिए वह बातचीत कर रहे हैं ताकि व्यापार के सिलसिले में कीव और उसका भविष्य अमरीकी राष्ट्रपति के हाथ में सबसे मूल्यवान कार्ड बन जाए। इस नजरिए से देखने पर, चौंकने की कोई वजह नहीं है कि हाल ही ट्रंप और पुतिन प्रशासन के अधिकारियों के बीच हुई अहम मुलाकात में यूक्रेन और यूरोप गैरहाजिर थे। इस बैठक में अमरीका-रूस ने अपने आपसी रिश्ते सुधारने की पहल की, न कि यूक्रेन के लिए। यह हैरान करने वाली बात है कि ट्रंप अब यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की को समझौते में बाधा के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहे हैं। अब यह और भी ज्यादा महसूस होने लगा है कि 'व्यापारिक सौदे करने में माहिर' ट्रंप ने इसकी शुरुआत राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन को फोन कॉल करने से ही कर दी होगी और बातचीत शुरू होने से पहले ही यूक्रेन पर मास्को की शर्तों को मान लिया होगा। जिन रियायतों पर पहले ही चर्चाएं थीं- यूक्रेन को नाटो में शामिल न करने, कब्जे वाले क्षेत्र को वापस न लौटाने और जेलेंस्की से छुटकारा पाने के लिए चुनाव आदि।

सही निष्कर्ष निकालने के लिए गौर करने वाली बात है- रियाद बैठक में रूस के सॉवरिन वेल्थ फंड के प्रमुख किरिल दिमित्रिव की मौजूदगी। वह ऊर्जा निवेश पर पुतिन के सलाहकार भी हैं। अमरीका में शिक्षित और गोल्डमैन सॉक्स ग्रुप इंक. के पूर्व निवेश बैंकर दिमित्रिव ने सऊदी अरब की राजधानी में पत्रकारों से कहा था कि ट्रंप समस्याओं के महान समाधानकर्ता हैं और समाधान करने योग्य समस्या यह है कि युद्ध के चलते अमरीका को रूस के साथ व्यापार में 300 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ। ट्रंप की मांग है कि यूक्रेन 500 अरब डॉलर के अपने बेशकीमती रेयर-अर्थ (दुर्लभ मृदा खनिज) और अन्य वास्तविक संसाधनों को उपलब्ध कराए। यह राशि बहुत बड़ी है लेकिन रेयर-अर्थ की कीमत और भी ज्यादा। दिमित्रिव यह भी कहते हैं कि वह जल्द से जल्द, इस साल की दूसरी तिमाही में अमरीकी कंपनियों को रूस लौटते देख रहे हैं, भले ही कुछ को बाजार की हिस्सेदारी हासिल करने के लिए संघर्ष करना पड़े। दूसरे शब्दों में- अमरीका उन अवसरों को क्यों छोड़ेगा जो यूक्रेन के प्राकृतिक संसाधनों तक उसकी पहुंच बनाते हैं?

येल स्कूल ऑफ मैनेजमेंट की चीफ एक्जीक्यूटिव लीडरशिप इंस्टीट्यूट (सीइएलआइ) की सूची के अनुसार, फरवरी 2022 में जब पुतिन ने यूक्रेन में सैन्य अभियान शुरू किया था, तब रूस में 457 अमरीकी कंपनियां कारोबार कर रही थीं। इनमें से अभी 23 सामान्य रूप से काम कर रही हैं। प्रॉक्टर एंड गैंबल कंपनी समेत 100 कंपनियां अभी भी हैं लेकिन उनका आकार छोटा हो गया है। बाकी अन्य ने या तो अपना कारोबार स्थगित कर दिया है या पूरी तरह समेट लिया है। कारोबार समेटने वाली बड़ी कंपनियों में एक्सॉन मोबिल कॉर्प जैसे नाम भी हैं जिसकी रूस के सुदूर पूर्व में तेल और गैस निकालने में 30 फीसदी हिस्सेदारी है। रूस ने अक्टूबर 2022 में इसे जब्त कर लिया था। एक्सॉन की हिस्सेदारी का मूल्य लगभग 4 बिलियन डॉलर आंका गया था। कोई संदेह नहीं कि पुतिन चाहें तो इसे लौटा सकते हैं। मुद्दे तो बहुत हैं।

हालांकि आर्थिक प्रतिबंधों को हटाना ट्रंप के लिए अपनी स्थिति का फायदा उठाने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा है। अमरीकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि यह एक ऐसी रियायत है जिसे यूएस अंतिम समझौता होने तक नहीं देगा। लेकिन यूएस प्रशासन का रुख यूक्रेनी हितों की तुलना में रूस के साथ संबंधों को फिर कायम के लिए बेहतर फिट बैठता है। रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टी दोनों प्रशासन में काम करने वाले एक पूर्व राजनयिक डेनियल फ्राइड एक अलग तरीके से कहते हैं कि अंततः युद्धविराम बनाए रखने के लिए प्रोत्साहन के रूप में रूस पर पाबंदियों को हटाना बेहतर होगा। रियाद की बैठक में मुख्य विषय की बजाय यूक्रेन को एक मोहरा समझा गया। जैसा कि अमरीकी विदेश मंत्री रुबियो ने कहा भी कि दोनों पक्ष राजनयिक और आर्थिक संबंधों को पुनर्स्थापित करने और यूक्रेन पर चर्चा शुरू करने के लिए वार्ता दल बनाने पर सहमत हुए हैं। उन्होंने सामान्य हितों के मुद्दों पर स्पष्टतः रूस के साथ साझेदारी करने के लिए मौजूद अविश्वसनीय अवसरों पर जोर दिया। रुबियो निश्चित रूप से यूक्रेन के लोगों के लिए 'जैकपॉट' पर बात नहीं कर रहे थे। जब वह रियाद में थे, तब कीव पर अमरीकी दबाव था कि वह अपने खनिज संसाधनों, बंदरगाहों और अन्य बुनियादी ढांचे से होने वाले सभी राजस्व का 50 फीसदी से अधिक हिस्सा मुआवजे (यूक्रेन को सैन्य सहायता जो अमरीका ने दी है) के रूप में देने की ट्रंप की मांग को स्वीकार करे।

ये ऐसी शर्तें हैं जो विजेता युद्ध के मुआवजे के रूप में पराजित दुश्मनों पर थोपते हैं और निस्संदेह इस शर्त को अस्वीकार करने के रूप में डिजायन किया गया था। यह ट्रंप के उस परिदृश्य को तैयार करता है जिसमें वह युद्ध के लिए यूक्रेन को जिम्मेदार ठहराते हैं और जेलेंस्की को तानाशाह कहते हैं। यह अनुमान लगाया जा सकता है कि ट्रंप यूक्रेन के लिए उचित समझौता करके सभी को आश्चर्यचकित कर देंगे। यूक्रेन के लोगों के साथ ही यूरोप की भविष्य की स्थिरता के लिए यह दुखद है कि हम एक ऐसा समझौता देख रहे हैं जो दो बेहद सनक भरे नेताओं द्वारा उनके खर्च पर किया जाएगा। दोनों कमजोर लोगों को शोषण के लक्ष्य के रूप में और ताकतवरों को बातचीत लायक एकमात्र व्यक्ति के रूप में देखते हैं।

आइस फिशिंग: जमी हुई समुद्री सतह पर प्रतियोगिता

रूस के व्लादिवोस्तोक स्थित ब्राजनिकोव बे में लोगों ने जमी हुई समुद्री सतह पर आइस फिशिंग प्रतियोगिता का आनंद लिया। इस विशेष आयोजन में सैकड़ों प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और बर्फीली सतह पर छेद कर मछलियां पकड़ने की कोशिश की। कड़ाके की ठंड के बावजूद, इस रोमांचक प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए स्थानीय लोगों के साथ-साथ पर्यटक भी उमड़े। आइस फिशिंग रूस के सुदूर पूर्वी क्षेत्रों में सर्दियों के दौरान एक लोकप्रिय खेल और परंपरा बन चुका है। प्रतिभागी विशेष उपकरणों की मदद से बर्फ काटते हैं और पानी में जाल डालकर मछलियां पकड़ते हैं। इस आयोजन का उद्देश्य न केवल मनोरंजन है, बल्कि मछली पकड़ने की परंपरागत विधियों को संरक्षित करना भी है। यहां सुरक्षा के विशेष इंतजाम थे ताकि प्रतिभागियों को किसी तरह की परेशानी न हो।

नेतृत्व

विदुर नीति से समझें प्रभावशीलता

अल्पकालिक समृद्धि के लिए नैतिक मूल्यों से समझौता नहीं करना चाहिए

नेतृत्व एक ऐसी कला है जो समय से परे है। यह सत्य है कि आधुनिक प्रबंधन सिद्धांत रणनीति, निष्पादन और प्रभाव पर जोर देते हैं, किंतु प्राचीन ज्ञान नैतिक और प्रभावी नेतृत्व में गहन अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। ऐसा ही है महाभारत की विदुर नीति, जो कुरु वंश के बुद्धिमान मंत्री विदुर से राजा धृतराष्ट्र को व्यावहारिक सलाह प्रदान करती है। विदुर नीति में दिए गए सिद्धांत आज भी प्रासंगिक हैं। विदुर नेतृत्व में अटूट नैतिकता के महत्त्व को रेखांकित करते हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि किसी भी राजा/प्रमुख (लीडर) को व्यक्तिगत लाभ या अल्पकालिक समृद्धि के लिए नैतिक मूल्यों से कभी समझौता नहीं करना चाहिए। वे कहते हैं, "एक बुद्धिमान व्यक्ति को अपने राज्य की समृद्धि, अपने धन की भलाई या अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए कभी भी पापपूर्ण कार्य नहीं करना चाहिए।" नेतृत्व में, नैतिक विकल्प विश्वास और दीर्घकालिक प्रभाव उत्पन्न करते हैं। अतः लीडर्स को अपने कार्यों में निरंतरता का प्रदर्शन करना चाहिए, तत्काल लाभों पर मूल्यों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

प्रो. हिमांशु राय
निदेशक,
आइआइएम इंदौर
@patrika.com

यह सिद्धांत कॉर्पोरेट क्षेत्र में भी प्रासंगिक है, क्योंकि अक्सर लाभ को प्राथमिकता देने का प्रलोभन एक लीडर की विश्वसनीयता को कम कर सकता है। सच्चा नेतृत्व केवल सही निर्णय लेने के बारे में नहीं है, बल्कि अपने सिद्धांतों के अनुरूप निर्णय लेने का साहस भी है, भले ही इसके लिए कीमत चुकानी पड़े। इससे अखंडता की संस्कृति बनती है जो पूरे संगठन में व्याप्त होती है।

इसी प्रकार, संयम और धैर्य की ताकत पर विदुर कहते हैं- "एक बुद्धिमान व्यक्ति संकट के क्षणों में जल्दबाजी में काम नहीं करता है। जल्दबाजी में लिया गया निर्णय अक्सर विनाश की ओर ले जाता है।" व्यवसाय और नेतृत्व दोनों में, जल्दबाजी में लिए गए निर्णय आवेगपूर्ण कार्यों को जन्म दे सकते हैं। ये तत्काल उत्पन्न हुई समस्याओं को हल तो कर सकते हैं लेकिन दीर्घकालिक जटिलताएं भी उत्पन्न कर सकते हैं। इसलिए आवश्यक है कि एक लीडर स्थिति का पूरी तरह से मूल्यांकन करे, विविध दृष्टिकोणों की तलाश करे और यह सुनिश्चित करे कि उनके कार्य संगठन के मूल्यों और रणनीतिक उद्देश्यों के अनुरूप हों। चिंतन करने और धैर्य के साथ काम करने की क्षमता अच्छे लीडर्स को महान लीडर बनाती है। विदुर ने यह भी सलाह दी है कि एक लीडर को अपने आसपास बुद्धिमान, सक्षम व्यक्तियों को रखना चाहिए और अपनी भूमिकाएं निभाने के लिए उन पर भरोसा करना चाहिए। उन्होंने कहा- "एक राजा को बुद्धिमान, गुणी और सक्षम सलाहकारों को नियुक्त करना चाहिए और उनकी सलाह पर भरोसा करना चाहिए।"

प्रभावी नेतृत्व का अर्थ अकेले सब कुछ करना नहीं है। इसमें कुशल व्यक्तियों की एक टीम बनाना, उन्हें सशक्त बनाना और अपनी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए उन पर भरोसा करना शामिल है। दूसरों को सशक्त बनाकर, लीडर जवाबदेही की संस्कृति बनाते हैं और अपनी टीमों के बीच स्वामित्व की भावना को बढ़ावा देते हैं। 'माइक्रोमैनेजमेंट' यानि लीडर का निरंतर हस्तक्षेप रचनात्मकता और नवाचार को रोकता है। इसके बजाय, लीडर्स को अपनी टीमों का समर्थन करने और उन्हें सफल होने के लिए आवश्यक संसाधन प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। फिर चाहे कॉर्पोरेट हो या शैक्षणिक, जो लीडर अपनी टीमों पर भरोसा करते हैं वे सहयोग को बढ़ावा देते हैं, प्रदर्शन को अनुकूलित करते हैं और बेहतर परिणाम सुनिश्चित करते हैं। विदुर नीति के सबक आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने प्राचीन काल में थे। जो लीडर इन मूल्यों को अपनाते हैं, वे जानते हैं कि नेतृत्व का सार धर्म में निहित है। जो सही है उसे करना, तब भी जब कोई नहीं देख रहा हो।

वैश्विक स्तर पर चल रहे गंभीर प्रयास

'डिजिटल डिटॉक्स' की मुहिम से दूर होंगी सामाजिक समस्याएं

डॉ. मोनिका शर्मा
स्वतंत्र लेखिका
@patrika.com

किसी किसी भी सकारात्मक कार्य को करने के लिए साझा मुहिम की दरकार होती है। मिल-जुलकर की गई कोशिशें ना केवल समग्र परिवेश की भागीदारी सुनिश्चित करती हैं बल्कि सफल भी होती हैं। तकनीक के लती बनते बच्चों-बड़ों के बढ़ते आंकड़ों के चलते डिजिटल उपवास के मोर्चे पर भी अब मिलकर कदम उठाने की स्थितियां बन गई हैं। बीते दिनों महाराष्ट्र के सांगली जिले के एक गांव के लोगों ने स्क्रीन से दूरी बनाने को लेकर एक सार्थक पहल की शुरुआत की है। डिजिटल डिटॉक्स के माध्यम से स्क्रीन समय घटाने की राह चुनी है। गौरतलब है कि मोहित्यांचे वडगांव गांव में प्रतिदिन शाम 7 बजे सायरन के बजते ही लोग स्मार्ट फोन और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बंद कर देते हैं। तकनीक के नियत और सधे इस्तेमाल की यह मुहिम सचमुच महत्त्वपूर्ण है। यह सामाजिक मेलजोल को बढ़ावा देने व डिजिटल गतिविधियों में बीत रहे असीमित समय से बढ़तीं स्वास्थ्य समस्याओं से बचाने वाली है।

भारत ही नहीं, दुनिया के हर हिस्से में बसे लोगों के जीवन का ऐसा कोई पहलू नहीं जो वर्चुअल व्यस्तता के दुष्प्रभाव से बचा हो। लोग तकनीक के इस जाल में फंसकर अपनों से दूर हो रहे हैं। अपने आप को खो रहे हैं। क्लिक-क्लिक की धुन में जीवन की सहजता भुला बैठे हैं। स्क्रीन पर हर पल कुछ ना कुछ देखते हुए अपने परिवेश से कट रहे हैं। फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम और वाट्सएप जैसे वर्चुअल माध्यमों पर आभासी जुड़ाव के फेर में लंबा समय बीत जाता है। नतीजतन, देश-दुनिया में डिजिटल डिटॉक्स से जुड़ीं मुहिम देखने को मिल रही हैं। हाल ही आइसलैंडिक शैली का दही बनाने वाले अमेरिकी ब्रैंड, सिग्गी ने भी एक चकित करने वाली प्रतियोगिता आयोजित की थी। सिग्गी की प्रतियोगिता का नाम ही 'डिजिटल डिटॉक्स प्रोग्राम' था। इसमें प्रतियोगी को एक महीने के लिए अपने मोबाइल फोन से पूरी तरह से दूरी बनानी थी। अपने इस डिजिटल ब्रेक के बदले में विजेताओं को मोटी इनाम राशि देने की बात भी कही थी। डिजिटल डिटॉक्स से जुड़ी इस प्रतियोगिता में 10 विजेताओं को इनाम में 10000 डॉलर यानि करीब साढ़े आठ लाख रुपए का इनाम दिए जाने की बात भी शामिल थी। वैश्विक स्तर पर आभासी दुनिया से लेकर असल संसार तक तकनीकी माध्यमों से दूरी बनाने या इनके इस्तेमाल को कुछ समय के लिए विराम देने के बहुत से कार्यक्रम चल रहे हैं। कर्नाटक सरकार गेमिंग और सोशल मीडिया के सधे इस्तेमाल की सजगता के लिए इंडिया गेम डवलपर्स फोरम के साथ डिजिटल डिटॉक्स पहल कर चुकी है।

यूनेस्को की 'टेक्नोलॉजी इन एजुकेशन' रिपोर्ट के मुताबिक टेक्नोलॉजी से हद से ज्यादा जुड़े रहना, विशेष रूप से स्मार्टफोन के इस्तेमाल की अति से बच्चों के प्रदर्शन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। रिपोर्ट में शामिल मूल्यांकन के आंकड़े बताते हैं कि हरदम मोबाइल पास होने से विद्यार्थियों का ध्यान भटकता है, सीखने की क्षमता पर दुष्प्रभाव पड़ता है। स्मार्टफोन में आने वाले नोटिफिकेशन ही नहीं, मोबाइल के पास होने मात्र से भी ध्यान भटकने की स्थिति बन जाती है। वैसे, स्वास्थ्य समस्याओं के चलते कई देशों में तो महंगी फीस चुकाकर डिजिटल डिटॉक्सिंग सेवाएं ली जा रही हैं। ऐसे में सामाजिकता के सार्थक भाव संग स्क्रीन के बजाय वास्तविक संसार से जुड़ाव की यह पहल बहुत महत्त्वपूर्ण है।

विस्तार से पढ़ने के लिए **क्यूआर कोड स्कैन करें**

भ्रष्टाचार से पर्यावरण के प्रोजेक्ट्स पर भी असर

आर्थिक विकास तथा लोकतंत्र को कमजोर कर रहा भ्रष्टाचार

डॉ. ज्योति सिडाना
समाजशास्त्री एवं स्तम्भकार
@patrika.com

भ्रष्टाचार को एक ऐसे गैर-संस्थागत व्यवहार की संज्ञा दी जा सकती है जिसमें सत्ता या पद का दुरुपयोग शामिल होता है, निर्णय लेने की प्रक्रियाओं को प्रभावित किया जा सकता है। साथ ही अपने लाभ के लिए दूसरों के अधिकार और कल्याण से जुड़े मानदंडों का उल्लंघन शामिल हो सकता है। भ्रष्टाचार उन सभी क्रियाओं या व्यवहारों को कहते हैं जिनसे किसी व्यक्ति अथवा समूह विशेष को क्षति हो। यानी भ्रष्टाचार पारस्परिक विश्वास को ठेस पहुंचाता है, लोकतंत्र को कमजोर करता है और आर्थिक विकास की राह में भी बाधा उत्पन्न करता है। और तो और इससे समाज में असमानता, गरीबी, सामाजिक विभाजन और पर्यावरण संकट को भी बढ़ावा मिलता है।

हाल ही गैर-सरकारी संगठन ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल द्वारा भ्रष्टाचार बोध सूचकांक 2024 जारी किया गया है। इसमें 180 देशों और क्षेत्रों को उनके सार्वजनिक क्षेत्र में भ्रष्टाचार के कथित स्तरों के आधार पर अंक दिए जाते हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024 में भारत 96वें स्थान पर आ गया जो कि पिछले वर्ष 2023 में 93वें स्थान पर था। रिपोर्ट के अनुसार भ्रष्टाचार सिर्फ आर्थिक और राजनीतिक स्थिरता के लिए खतरा नहीं है, बल्कि यह जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयासों को भी कमजोर करता है। क्योंकि जलवायु नीति के लिए आवंटित धन भ्रष्टाचार के कारण सही जगह नहीं पहुंच पाता। इससे पर्यावरण से जुड़े प्रोजेक्ट पूरे नहीं हो पाते, जिससे ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्याएं और गंभीर हो जाती हैं। इसी तरह शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, निर्माण कार्यों के लिए दिया गया बजट कभी भी पूरी तरह से इन योजनाओं पर खर्च हो ही नहीं पाता, परिणामस्वरूप विकास और कल्याणकारी योजनाएं बीच में ही दम तोड़ देती हैं और विकास मूर्त रूप नहीं ले पाता। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि भ्रष्टाचार एवं पूंजीवादी विकास के मध्य एक सकारात्मक सह-संबंध है। अतीत से लेकर अब तक गरीबी उन्मूलन के लिए किए गए सरकारी प्रयासों से यह पता चलता है कि भ्रष्टाचार एक स्थायी बाधा है जिसका सामना हमें सामाजिक और आर्थिक सुधार और विकास की प्रक्रिया के दौरान करना पड़ता है। क्योंकि यह न केवल राजनीतिक निर्णयों को गुमराह करता है, बल्कि राजकोषीय बजट को विकृत करता है, नीति क्रियान्वयन की प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न करता है और अंततः विकास की दिशा को भी प्रभावित करता है। इसी तरह सफलता प्रारूप एवं भ्रष्टाचार के मध्य संबंध की भी तलाश की जा सकती है।

मनुष्य अपनी आर्थिक आकांक्षाओं को पूरा करने और संसाधनों पर अधिक से अधिक स्वामित्व प्राप्त करने के लिए अपने पद/ऑफिस का दुरुपयोग करने से भी नहीं झिझकते। इस गैर-संस्थागत व्यवहार ने राजनीतिज्ञों एवं अपराधियों में गठजोड़ को उत्पन्न कर दिया है। आज भ्रष्टाचार इतना हो गया है कि लोगों ने यह स्वीकार कर लिया है कि बिना रिश्वत दिए कोई काम होगा ही नहीं या समय पर नहीं होगा। आंग सान सू की ने फ्रीडम फ्रॉम फियर में यह तर्क दिया है कि शक्ति भ्रष्ट नहीं करती, बल्कि भय भ्रष्ट करता है। सत्ता खोने का भय उसे चलाने वालों को भ्रष्ट करता है और सत्ता के अभिशाप का भय उसे भ्रष्ट करता है जो उसके अधीन होते हैं। काम के घंटे बढ़ाने से जीडीपी बढ़े न बढ़े, लेकिन भ्रष्टाचार को रोकने या समाप्त करने से देश जरूर विकास के सपने को मूर्त रूप दे सकेगा।

विस्तार से पढ़ने के लिए **क्यूआर कोड स्कैन करें**

आपकी बात

सुविधाओं के साथ चुनौतियां भी

डिजिटल तकनीक के बढ़ते प्रभाव ने जीवन को एक नई गति प्रदान की है। डिजिटल ट्रांजेक्शंस, सोशल मीडिया नेटवर्किंग आदि ने जहां जिंदगी को आसान बनाया है, वहीं बढ़ते साइबर क्राइम ने हमारे समक्ष नई चुनौतियां भी पेश की हैं। - सर्वजीत अरोड़ा, जयपुर

patrika.com पर पढ़ें

पाठकों की अन्य प्रतिक्रियाएं

इसे स्कैन करें

पत्रिकायन का सवाल था 'डिजिटल तकनीक के बढ़ते प्रभाव से आपकी जीवनशैली पर किस तरह का असर पड़ा है?' ऑनलाइन भी देखें।
https://shorturl.at/qB3ZD

आज का सवाल

भ्रष्टाचार के बढ़ते मामलों पर किस तरह अंकुश लगाया जा सकता है?

ईमेल करें
edit@epatrika.com

पोलमपोल भायो

आय जम्या छै मुरधरा, धतकरमी भरमार।
नफरी खाकी की जुटी, 'ट्रैफिक' में दरबार!!

बेखौफ बजरी माफिया : बनास का कर रहे सीना छलनी...

भीलवाड़ा @ पत्रिका. राजस्थान में बजरी खनन के लिहाज से भीलवाड़ा अव्वल है। बनास और कोठारी नदी जिले के कई गांवों से होकर गुजर रही। अफसरों की मिलीभगत से दोनों नदियों पर बजरी माफिया का राज है। यहां अवैध बजरी खनन कर जमकर चांदी कूटी जा रही है। जिले से 40 किमी दूर गेंदलिया, आकोला समेत कई ग्रामीण क्षेत्रों से गुजर रही बनास नदी में जेसीबी और ट्रैक्टर के जरिये दिन-रात बजरी निकाली जा रही है। न पुलिस को फिक्र न खनिज विभाग ध्यान दे रहा। माफिया बजरी के लिए नदियों का सीना छलनी कर रहा है। गेंदलिया के निकट से ली गई तस्वीर। **फोटो: अरविंद हिरण**

राजस्थान हाईकोर्ट

केस जिन पर रहेगी निगाह...

24 फरवरी से 2 मार्च

- **तारीख 24 फरवरी**
  हाईकोर्ट: जोधपुर प्रधान पीठ
  मामला : मेहरानगढ़ में चामुंडा माता मंदिर हादसे से संबंधित चौपड़ा आयोग की रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग को लेकर दायर दो जनहित याचिकाओं पर सुनवाई।
- **तारीख 25 फरवरी**
  हाईकोर्ट: जयपुर पीठ
  मामला : पशु चिकित्सा अधिकारी भर्ती का संशोधित परिणाम जारी करने के हाईकोर्ट की एकलपीठ के आदेश के खिलाफराजस्थान लोक सेवा आयोग की अपील पर सुनवाई।
- **तारीख 25 फरवरी**
  हाईकोर्ट: जोधपुर प्रधान पीठ
  मामला: पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय की किसान ऋण माफी योजना में अनियमितताओं को लेकर दायर दो जनहित याचिकाओं पर सुनवाई।
- **तारीख 25 फरवरी**
  हाईकोर्ट: जोधपुर प्रधान पीठ
  मामला: जैसलमेर जिले के सोनार किले में वाणिज्यिक गतिविधियों और अवैध निर्माणों को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई।
- **तारीख- 28 फरवरी**
  हाईकोर्ट: जयपुर पीठ
  मामला : खाद्य पदार्थों में मिलावट और उसके स्वास्थ्य पर दुष्प्रभावों को लेकर स्वप्रेरणा से दर्ज याचिका पर सुनवाई।
- **प्रशासनिक हलचल**
  मुख्य न्यायाधीश एम.एम. श्रीवास्तव जोधपुर में प्रशासनिक एवं न्यायिक कार्य करेंगे।

नवजात पर अत्याचार के मामले राजस्थान को कर रहे शर्मसार

भीड़ में यूं न छोड़ो मुझे... बेटियां भी करती हैं घर में उजाला

राजेंद्र सिंह देणोक
patrika.com

पाली. जरूरी नहीं रोशनी चिरागों से ही हो, बेटियां भी घर में उजाला करती हैं। यह बात उन माता-पिता को समझने की जरूरत है जो अपनी बेटियों को बोझ अथवा अभिशाप मानकर कूड़े-कचरे में फेंक देते हैं। यों तो बेटियां लाडो...पापा की परी जैसे अनगिनत शब्दों और भावों से संबोधित की जाती हैं, लेकिन इसी समाज का एक तबका बेटियों का जीवन खत्म करने पर तुला हुआ है।

प्रदेश में आए दिन शर्मसार करने जैसी अमानवीय घटनाएं सामने आ रही। महिला अपराधों पर अंकुश लगाने के दर्जनों कानूनों, नारी सशक्तीकरण के सरकारी और निजी प्रयासों के बावजूद बेटियों की सुरक्षा अब भी बड़ा सवाल है। प्रदेश में हर साल ऐसे दर्जनों मामले सामने आ रहे हैं। वर्ष 2024 में पाली में 4, करौली में 2, टोंक में 2, सवाईमाधोपुर में 4, नागौर में 11 और सिरोही में 6 नवजात को उनके माता-पिता ने जन्म देते ही लावारिस हालत में छोड़ दिया। जबकि, सरकार ने ऐसे बच्चों के लिए अस्पतालों और बाल कल्याण गृहों में पालना गृह लगाए हैं, ताकि कोई व्यक्ति नवजात को फेंके नहीं। बाल कल्याण समितियां लावारिस मिलने वाले नवजात का पालन पोषण करती हैं। बाद में उन्हें गोद दे दिया जाता है।

पेरेंट्स समझें, पालना गृह की जरूरत ही न पड़े

महिला बाल विकास ऑफिस के बाहर पालना गृह।

शर्मसार करती घटनाएं

केस 1 **अलवर** जिले के अकबरपुर बस स्टैंड के पास कुछ दिन पूर्व मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। एक महिला ने अपनी नवजात बच्ची को जन्म देते ही कूड़े में फेंक दिया। बच्ची जिंदा थी।

केस 2 **पिछले** दिनों पाली के निकट भालेलाव-निम्बाड़ा गांव की सरहद में 20 दिन की एक नवजात झाड़ियों में मिलीं। नवजात के ललाट पर टीका लगा हुआ था। उसे कपड़े में लपेटकर झाड़ियों में फेंक गया।

बेटियों के जीवन पर खतरे की ये बड़ी वजह

1. बिन ब्याहे या अवैध रिश्तों से बेटियों का जन्म लेना।
2. माता-पिता को बेटियों की चाह नहीं होना।
3. माता-पिता के बेटी के लालन पालन में सक्षम नहीं होना।
4. बेटे की चाहत में पहले से ही ज्यादा बेटियों का होना।

मासूमों के जीवन से न करें खिलवाड़

मासूमों के जीवन से खिलवाड़ नहीं करना चाहिए। कोई व्यक्ति जन्म देकर नवजात को नहीं रख सकता तो हमें सौंप दें। सरकार उनका पालन-पोषण करेगी। नवजात को सुनसान हालत में मरने के लिए छोड़ना अनैतिक और जघन्य अपराध हैं। इसके लिए जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता हैं। कई लावारिस बेटियां बाल कल्याण समितियों के संरक्षण में पल रही है अथवा गोद लेने वाले माता पिता के साथ नया जीवन जी रही हैं।
-**जितेंद्र परिहार,** अध्यक्ष, बाल कल्याण समिति, पाली

जेईई मेन 2025

अप्रेल सेशन के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि कल

कोटा @ पत्रिका. जेईई मेन 2025 के अप्रेल सेशन के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि मंगलवार है। विद्यार्थियों को यह समझना जरूरी है कि वे किसी भी परिस्थिति में एक से अधिक ऑनलाइन आवेदन न करें। ऐसा करना अनुचित साधनों का प्रयोग माना जाएगा और संबंधित विद्यार्थी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सकती है। एजुकेशन एक्सपर्ट देव शर्मा ने बताया कि इस बार अप्रेल सेशन का आयोजन 1 से 8 अप्रेल तक किया जाएगा। 2024 में बीई-बीटेक के लिए आयोजित दोनों सेशन (जनवरी और अप्रेल) को 5 दिनों और 10 शिफ्टों में किया गया था और इस वर्ष भी अप्रेल सेशन में वही प्रारूप बनाए जाने की संभावना है।

फोटोग्राफ अपलोड करने में सतर्कता बरतें: पहली बार आवेदन कर रहे विद्यार्थियों को फोटोग्राफ अपलोड करते वक्त सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। एनटीए ने जनवरी सेशन में फोटोग्राफ से संबंधित विसंगतियों को सुधारने का मौका दिया था, लेकिन फिर भी विद्यार्थियों को अपलोडिंग के दौरान विशेष सावधानी रखनी चाहिए। फैब्रिकेटेड या कंप्यूटर जनित फोटोग्राफ अपलोड करने पर आवेदन निरस्त कर दिया जाएगा।

पुलिस स्टूडेंट सेल ने खुदकुशी करने जा रहे छात्र को बचाया

कोटा @ पत्रिका. पुलिस की स्टूडेंट सेल टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए आत्महत्या का प्रयास कर रहे एक छात्र को बचा लिया। 23 फरवरी को सुबह 9.25 बजे टेलीफोन पर एक सूचना प्राप्त हुई कि एक छात्र ने जयपुर से कोटा आकर एसएससी की तैयारी करते हुए आत्महत्या करने का संदेश भेजा हैं। इस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नियति शर्मा के निर्देशन में स्टूडेंट सेल टीम ने तकनीकी सहायता से छात्र को महावीर नगर क्षेत्र में खोज निकाला। टीम ने छात्र की काउंसलिंग की और मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से भी मदद ली। बाद में छात्र को सुरक्षित रूप से उसके परिवार को सौंप दिया गया।

'साइबर अपराध : बचाव एवं जागरूकता' पुस्तक

पत्रिका रक्षा कवच अभियान से मिली प्रेरणा, लोगों को जागरूक करने को लिखी बुक

पुस्तक की प्रतिलिपि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को भेंट करते हुए।

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

कोटा. साइबर अपराध के लगातार बदलते तरीकों और बढ़ती घटनाओं को देखते हुए लोगों को सतर्क करने के उद्देश्य से लॉयंस क्लब कोटा नॉर्थ चैरिटेबल सोसायटी के अध्यक्ष व मनोवैज्ञानिक वरुण रस्सेवट ने 'साइबर अपराध: बचाव एवं जागरूकता' पुस्तक लिखी। वरुण ने बताया कि पुस्तक लेखन के लिए उन्हें पत्रिका रक्षा कवच अभियान से प्रेरणा मिली। पुस्तक की पहली प्रति लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को भेंट की गई। पुलिस महानिरीक्षक रविदत्त गौड़ ने पुस्तक का विमोचन किया।उन्होंने बताया कि अधिकांश कार्य ऑनलाइन होते हैं, जिससे हमारी आर्थिक, बैंकिंग और व्यक्तिगत जानकारी साइबर खतरों के दायरे में आ जाती है। वर्तमान समय में साइबर अपराध एक गंभीर समस्या बन चुका है, जिससे आम नागरिकों को सतर्क रहना आवश्यक है। पुस्तक में साइबर अपराध से बचने के तरीके बताए गए हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान पत्रिका की ओर से चलाया जा रहा 'पत्रिका रक्षा कवच' अभियान साइबर अपराधों के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने में अत्यधिक प्रभावी रहा है। वरुण ने कहा कि पुस्तक को तैयार करने में पत्नी दीपिका सिंह का सहयोग रहा।

फाल्गुनी मेले की तैयारी शुरू, रविवार को दिनभर लगा रहा भक्तों का मेला

खाटू मेला : 85 तरह के फूलों से महकेगा श्याम दरबार, 150 कारीगर दिन-रात जुटे

इस बार अलग थीम पर सजेगा दरबार

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

खाटूश्यामजी. बाबा श्याम के 28 फरवरी से शुरू होने वाले फाल्गुनी मेले के लिए इस बार अलग थीम से श्याम दरबार को सजाया जाएगा। मंदिर को बंगाल, मथुरा व दिल्ली के कारीगरों ने सजाना शुरू कर दिया हैं।

मंदिर के सिंहद्वार को महलनुमा मंदिर की तर्ज पर एवं मंदिर प्रवेश द्वार पर गाय और गोपियों के साथ राधा-कृष्ण की झांकी सजाई जाएगी। मंदिर की सजावट में आठ से ज्यादा देशों के 85 तरह के फूलों से श्याम दरबार को सजाया जाएगा। मंदिर कमेटी के अध्यक्ष पृथ्वी सिंह चौहान, मंत्री मानवेन्द्र सिंह चौहान व कोषाध्यक्ष कालू सिंह चौहान ने बताया कि मंदिर सजावट के काम में 150 से ज्यादा दिन-रात जुटे हैं। सजावट के काम में जुटी कंपनी के निदेशक अविराम पात्रा ने बताया कि मंदिर की सजावट में हॉलैंड, साउथ अफ्रीका, कोलंबिया, न्यूजीलैंड, चीन, इटली व बैंकांक के फूलों के साथ भारत के 65 तरह के फूल सजावट में काम लिए जाएंगे। इधर, रविवार को श्याम दरबार में दिनभर भक्तों की कतार लगी। कई लोग मेले से पहले ही दर्शन करने के लिए अभी से पहुंचने लग गए हैं। इस वजह से रींगस-खाटूश्यामजी मार्ग पर इन दिनों मेला जैसा नजारा लग रहा हैं।

पांच हजार जवान संभालेंगे मोर्चा

खाटू मेले में इस बार 40 लाख से अधिक भक्तों के आने की संभावना है। प्रशासन व मंदिर कमेटी की ओर से इससे भी ज्यादा भक्तों के आधार पर तैयारी की जा रही है। मेले में इस बार पांच हजार से अधिक जवान व्यवस्थाओं का मोर्चा संभालेंगे।

उद्योग नगर थाना क्षेत्र का मामला

कार ने तीन बाइक सवारों को मारी टक्कर, 1 की मौत

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

कोटा. उद्योग नगर थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर एक तेज रफ्तार कार ने तीन बाइक सवारों को टक्कर मार दी, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कार चालक सहित पांच लोग घायल हो गए। टक्कर के बाद कार खेत की बाउंड्री तोड़ते हुए करीब 20 फीट दूर जाकर रुकी।

पुलिस के अनुसार कार रॉन्ग साइड में तेज गति से आ रही थी। पहले उसने एक बाइक को टक्कर मारी, फिर लगातार तीन बाइक सवारों को चपेट में ले लिया। कार चालक कैथून से कोटा की ओर आ रहा था, जबकि बाइक सवार कोटा से कैथून की ओर जा रहे थे। हादसे में 42 वर्षीय बजरंगलाल बैरवा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार चालक समेत चार अन्य लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, कार चालक महेंद्र नशे में था और किसी रिश्तेदार के घर जा रहा था।

घायलों की स्थिति

हादसे में घायल राकेश, उसकी पत्नी ज्योति और डेढ़ साल का बच्चा माहिर भैरूजी के दर्शन के लिए जा रहे थे, तभी कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बच्चे का पैर टूट गया। 16 वर्षीय सूरज नामक एक अन्य बाइक सवार भी घायल हुआ। सीआइ जितेंद्र सिंह ने बताया कि कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

1200 वीक्षकों की लगाई ड्यूटी

रीट: बीकानेर में 45 सेंटरों पर 38 हजार अभ्यर्थी देंगे परीक्षा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (रीट) को लेकर शिक्षा विभाग ने कमर कस ली है। विभाग ने परीक्षा के सफल संचालन के लिए वीक्षकों की ड्यूटी लगाई है।

साथ ही अलग-अलग कई तरह की जिम्मेदारियां भी सौंपी गई हैं। यह परीक्षा 27 एवं 28 फरवरी को आयोजित की जाएगी। दो पारियों में होने वाली परीक्षा के लिए वीक्षकों को परीक्षा केंद्रों के अनुसार ड्यूटी लगाने के आदेश दिए गए हैं। 27 फरवरी को दो पारी एवं 28 फरवरी को एक पारी में परीक्षा होगी। परीक्षा के सफल संचालन के लिए 45 केंद्र बनाए गए हैं। साथ ही 1200 शिक्षकों को वीक्षक के रूप में लगाया गया है। साथ ही 300 आंतरिक फ्लाइंग ऑफिसर एवं 45 फील्ड सुपर वाइजर लगाए गए हैं। इन सभी को 25 फरवरी को परीक्षा केंद्रों पर अपनी उपस्थिति देनी होगी।

अधिकारियों-कार्मिकों का यह रहेगा दायित्व

परीक्षा की ड्यूटी में लगे अधिकारियों एवं कर्मचारियों को फोटो पहचान पत्र जारी किए जाएंगे। ये लोग प्रश्न पत्रों तथा ओएमआर बॉक्स की सुरक्षा निश्चित करेंगे। परीक्षा उपरांत ओएमआर शीट रीट कार्यालय भेजने की व्यवस्था करेंगे। प्रत्येक पांच परीक्षा केंद्रों पर एक जोनल अधिकारी की नियुक्ति तथा प्रत्येक 10 परीक्षा केंद्र पर एक एरिया अधिकारी की नियुक्ति की जाएगी। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर परीक्षा के दिन 2-2 पुरुष एवं महिला पुरुष बल तथा 2-2 होम गार्ड्स की नियुक्ति की जाएगी। इसके अलावा जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) मुख्यालय पर नियंत्रण कक्ष की स्थापना की जाएगी। यह कक्ष 25 फरवरी को सुबह 6 बजे से 28 फरवरी को जिले से परीक्षा सामग्री अजमेर रीट कार्यालय के लिए रवाना होने तक संचालित रहेगा।

बड़ा मोलक्या गांव की घटना

तालाब पर नहाने गई दो बालिकाएं डूबीं, एक की मौत

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

बकानी (कोटा). थाना क्षेत्र बड़ा मोलक्या गांव के तालाब में रविवार को नहाने गई दो बालिकाएं डूब गई। इनमें से एक की मौत हो गई, जबकि दूसरी को गंभीर हालत में झालावाड़ अस्पताल में भर्ती कराया गया।

जानकारी के अनुसार मोलक्या कलां निवासी भावना (10) और अनामिका (13) खेत के पास ही स्थित तालाब पर नहाने गई थी। अचानक गहरे पानी मे चले जाने से दोनों बालिकाएं डूबने लगी। उन्हें डूबता देखकर आसपास नहा रहे अन्य बच्चों ने शोर मचाया, तो ग्रामीण तालाब पर पहुंचे। दोनों को पानी में से निकालकर बकानी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां चिकित्सक ने जांच के बाद भावना को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर हालत में अनामिका को झालावाड़ रेफर कर दिया, जहां एसआरजी अस्पताल में उसका उपचार जारी है।

दो लाख की ब्राउन शुगर बरामद

उदयपुर @ पत्रिका. जिला स्पेशल टीम और सूरजपोल थाना पुलिस ने 27.09 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। जब्त की गई ब्राउन शुगर की बाजार कीमत दो लाख रुपए बताई जा रही है। डीएसटी प्रभारी श्याम सिंह रत्नू ने बताया कि रोडवेज बस स्टैंड के पीछे 100 फीट रोड पर कार्रवाई की गई। आरोपी दत्ताश्रेय आश्रम रोड शीतल कॉलोनी सवीना निवासी महेन्द्र सिंह को गिरफ्तार किया। एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे आएंगे

एसकेआरयू का दीक्षांत समारोह आज, 13 को मिलेंगे स्वर्ण पदक

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का 21वां दीक्षांत समारोह सोमवार को विश्वविद्यालय परिसर में होगा। इसकी अध्यक्षता राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे करेंगे। दीक्षांत अतिथि कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग के पूर्व सचिव डॉ. मंगला राय होंगे। इस दौरान 1480 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की जाएगी। विवि कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि दीक्षांत समारोह में 1346 विद्यार्थियों को स्नातक, 114 विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर एवं 20 विद्यार्थियों को विद्यावाचस्पति की उपाधि प्रदान की जाएगी। साथ ही विषयों के टॉपर्स 13 विद्यार्थियों को स्वर्ण एवं दो विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक दिया जाएगा।

राज्यपाल कृषि बाजार, मंडावा के महाविद्यालय भवन और छात्रावास भवन का भी लोकार्पण करेंगे। इसके बाद यूएसआर ग्राम पेमासर में कृषि प्रदर्शनी का अवलोकन और 700 किसानों से संवाद का कार्यक्रम भी रखा गया है।

माइंस | प्रदेश की 6 हजार ग्राइडिंग इकाइयों व दो लाख लोगों पर पड़ेगा असर, प्रदेश के माइनर मिनरल उद्योग को बड़ा झटका

बैराइट्स और क्वाट्र्ज की खानों को माइनर से मेजर में बदला

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भीलवाड़ा. प्रदेश के 6 हजार ग्राइंडिंग इकाइयों से जुड़े मिनरल व्यवसायी छह माह से क्वाट्र्ज-फेल्सपार की रॉयल्टी राशि छह गुना करने की मांग राज्य सरकार से कर रहे थे क्योंकि राजस्थान से कच्चा माल गुजरात के मोरवी जा रहा था। इसे रोकने के लिए यह मांग हो रही थी। लेकिन केंद्र सरकार के खान मंत्रालय ने इस मांग को नजरअंदाज करते हुए मोरवी इंडस्ट्रीयल एरिया को फायदा पहुंचाने के लिए प्रदेश की बैराइट्स, क्वाट्र्ज-फेल्सपार व अभ्रक की ढाई से तीन हजार खदानों को माइनर से मेजर मिनरल में बदल दिया है। केंद्र की इस अधिसूचना से प्रदेश के उद्यमियों को बड़ा झटका लगा है। वहीं गुजरात के मोरवी उद्यमियों को फायदा होगा। केंद्र के इस निर्णय से राज्य सरकार के राजस्व पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा, लेकिन यह सभी खदान अब केंद्र के अधीन रहेगी।

बढ़ानी होगी कीमत

गंगापुर खनिज उद्योग संघ के अध्यक्ष शेषकरण शर्मा का कहना है कि केंद्र ने छोटे उद्योगों को झटका दिया है। इन पर रॉयल्टी निर्धारण का क्षेत्राधिकार केंद्र के पास होगा। उद्योगों को बचाने के लिए वैल्यू एडिशन पर जोर देना होगा। कच्चे माल को गुजरात भेजने के लिए कीमत तय करनी होगी।

खातेदारी में लीज नहीं अब नीलामी होगी

माइनर से मेजर मिनरल में बदलने का नियम अब कोयला व आयरन की तरह लागू होंगे। बैराइट्स, क्वाट्र्ज-फेल्सपार व अभ्रक की खातेदारी में लीज नहीं हो सकेगी। इन खदानों की खान विभाग नीलामी करेगा। पहले लीज किसी अन्य को ट्रांसफर होती थी वह अब नहीं होगी। इंडियन ब्यूरो ऑफ माइंस अजमेर का दखल बढ़ जाएगा। क्वाट्र्ज-फेल्सपार व अभ्रक एक कुटीर उद्योग था, जो पहले से ही ऑक्सीजन पर था, वह समाप्त होगा। 6 हजार ग्राइडिंग इकाइयों का चलाना अब मुश्किल होगा। यह सभी बंद होने के कगार पर आ जाएंगे। इसका असर काम कर रहे दो लाख लोगों पर पड़ेगा। क्वाट्र्ज-फेल्सपार का कच्चा माल गुजरात के मोरवी टाइल इंडस्ट्री में जाता है। इससे वहां के उद्यमियों को फायदा होगा। इसकी रॉयल्टी अब केंद्र सरकार निर्धारित करेंगी।

एकजुट होना होगा: मिनरल्स उद्यमी दिनेश कुमावत व अर्जुन सिंह का कहना है कि छोटे उद्योगों को बचाने के लिए अब सभी को एकजुट होना होगा। क्योंकि खान मंत्रालय ने यह कदम 29 जनवरी को केंद्रीय मंत्रिमंडल की ओर से राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन को मंजूरी दिए जाने के बाद उठाया है। इसकी जानकारी किसी भी नेता व मंत्री को नहीं थी।

बगिया : सीएम ने सपरिवार किया मतदान

रायपुर@पत्रिका. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रविवार को त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के तीसरे चरण में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने जशपुर जिला अंतर्गत विकासखंड कांसाबेल के बगिया में मतदान किया। मुख्यमंत्री साय ने मतदान केंद्र में कतार में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार किया फिर वोट डाला। उनके साथ उनकी माताजी, पत्नी भी मौजूद थीं।

गुंडरदेही : मतदान करने लगी कतार

बालोद@पत्रिका. त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के तहत रविवार को जिले के गुंडरदेही विकासखंड में तीसरे चरण का मतदान हुआ। सांकरी में ग्राम सरकार चुनने के लिए लोगों की दिनभर कतार लगी रही। यहां शाम तक मतदान हुआ।

कवर्धा : कांग्रेसियों ने दिया धरना

कवर्धा@पत्रिका. जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 6 में भाजपा प्रत्याशी की जीत को लेकर कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी और कांग्रेसियों ने जिला प्रशासन का चुनाव में गड़बड़ी किए जाने का आरोप लगाया। कांग्रेस ने जिला निर्वाचन अधिकारी पर मनमानी का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। कलेक्टर कार्यालय के सामने धरने पर बैठकर नारेबाजी की गई।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव

प्रदेश के 50 विकासखंडों में हुआ 77.54 फीसदी मतदान

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर. प्रदेश में त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव के तहत रविवार को तीसरे और अंतिम चरण के लिए 50 विकासखण्डों में शांतिपूर्ण तरीके से मतदान हुआ। हालांकि कुछ मतदान केंद्रों में प्रत्याशियों के बीच आपसी विवाद की खबरें सामने आई हैं।

राज्य निर्वाचन आयोग के मुताबिक शाम 7 बजे तक प्रदेश में 77.54 फीसदी मतदान हुआ है। खास बात यह है कि अंतिम चरण में भी मतदान करने में महिलाओं ने पुरुषों को पीछे छोड़ दिया है। पुरुष ने जहां 77.21 फीसदी मतदान किया था, वहीं 77.93 फीसदी महिलाओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया।

मतदान पर एक नजर

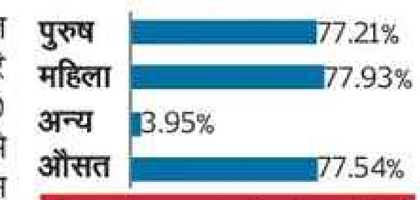

पेज तीन से जारी ...

अफसर लूट रहे

हमें विकसित तो दिखाई भी पड़ना है और पेट भी भरना है। अतः सारी शक्ति ग्लोबल समिट में झौंक रहे हैं। मध्यप्रदेश पिछले सालभर से संभाग स्तर पर ताकत झौंक रहा है। सड़क और बिजली तंत्र को खड़ा करने में कमर कस रखी है। सार्वजनिक परिवहन में नेताओं को दीमक जरूर लगी है, किन्तु मुख्यमंत्री आश्वस्त हैं कि किसी प्रकार की बाधा नहीं आएगी।

राजस्थान की तर्ज पर मध्यप्रदेश के शीर्ष पुरुष विदेशों के और महानगरों के दौरों पर निकले। 'आओ! हमारे यहां निवेश करो। हम बाजार देंगे। गारण्टी देते हैं कि चुनौती भी नहीं देंगे। आपके लिए कमाई का स्वर्ण अवसर है। देखो, हर तरफ से लोग भारत आ रहे हैं। सुरक्षित भी है, शान्त भी। संसाधन भरपूर हैं, खाली जमीन-जल-बिजली सब कुछ आपको समर्पित रहेगा। हम भी आगे बढ़ते नजर आएंगे।'

आज हमारे संसाधन नेता और अफसर लूट रहे हैं। इसका लाभ भी देश को नहीं मिल रहा। स्विस बैंकों के खातों का पेट भरता है। हमारे फाइलों का पेट भरता है। ग्लोबल निवेश समिट होते रहेंगे तो आम आदमी का पेट तो भरेगा। पीने को साफ पानी भी मिलेगा। सरकारों में अपराधियों का ही बोलबाला बढ़ रहा है। वहां तो सोने की चमक दिखती रहेगी। आने वाला ग्लोबल समिट भी लाखों-करोड़ के व्यापारियों को देश में आकर्षित करेगा, इसमें संशय नहीं है। देखना तो फिर भी है कि विकास का कितना अंश नीचे तक पहुंचता है। तंत्र वही रहेगा न! सोने का मारीच!

आधी रात बाल संप्रेक्षण गृह से 3 नाबालिग फरार

अंबिकापुर @ पत्रिका. शहर के बाल संप्रेक्षण गृह से शनिवार की देर रात 3 नाबालिग दीवार फांदकर फरार हो गए। जब संप्रेक्षण गृह प्रबंधन को इसकी भनक लगी तो उन्होंने मामले की सूचना गांधीनगर थाने में दी। अब पुलिस नाबालिग आरोपियों की खोजबीन में जुट गई है। वहीं नाबालिगों के फरार होने से बाल संप्रेक्षण गृह की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

शहर के गंगापुर इलाके में स्थित बाल संप्रेक्षण गृह में सरगुजा संभाग के सरगुजा, बलरामपुर, सूरजपुर, जशपुर व कोरिया जिले के अपचारी बालक निरुद्ध हैं। यहां से शनिवार की देर रात 3 नाबालिग आरोपी फरार हो गए। इनमें 2 सूरजपुर व एक अंबिकापुर के हैं। बताया जा रहा है कि संप्रेक्षण गृह प्रबंधन व चौकीदार की लापरवाही का फायदा उठाकर तीनों नाबालिग दीवार फांदकर फरार हो गए। अपचारी बालकों के फरार होने की जानकारी काफी देर बाद प्रबंधन को लगी।

'गुलाबी गैंग' पापरा की महिला कमांडो की सीटी से खौफ खाते हैं शराबी

महिलाएं सशक्त, अपराधी पस्त

पत्रिका रक्षा कवच — अपराधों के विरुद्ध महिला सुरक्षा अभियान

गांव को शराब और अपराध से कर रहीं मुक्त

सतीश रजक
patrika.com

बालोद. डौंडीलोहारा ब्लॉक के ग्राम पापरा में महिला कमांडो से शराबी खौफ खाते हैं। वे अपने गांव को शराब के नशे बचाने प्रतिदिन गश्त कर सीटी बजाती हैं। उन्हें कोई भी शराब पीते दिखता है तो शराबियों से बोतल छीनकर फोड़ देती हैं। इसका परिणाम है कि गांव में शराबखोरी और अपराध पर भी काफी लगाम लगी है।

पहले महिलाओं का शाम को घर से निकलना था मुश्किल : महिला कमांडो की अध्यक्ष जागेश्वरी देशमुख ने बताया कि गांव में पहले खुलकर शराबखोरी होती थी। चौक-चौराहे पर लोग शराब पीते, और गाली-गलौज करते दिखाई देते थे। शाम के समय महिलाएं नल में पानी भरने तक नहीं जा सकती थीं।

गश्त की मांगी अनुमति, गांव के प्रमुखों की मिली सहमति : उन्होंने बताया कि शराबियों को हुड़दंग की जानकारी महिलाओं ने ग्राम प्रमुखों को दी। उनसे शराबखोरी और हुड़दंग रोकने गश्त की अनुमति मांगी। ग्राम प्रमुखों और ग्रामीणों ने भी साथ दिया। 2011 में महिला कमांडो का गठन किया गया। अब गांव में खुशहाली है।

ये हैं महिला कमांडो की सदस्य

गांव की महिला कमांडो में जागेश्वरी देशमुख, दुलारी बाई यादव, देवकी गोस्वामी, गायत्री यादव, शत्रुपा यादव, प्रताशा ठाकुर, सरस्वती देशमुख, किरण ठाकुर, तारा सोनवानी, यामनी देशमुख, रमती देशमुख शामिल हैं।

पुलिस विभाग ने किया था सम्मानित

उन्होंने बताया कि 2014-15 में पुलिस विभाग ने महिला कमांडो को बेहतर कार्य के लिए सम्मानित किया था। इसके बाद वे पद्मश्री से सम्मानित शमशाद बेगम से मिलीं। उन्होंने महिला कमांडो को प्रशिक्षण दिया। तब से महिला कमांडो सक्रियता से काम कर रही हैं।

हर गांव अपराध व शराब से मुक्त हो

पद्मश्री शमशाद बेगम ने कहा कि जिले के हर गांव में महिला कमांडो हैं। शांति व्यवस्था बनाने काम कर रही है। महिला कमांडो के गठन के बाद से कई गांवों में अपराधों में बहुत कमी आई है। हमारी कोशिश है कि ग्राम पापरा की तरह हर गांव में शराबखोरी व अपराध पर लगाम लगे।

फुलबासन ने पत्रिका के महिला रक्षा कवच का किया आगाज

राजनांदगांव @ पत्रिका. पत्रिका की ओर से महिला सुरक्षा को लेकर चलाए जा रहे रक्षा कवच अभियान से जुड़ते हुए पद्मश्री सम्मानित फुलबासन यादव ने आज छुरिया ब्लॉक के ग्राम चिखलाकसा में स्व सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं की बैठक ली। पत्रिका और मां बम्लेश्वरी जनहितकारी समिति के बैनर तले गांव में जागरुकता रैली निकाली। महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाने की बात कही। किसी तरह की प्रताड़ना होने पर पत्रिका के हेल्प लाइन नंबर में संपर्क करने की सीख दी।

पेज 3 का शेष...

मोदी के...

उन्होंने बताया कि 1924 के सत्र में महात्मा गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष पद संभालने की सौवीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में बेलगावी में हुई विस्तारित सीडब्ल्यूसी बैठक (नव सत्याग्रह बैठक) में अपनाए गए प्रस्तावों की निरंतरता के रूप में यह अधिवेशन आयोजित किया जा रहा है।अधिवेशन 8 अप्रेल को विस्तारित कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक के साथ शुरू होगा। इसके बाद 9 अप्रेल को एआइसीसी प्रतिनिधियों की बैठक होगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे दोनों बैठकों की अध्यक्षता करेंगे। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, विपक्ष के नेता (लोकसभा) राहुल गांधी, कांग्रेस-शासित राज्यों के सभी मुख्यमंत्री, पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारी, वरिष्ठ नेता और अन्य एआइसीसी प्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

केरल चुनाव से पहले कांग्रेस में तूफान:

शशि थरूर ने भी ठोका दावा—कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि 18 फरवरी को थरूर की राहुल गांधी से मुलाकात हुई थी। इस दौरान थरूर ने राहुल गांधी से पार्टी में उनकी भूमिका स्पष्ट करने की मांग की थी। साथ ही पार्टी में उन्हें नजरअंदाज करने की शिकायत भी दर्ज कराई थी। इसके बाद सोशल मीडिया पर अंग्रेजी कवि थॉमस ग्रे की कविता 'ओड ऑन ए डिस्टेंट प्रॉस्पेक्ट ऑफ ईटन कॉलेज' का एक कोट शेयर कर दिया। थरूर ने एक्स पर लिखा, 'थॉट ऑफ दे डेः जहां अज्ञानता आनंद है, वहां बुद्धिमान होना मूर्खता है।' अब इसे कांग्रेस से जोड़कर देखा जा रहा है।

'एक हफ्ते...

एक्स पर पोस्ट में मस्क ने बताया कि ई-मेल राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के आदेश पर भेजा गया। कई संगठनों और यूनियनों ने इसे तानाशाही रवैया बताया है। संघीय कर्मचारियों की यूनियन ने इसे क्रूर और अपमानजनक बताते हुए कहा कि किसी भी कर्मचारी को निकाला गया तो कानूनी तौर पर चुनौती दी जाएगी। इस आदेश का असर कितने कर्मचारियों पर पड़ेगा, फिलहाल स्पष्ट नहीं है। विशेष सरकारी कर्मचारी और राष्ट्रपति के सलाहकार के रूप में मस्क के पास संघीय कर्मचारियों को निकालने का सीधा अधिकार नहीं है। इस मामले में आखिरी फैसला संबंधित सरकारी एजेंसियों को करना होगा। अमेरिकन फेडरेशन ऑफ गवर्नमेंट एम्प्लॉइज (एएफजीई) के अध्यक्ष एवरट केली ने मस्क को आड़े हाथों लेते हुए कहा, मस्क और ट्रंप प्रशासन ने एक बार फिर संघीय कर्मचारियों और उनके काम के प्रति उपेक्षा दिखाई है। मस्क ऐसे अमीर और गैर-जिम्मेदार व्यक्ति हैं, जिन्होंने कभी ईमानदारी से एक घंटे की भी सार्वजनिक सेवा नहीं की। दूसरी ओर न्याय विभाग के प्रमुखों ने कर्मचारियों को निर्देश दिया है कि वे तब तक अपने किसी काम का विवरण न दें, जब तक इस संबंध में अधिक स्पष्टता न मिल जाए।

सुरंग में...

ऐसे में मौके पर भारी उपकरण ले जाना काफी मुश्किल है। जिला कलेक्टर बी. सतोष ने बताया कि एनडीआरएफ की चार टीमें, 24 सेना के जवान, एसडीआरएफ सहित कंपनी के कई लोग राहत कार्य में जुटे हुए हैं। फंसे लोगों से संपर्क की कोशिश की जा रही है।

पहले दिन ही राज्यपाल का अभिभाषण और अनुपूरक बजट, सत्ता और विपक्ष के विधायकों ने लगाए 2,367 प्रश्न

सरकार को घेरने के लिए 122 ध्यानाकर्षण सूचनाएं

सभी विधायक जाएंगे विधानसभा का नए भवन देखने

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रायपुर. छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र की शुरुआत 24 फरवरी से होगी। 21 मार्च तक चलने वाले इस सत्र में कुल 17 बैठकें होंगी। सत्र के पहले दिन ही राज्यपाल का अभिभाषण होगा और तृतीय अनुपूरक बजट सदन के पटल में रखा जाएगा। इसमें सरकार को घेरने के लिए 122 ध्यानाकर्षण की सूचनाएं मिली हैं। इसमें सत्ता पक्ष के साथ विपक्ष के विधायकों की भी सूचनाएं शामिल हैं। इस बार विधायकों ने 2,367 प्रश्न लगाए हैं। इनमें 1220 तारांकित और 1147 अतारांकित प्रश्न शामिल हैं।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने रविवार को पत्रकारवार्ता के जरिए विधानसभा सत्र को लेकर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 3 मार्च को मुख्य बजट के बाद 4 और 5 मार्च को वित्तीय वर्ष 2025-26 के आय-व्यय पर सामान्य चर्चा होगी। इसके बाद 6 से 19 मार्च तक विभागवार अनुदान मांगों पर चर्चा होगी। उन्होंने बताया कि नियम 139 के तहत अधीन अविलंबनीय लोक महत्व के विषय पर चर्चा के लिए एक सूचना और अशासकीय संकल्प की कुल 18 सूचनाएं मिली हैं। उन्होंने बताया कि नवा रायपुर में नए विधानसभा का निर्माण हो रहा है। सभी विधायकों को वहां का दौरा भी कराया जाएगा।

विधानसभा को डिजिटल बनाने की तैयारी

विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि सभी विधानसभा सदस्यों का आईआईएम के जरिए दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद जरूरत के मुताबिक विधायकों की टीम बनाकर प्रशिक्षण के लिए लंदन और सिंगापुर ले जाने पर भी विचार चल रहा है।

उन्होंने कहा, विधानसभा को पूर्णतः डिजिटलाइजेशन करने की तैयारी है।

लव जिहाद, धर्म परिवर्तन पर कानून बनाने की मांग

राज्यपाल और मुख्यमंत्री को सांसद ने लिखा पत्र

रायपुर @ पत्रिका. राज्य में बढ़ते धर्म परिवर्तन, लव जिहाद और गो-हत्या के मामलों को लेकर राजयपाल और मुख्यमंत्री को सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने पत्र लिखकर कठोर कानून बनाने की मांग की है।

उन्होंने पत्र में उल्लेख किया कि धर्म हमारी संस्कृति की आधारशिला है और गो-सेवा इसका अभिन्न अंग है, लेकिन हाल ही में छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण और गो-तस्करी के मामले सामने आए हैं, जो सनातन मूल्यों के लिए एक गंभीर चुनौती हैं। उन्होंने कहा कि विदेशी फंडिंग के जरिए प्रलोभन, छल और भय के आधार पर धर्मांतरण को एक उद्योग के रूप में संचालित किया जा रहा है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की शह पर न केवल आदिवासी इलाकों में, बल्कि छत्तीसगढ़ के गांवों और शहरी क्षेत्रों में भी ईसाई मिशनरियों द्वारा गरीब और असहाय वर्ग के लोगों को लालच देकर मतांतरण कराया गया है।

इंजीनियरिंग कॉलेज की भूमि पर कर रहे थे कब्जा, 8 लोगों पर जुर्म दर्ज

अंबिकापुर @ पत्रिका. गांधीनगर थाना क्षेत्र के डिगमा स्थित शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज की भूमि पर स्थानीय लोगों द्वारा कब्जा किया जा रहा था। कॉलेज के प्राचार्य व अन्य शिक्षकों द्वारा अतिक्रमण करने से मना करने पर लोग गाली गलौज व जाने से मारने की धमकी देने लगे। इस पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आरएन खरे ने 8 लोगों के खिलाफ गांधीनगर थाने में रिपोर्ट कराई है। जानकारी के अनुसार शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज डिगमा में संचालित है। इसके लिए शासन द्वारा 41.603 एकड़ भूमि आबंटित की गई है। 15 व 19 फरवरी को स्थानीय लोगों द्वारा इंजीनियरिंग कॉलेज के लिए आबंटित भूमि पर कब्जा किया जा रहा था। यह देखकर कॉलेज के प्राचार्य व अन्य शिक्षक अतिक्रमण करने से रोकने लगे। अतिक्रमण कर रहे लोग प्राचार्य व शिक्षकों के साथ गाली गलौज करते हुए जाने से मारने की धमकी देने लगे। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आरएन खरे ने रिंकू मंडल, दिवाकर पटेल, सुजीत मंडल, सुख मंडल, सुख मंडल की पत्नी, सुख विश्वास, देवाशीष मंडल, रंजन घरामी, राजा घरामी व सनातन घरामी के खिलाफ गांधीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

ब्याज तले दब रहे लोक कलाकार

रायपुर @ पत्रिका. किसी भी राज्य की संस्कृति वहां के लोक गीत और संगीत से जानी जाती है। इन दिनों छत्तीसगढ़ के लोक कलाकारों की आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। सालभर से उनका मानदेय नहीं मिला है। संस्कृति विभाग के सहयोग से गांव-गांव में लोककला मंचों की प्रस्तुति होती है। ग्रेड के मुताबिक उनके मानदेय तय होते हैं। प्रदेश के सैकड़ों ऐसे लोक मंच और कलाकार हैं, जिन्हें प्रस्तुति देने के सालभर बाद भी मानदेय नहीं मिला है। कई लोकदल वालों ने ब्याज में पैसे लेकर कार्यक्रम दिए हैं, क्योंकि कार्यक्रम खत्म होते ही लोक कलाकारों को संस्था द्वारा भुगतान करना होता है। सालभर से वे ब्याज पटा रहे हैं। मानदेय के लिए सीएम से गुहार भी लगाई है।

सरकार का दूसरा बजट: युवा, महिला पर रहेगा जोर

3 मार्च को पेश होगा बजट, खुलेगा सौगातों का पिटारा

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार विधानसभा में 3 मार्च को अपना दूसरा मुख्य बजट पेश करेगी। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने रविवार को बताया कि वित्त मंत्री ओपी चौधरी 3 मार्च को दोपहर 12.30 बजे से अपने बजट भाषण की शुरुआत करेंगे। इसका दूरदर्शन और आकाशवाणी से सीधा प्रसारण होगा। पिछली बार की तरह इस बजट में भी पूंजीगत व्यय को बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। माना जा रहा है कि इस बार के मुख्य बजट में युवा, महिला और किसानों पर फोकस रहेगा। इनसे केंद्रित कई योजनाओं को सरकार शुरू कर सकती है। यही वजह है कि सरकार ने बजट तैयार करने से पहले सभी विभागों से इस संबंध में जानकारी मांगी थीं।

पिछली बार महिलाओं और पेयजल पर ज्यादा जोर : पिछली बार सरकार ने महिलाओं और पेयजल पर ज्यादा जोर दिया था। यही वजह है कि महिला एवं बाल विकास विभाग के बजट में सबसे ज्यादा 112 फीसदी की बढ़ोतरी की गई थी। इसके बाद पीएचई के बजट में 97 फीसदी बढ़ाया गया था। जबकि स्कूल शिक्षा विभाग के बजट में केवल 10 फीसदी की वृद्धि की गई थीं। हालांकि शिक्षा विभाग का बजट ही सबसे अधिक था। वहीं बढ़ोतरी के बाद महिला एवं बाल विकास विभाग का बजट कम था।

ऐसा रहा है पिछले कुछ सालों का बजट

बजट में आठ फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी

साय सरकार बनाने के बाद वित्त मंत्री चौधरी ने 1 लाख 47 हजार 446 करोड़ का मुख्य बजट पेश किया। बजट के आकार में 22 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। इस बार बजट के आकार में आठ फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी होने की संभावना है। दरअसल, इस बार वित्त विभाग ने सभी विभागों से आठ फीसदी की वृद्धि के साथ प्रस्ताव मांगा था।

1 लाख 55 हजार 580 करोड़ का बजट

राज्य सरकार के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने 1 लाख 47 हजार 446 करोड़ का मुख्य बजट पेश किया था। इसके बाद विधानसभा के मानसून सत्र में 7 हजार 329 करोड़ रुपए का प्रथम अनुपूरक बजट पेश किया था। इसके अलावा विधानसभा के शीतकालीन सत्र में 805 करोड़ 71 लाख 74 हजार 286 रुपए का द्वितीय अनुपूरक बजट पेश किया था। इस प्रकार वर्तमान में बजट का आकार 1 लाख 55 हजार 580 करोड़ रुपए हो गया है।

विधानसभा सत्र की शुरुआत आज से

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने बताया कि विधानसभा के बजट सत्र की शुरुआत 24 फरवरी को राज्यपाल के अभिभाषण से होगी। राज्यपाल के अभिभाषण के कृतज्ञता ज्ञापन प्रस्ताव पर 27 और 28 फरवरी को चर्चा होगी। 24 फरवरी को ही तृतीय अनुपूरक बजट सदन में पेश किया जाएगा। इस पर 25 फरवरी को चर्चा होगी। उन्होंने बताया कि सदन में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि भी दी जाएगी।

हमारी सरकार का दूसरा बजट सत्र सोमवार से शुरू होने वाला है। इस बार के बजट में सभी वर्गों का ध्यान रखा जाएगा।
-विष्णु देव साय, सीएम, छत्तीसगढ़

नए पंप खुले — अब सड़कों पर दौड़ रहे हैं 3000 से ज्यादा वाहन

ईवी के बाद अब सीएनजी वाहनों का क्रेज

एक्सक्लूसिव

राकेश टेंभुरकर
patrika.com

रायपुर. प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के बाद अब कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) चलित वाहनों का क्रेज लगातार बढ़ रहा है। कम मेंटनेंस में अधिक माइलेज को देखते हुए सीएनजी वाहनों की डिमांड लगातार बढ़ रही है। पेट्रोल-डीजल की कीमतों और कार्बन के उत्सर्जन को देखते हुए कंपनियां भी दोपहिया, ऑटो से लेकर कार और मालवाहक वाहनों की लॉन्चिंग चल रही है। ऑटोमोबाइल डीलरों का कहना है कि ईवी के साथ ही खरीदार सीएनजी वाहनों की ओर रुख कर रहे हैं। शहरों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्र और ऑउटर में सीएनजी पंपों के खुलने से बिक्री बढ़ेगी। बता दें कि प्रदेश में इस समय 8 सीएनजी पंप रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, महासमुंद में खोले गए है। रायपुर के जेल रोड और रिंग रोड और बलौदाबाजार, गरियाबंद के साथ ही कोरबा में 5 पंप खोलने की तैयारी चल रही है।

3000 वाहन दौड़ रहे

प्रदेश में इस समय 3000 से ज्यादा दोपहिया, मालवाहक एवं सवारी ऑटो से लेकर कार और भारी मालवाहक वाहन सड़कों पर दौड़ रहे हैं। सीएनजी पंपों के खुलने से वाहनों की संख्या भी बढ़ रही है। पिछले दिनों ही दोपहिया सीएनजी वाहन की लॉन्चिंग की गई है। दूसरे राज्यों के सीएनजी वाहन रिफिलिंग करवाने आ रहे हैं।

सस्ता विकल्प

इस समय सीएनजी 89.90 प्रति किलो मिल रही है। प्रतिकिमी 30-35 किमी का एवरेज देने पर इसकी कीमत 1.5 पैसा पड़ने के कारण यह इसके वाहनों की अधिक मांग है। बता दें सीएनजी में सल्फर और कार्बन का उत्सर्जन नहीं होने के कारण प्रदूषण नहीं होता है। वहीं हल्का और डेनसिटी कम होने से इंजन पर भार नहीं पड़ने से वाहन की लाइफ अधिक होती है।

सीएनजी पंप के खुलने के बाद पिछले कुछ महीनों से वाहनों की डिमांड भी लगातार बढ़ रही है। आने वाले समय में सीएनजी पंपों की संख्य में इजाफा होने पर वाहनों की संख्या भी बढ़ेगी।
विवेक गर्ग, प्रदेश अध्यक्ष फाडा

सीएनजी पंपों के खुलने के बाद दूसरे राज्यों के मालवाहक वाहन भी रिफिलिंग कराने के लिए पंपों में आते हैं। जल्दी ही रायपुर के साथ ही बलौदाबाजार और गरियाबंद में उसे शुरू करने की तैयारी चल रही है। **-परमजीत सिंह,** मार्केटिंग मैनेजर एचसीजी कंपनी

त्रिवेणी के संगम तट पर लाखों की तादाद में श्रद्धालुओं ने आस्था और श्रद्धा की डुबकी लगाई और पवित्र स्थल पर गंगा आरती और प्रार्थना की।

प्रयागराज में त्रिवेणी संगम पर डुबकी लगाने के लिए श्रद्धालुओं का आना जारी है। नंदीद्वार पर सैकड़ों की तादाद में मौजूद श्रद्धालु।

स्टार्टअप इंडिया दुनिया में पहचान बना चुका है

जॉब क्रिएटर बनने पर फोकस करें युवा: योगी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

आगरा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश में निवेश को बढ़ावा देने व निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने की योजना पर मंथन करने रविवार को आगरा पहुंचे।

दुनिया में अपने नवाचार से डिजिटल अर्थव्यवस्था में लोहा मनवा चुके 100 यूनिकॉर्न रविवार को ताजनगरी में जुटे। होटल अमर विलास में आयोजित यूनिकॉर्न कंपनीज के कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए करते हुए सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के युवा जॉब क्रिएटर बनने पर फोकस करें।

पहले यूपी में अवसर नहीं थे, लेकिन प्रतियोगी छात्रों ने आइडिया पर काम किया है। जो पहले टेक्नोलॉजी में आगे थे, वह स्टार्टअप में भी आगे हैं।

उन्होंने कहा कि ग्रोथ इंजन के तौर पर युवाओं ने प्रेरणा के रूप में काम किया है। हर क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की जा सकती है। मुख्यमंत्री ने बताया कि 2019 में बुंदेलखंड प्रवास के दौरान पांच महिलाएं मेरे पास आईं। उन्होंने नौकरी की मांग की, किसी ने बताया कि वे पांचवीं पास हैं। इस पर राज्य सरकार ने पहल की। मिल्क प्रोड्यूसर का गठन किया गया, उनकी ट्रेनिंग कराई, फिर कार्य प्रारंभ कराया गया। आप आश्चर्य करेंगे कि उनका टर्नओवर 1500 करोड़ का है और इससे 42 हजार महिलाएं जुड़ी हैं। उससे भी अच्छा कार्य आगरा की मिल्क प्रोड्यूसर कर रही हैं।

वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी वाला राज्य बनाने के प्रयास

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी वाला राज्य बनाने के प्रयास चल रहे हैं। स्टार्टअप की संस्कृति को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नया आयाम दिया है। पहले सिस्टम के प्रति विश्वास नहीं था, लेकिन अब वह भी पैदा हुआ है। भारत सरकार ने इस मुद्दे पर हमेशा लोगों को प्रोत्साहित किया है। पीएम मोदी ने जो उस समय युवाओं के बारे में कहा था कि हमारा युवा अब जॉब सीकर नहीं, जॉब क्रिएटर बनेगा। स्टार्टअप इंडिया दुनिया में पहचान बना चुका है।

उत्तर प्रदेश खाद्यान्न, गन्ना उत्पादन में पहले स्थान पर

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश खाद्यान्न, गन्ना उत्पादन में पहले स्थान पर है। जितना हम उत्पादन कर रहे हैं, उससे तीन गुना कर सकते हैं। थोड़ा और प्रोत्साहित करेंगे तो यह बढ़ जाएगा। अभी हमारे किसानों को अच्छा बीज मिलने में कठिनाई है। वेयरहाउस की कमी है। सभी चीजें मिल जाएं तो तीन गुना स्थिति बढ़ जाएगी। मुझे गोरखपुर में खेती भी देखनी होती है। भंडारा कराना होता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बनने के बाद ध्यान देना कम हो गया था, जिससे उत्पादन कम हो गया। मैंने फिर देखना शुरू किया तो इस बार उत्पादन बढ़ गया।

यूपी बोर्ड परीक्षा 2025

परीक्षार्थियों को मिलेगा प्राथमिक उपचार, मनोचिकित्सकों का साथ

परीक्षा केंद्रों पर छात्रों को आपातकालीन स्थिति में प्राथमिक उपचार की सुविधा मिलेगी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. उत्तर प्रदेश बोर्ड की परीक्षाएं सोमवार से प्रारंभ हो रही हैं। योगी सरकार ने परीक्षाओं को पारदर्शी, सुरक्षित और नकलविहीन बनाने की तैयारी पूरी कर ली है। इस बार परीक्षा केंद्रों पर न केवल सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी की गई है, बल्कि परीक्षार्थियों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान रखा गया है।

सीएम योगी की मंशा के अनुरूप परीक्षार्थियों को प्राथमिक उपचार की सुविधा के साथ मनोचिकित्सकों द्वारा विशेष परामर्श दिया जाएगा, ताकि छात्र परीक्षा के तनाव से मुक्त होकर प्रदर्शन कर सकें। मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर परीक्षा केंद्रों पर छात्रों को आपातकालीन स्थिति में प्राथमिक उपचार की सुविधा मिलेगी। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर स्वास्थ्य किट और प्राथमिक चिकित्सा उपकरणों की व्यवस्था की गई है। इसके लिए मेडिकल स्टाफ और प्राथमिक चिकित्सा विशेषज्ञों की टीम को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है, ताकि वे किसी भी आपातकालीन स्थिति में त्वरित सहायता प्रदान कर सकें।

योगी आदित्यनाथ महाकुंभ में 18 बार दौरा करने वाले पहले सीएम

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

महाकुंभनगर. महाकुंभ का इतिहास प्राचीन है लेकिन आजाद भारत का पहला कुंभ 1954 में 14 जनवरी से तीन मार्च तक लगा था। इस दौरान प्रयागराज में कई बार अर्ध कुंभ और कुंभ का आयोजन किया गया, लेकिन अर्धकुंभ और कुंभ के आयोजन की तैयारियों का जमीनी स्तर पर समीक्षा करने के लिए अब तक 21 मुख्यमंत्रियों में योगी आदित्यनाथ पहले मुख्यमंत्री बन गए हैं, जिन्होंने मेले की समीक्षा के लिए अब तक 18 बार प्रयागराज का भ्रमण किया है।

आजादी के बाद प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री गोविंद वल्लभ पंत थे। वह दो से तीन बार प्रयागराज आकर पैदल एवं नाव से जायजा लेकर गए थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनवरी से लेकर अब तक 12 बार मेले का दौरा किया। ऐसा करने वाले वह पहले मुख्यमंत्री बन गए हैं। इससे पहले अक्टूबर में महाकुंभ का लोगो जारी होने के बाद 23 फरवरी रविवार तक उनका 18वां दौरा है। योगी कई बार मेले की समीक्षा की जानकारी अधिकारियों से लेने प्रयागराज का दौरा करते रहे हैं लेकिन विशेष गणमान्य राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, रक्षामंत्री, भूटान नरेश की अगवानी करने के लिए भी संगम नगरी पहुंचकर अनेकों बार आस्था की डुबकी लगाने वाले पहले मुख्यमंत्री भी बन चुके हैं।

श्रद्धालुओं से भरी पिकअप पलटी, टायर फटने से हादसा, एक की मौत, 12 घायल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

आजमगढ़. महाकुंभ स्नान कर अपने गंतव्य सिवान लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी पिकअप पलट गई। घटना में एक की मौत हो गई और एक दर्जन लोग बुरी तरह घायल हो गए। मौके पर चीख पुकार मच गई। हालत गंभीर देख स्थानीय लोगों ने सभी को अस्पताल भेजा जहां उपचार के दौरान एक की मौत हो गई और बाकी का इलाज जारी है।

कोतवाली क्षेत्र के पुलिया खान चौक के पास रविवार की सुबह महाकुंभ से लौट रही श्रद्धालुओं से भरी पिकअप का टायर फट गया। इसके कारण पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में 13 श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए।

सभी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान एक की मौत हो गई। वहीं दो श्रद्धालुओं को भी गंभीर चोटें आई हैं। वहीं, बाकी के 11 श्रद्धालुओं को मामूली चोटें आई जिन्हें उपचार के बाद छोड़ दिया गया।

महाकुंभ: ओडिशा के सीएम, उत्तराखंड के राज्यपाल, संबित पात्रा, कैलाश खेर ने लगाई आस्था की डुबकी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

महाकुंभनगर. महाकुंभ-2025 में श्रद्धा और भक्ति का महासंगम देखने को मिल रहा है। करोड़ों श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। देश के बड़े नेता, संत-महात्मा और गणमान्य व्यक्ति भी इस महापर्व में शामिल हो रहे हैं।

इसी क्रम में रविवार को उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी, भाजपा नेता संबित पात्रा और सूफी सिंगर कैलाश खेर ने पुण्य की डुबकी लगाई। करोड़ों श्रद्धालुओं के संगम स्नान आने के साथ ही यहां चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान पर भारत की जीत के लिए विशेष पूजा का भी आयोजन किया गया।

ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी भी प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने कहा कि मैं अपने परिवार के साथ यहां आया हूं। व्यवस्थाएं बहुत अच्छी हैं। मैं उत्तर प्रदेश सरकार को धन्यवाद देता हूं। लाखों श्रद्धालु पवित्र स्नान के लिए आ रहे हैं। भाजपा नेता संबित पात्रा ने त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई और कहा कि यह पुण्य का क्षण है। मैं आज पुरी से प्रयागराज पहुंचा हूं। यहां की व्यवस्था बहुत ही सराहनीय और व्यवस्थित है।

भारत श्रद्धा की भूमि

प्रसिद्ध गायक कैलाश खेर ने संगम में आस्था की डुबकी लगाई। उन्होंने कहा कि भारत श्रद्धा की भूमि है। लोग भारी बैग लेकर यहां आ रहे हैं, लेकिन उनके दिल श्रद्धा से भरे हुए हैं। प्रयागराज में भारतीय क्रिकेट टीम की जीत के लिए विशेष 'पूजा' और 'आरती' का आयोजन किया गया।

यह क्षण शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता

उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह ने महाकुंभ के आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि मैं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सभी अधिकारियों को व्यवस्थाओं के लिए बधाई देता हूं। यह क्षण शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता, इसे केवल महसूस किया जा सकता है।

राजनीति में हार-जीत सामान्य प्रक्रिया: अवध ओझा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. आम आदमी पार्टी के नेता अवध ओझा ने हार को राजनीति की एक सामान्य प्रक्रिया बताया है। ओझा ने इस बात पर खुशी जताई कि उन्हें 50 हजार लोगों का समर्थन मिला। ये बातें उन्होंने अपने गृह जनपद गोंडा में कही।

उत्तर प्रदेश के गोंडा में अपने समर्थकों से जनसंपर्क के दौरान उन्होंने कहा कि मैं पहली बार राजनीति में आया था और मुझे 50,000 लोगों का समर्थन मिला। यह मेरे लिए गर्व की बात है कि इतने लोगों ने मुझ पर विश्वास किया। जहां एक बहुत पुराने कांग्रेस नेता की जमानत जब्त हो गई, वहीं हमें बड़े पैमाने पर आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं और जनता-जनार्दन का समर्थन मिला। यह हमारे राजनीतिक करियर की शुरुआत थी और हमें खुशी है कि नेता के रूप में मान्यता मिली।

हार को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि जहां तक हार का सवाल है, तो यह सामान्य है। मैंने शुरुआत से ही कहा था कि यह मेरी व्यक्तिगत हार है, क्योंकि मैं अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों से कनेक्ट नहीं हो सका। मुझे मात्र 25 दिन का समय मिला था। अगली बार मैं ज्यादा प्रयास करूंगा ताकि मैं अपने लोगों से और बेहतर तरीके से जुड़ सकूं और उनकी उम्मीदों पर खरा उतर सकूं।

दिल्ली में 27 साल बाद भाजपा ने प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाई है। वहीं इस बार के विधानसभा चुनाव में दिल्ली की सत्ता पर 10 साल से काबिज रही आम आदमी पार्टी (आप) को करारी शिकस्त मिली। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया और कई दिग्गजों को हार का सामना करना पड़ा। पार्टी ने उन्हें अवध ओझा को पटपड़गंज सीट से टिकट थमाया था, लेकिन वो भारतीय जनता पार्टी के रविंदर सिंह नेगी से 28,072 वोटों के अंतर से चुनाव हार गए थे।

श्रमिकों के रेस्क्यू को लेकर गंभीरता से कार्य करें अधिकारी: हेमन्त सोरेन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रांची. झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के निर्देश के बाद तेलंगाना के नागरकुरनूल जिले में निर्माणाधीन टनल में गुमला के चार श्रमिकों के फंसे होने की प्रारंभिक सूचना के बाद श्रमिकों के संबंध में पुख्ता जानकारी और उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

मुख्यमंत्री ने रविवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री से श्रमिकों की सुरक्षित रेस्क्यू हेतु आग्रह किया है। मुख्यमंत्री ने मरांग बुरु से हादसे में फंसे सभी श्रमिकों के सुरक्षित होने की कामना की है। एसएलबीसी टनल नागरकुरनूल जिले को आंध्रप्रदेश के श्रीशैलम में स्थित मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग से जोड़ती है।

एनडीआरएफ द्वारा रेस्क्यू **ऑपरेशन में जुटी :** टनल में गुमला के अतिरिक्त उत्तर प्रदेश, जम्मू और कश्मीर एवं पंजाब के श्रमिक फंसे हुए हैं। एनडीआरएफ द्वारा रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हुई है।

श्रमिकों की कुशलता को लेकर जानकारी प्राप्त की जा रही

राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष द्वारा तेलंगाना सरकार से संपर्क कर श्रमिकों की कुशलता को लेकर जानकारी प्राप्त की जा रही है। श्रम विभाग द्वारा गुमला के श्रमिकों से संबंधित पारिवारिक जानकारी प्राप्त की जाएगी। मालूम हो कि 22 फरवरी की सुबह डोमलपेंटा इलाके में श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल टनल का एक हिस्सा गिर गया। इस हादसे में छह से आठ श्रमिक टनल के अंदर फंस गए। श्रमिकों को बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है।

पटना में रविवार को मैराथन में भाग लेते शहर के युवा।

महाशिवरात्रि पर पटना में सुरक्षा के कड़े इंतजाम, एसडीआरएफ की सात टीमें तैनात

आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन ने विशेष तैयारियां की

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पटना. बिहार में अगले बुधवार को मनाई जाने वाली महाशिवरात्रि पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर पटना जिला प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं।

आपाताकालीन स्थिति से निपटने के लिए राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की सात टीमें तैनात की गई हैं। अगले सप्ताह 26 फरवरी को मनाई जाने वाली महाशिवरात्रि के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए पटना जिला प्रशासन ने विशेष तैयारियां की हैं। जिला अधिकारी के निर्देश के अनुसार, विभिन्न अनुमंडलों में स्थित नदी घाटों को सेक्टरों में विभाजित कर दो-दो मोटर बोट, गोताखोरों एवं जवानों के साथ एसडीआरएफ की सात टीमें तैनात की गई हैं।

साथ ही सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन के जरिए भीड़भाड़ वाले इलाकों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। किसी भी आपात स्थिति में नागरिक चौबीस घंटे सात दिन जिला नियंत्रण कक्ष, डायल- 112, और जिला आपातकालीन संचालन केंद्र पर संपर्क कर सकते हैं। महाशिवरात्रि के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और हर आवश्यक संसाधन की व्यवस्था की गई है।

सभी अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया

इसके अलावा, सभी अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने क्षेत्र की नदियों एवं तालाबों के घाटों पर लाइफ जैकेट, नावों, नाविकों और गोताखोरों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करें। सार्वजनिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों की तैनाती की जा रही है।

युवक की गोली मारकर हत्या

छपरा @ पत्रिका. बिहार में सारण जिले के नगरा थाना क्षेत्र में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि रसूलपुर गांव निवासीशत्रुघ्न सिंह के पुत्र सुमित कुमार सिंह उर्फ अंकुश कुमार सिंह (20) के घर पर कुछ अज्ञात लोग पहुंचे और उसे घर से बाहर बुलाकर अपने साथ लेकर चले गए। कुछ देर के बाद गांव में गोली चलने की आवाज सुनाई देने पर जब गांव निवासी और मृतक के परिजन वहां पहुंचे तो उन्होंने उक्त युवक को मृत पाया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मामले की जांच की जा रही है।

आग से झुलसकर एक व्यक्ति की मौत

पटना @ पत्रिका. पटना के कदमकुआं थाना क्षेत्र के अर्पण कॉम्प्लेक्स में आग लगने से एक व्यक्ति की झुलसकर मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि अर्पण कॉम्प्लेक्स में अचानक आग लग गई। घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान मनीष कुमार के रूप में की गई है। जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची दमकल की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

चैंपियंस ट्रॉफी मैच में पाकिस्तान पर भारत की जीत की कामना करते युवा खिलाड़ी।

सड़क हादसे में तीन श्रद्धालुओं की मौत, चार घायल

प्रयागराज के महाकुंभ में स्नान करके लौट रहे थे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भभुआ. बिहार में कैमूर जिले के कुदरा थाना क्षेत्र में रविवार की सुबह सड़क हादसे में तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई तथा चार अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि स्कार्पियो पर सवार लोग प्रयागराज के महाकुंभ में स्नान करने के बाद लौट रहे थे। इस दौरान चिलबिली ओवरब्रिज के पास स्कॉर्पियो की सड़क किनारे खड़े ट्रक से टक्कर हो गई। घटना में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान नहीं की जा सकी हैं। घायलों को भभुआ सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

आइसीसी वनडे चैंपियंस ट्रॉफी: ग्रुप-ए के अहम मुकाबले में भारत ने 45 गेंद शेष रहते छह विकेट से जीत हासिल की, सेमीफाइनल में जगह बनाने की राह आसान

दिखाया दम... टीम इंडिया के आगे पस्त चैंपियन पाकिस्तान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

दुबई. भारतीय टीम ने आइसीसी वनडे चैंपियंस ट्रॉफी में रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए महमुकाबले में छह विकेट से जीत हासिल की। इसके साथ ही टीम इंडिया ने पाकिस्तान से 2017 चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में मिली हार का बदला भी ले लिया। टीम इंडिया ग्रुप-ए में लगार दो मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाने के करीब पहुंच गई है। वहीं, लगातार दो हार के साथ पाक टीम के लिए अंतिम चार में जगह बनाने के रास्ते लगभग बंद हो गए हैं।

इस बेहद अहम मुकाबले में पाकिस्तान ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और पूरी टीम 49.4 ओवर में 241 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। जवाब में टीम इंडिया ने 42.3 ओवर में चार विकेट पर 244 रन बनाकर जीत हासिल कर ली।

विराट का शतक और अय्यर का अर्धशतक

भारतीय टीम की जीत के हीरो स्टार बल्लेबाज विराट कोहली रहे, जिन्होंने वनडे करियर का कुल 51वां शतक लगाया। विराट ने 111 गेंदों में सात चौकों के साथ नाबाद 100 रन की पारी खेली। विराट के अलावा श्रेयस अय्यर ने 67 गेंदों में पांच चौकों और एक छक्के के साथ 56 और शुभमन गिल ने 52 गेंदों में सात चौकों संग 46 रन की पारी खेली।

कुलदीप की फिरकी ने किया कमाल

भारतीय टीम के लिए कुलदीप यादव ने शानदार गेंदबाजी करते हुए सर्वाधिक तीन विकेट चटकाए। हार्दिक पांड्या ने दो जबकि हर्षित राणा, रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल ने एक-एक विकेट चटकाया।

04 शतक विराट कोहली ने अब तक **पाकिस्तान के खिलाफ वनडे में जड़े**

01 शतक चैंपियंस ट्रॉफी में विराट ने लगाया, ***नाबाद 100 रन की पारी खेली***

■ 06 मैच भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में पाकिस्तान से खेले, तीन जीते और तीन हारे

विकेट का जश्न: पाकिस्तान के बल्लेबाज इमाम उल हक का विकेट गिरने पर खुशी मनाते हुए अक्षर पटेल व कुलदीप।

पाक के लिए सऊद ने सर्वाधिक 62 रन ठोके

पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 47 रन तक दो विकेट गंवा दिए थे। ऐसे में कप्तान मोहम्मद रिजवान और सऊद शकील ने तीसरे विकेट के लिए 104 रन की साझेदारी करके टीम को संभाला। मोहम्मद रिजवान ने 77 गेंदों में तीन चौकों के साथ 46 रन बनाए। वही, सऊद शकील ने 76 गेंद में पांच चौकों के साथ 62 रन की पारी खेली।

अंकतालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	नेट रन रेट
ग्रुप-ए					
भारत	02	02	00	04	0.647
न्यूजीलैंड	01	01	00	02	1.200
बांग्लादेश	01	00	01	00	-0.408
पाकिस्तान	02	00	02	00	-1.087
ग्रुप-बी					
द. अफ्रीका	01	01	00	02	2.140
ऑस्ट्रेलिया	01	01	00	02	4.475
इंग्लैंड	01	00	01	00	-0.475
अफगानिस्तान	01	00	01	00	-2.140

आज का मैच... **न्यूजीलैंड बनाम बांग्लादेश** प्रसारण : दोपहर 2.00 बजे से स्टार स्पोर्ट्स पर
ये भी जानें.. न्यूजीलैंड जीता तो अंतिम चार में

हमारा शॉट चयन खराब रहा... मैच हारने के बाद पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने कहा, हमारे बल्लेबाजों का शॉट चयन खराब रहा। हम 280 रन तक पहुंचना चाहते थे लेकिन हमने कई गलतियां कीं।

स्कोर बोर्ड

पाकिस्तान पारी	49.4 ओवर में 241/10			
इमाम उल हक रन आउट	10	26	00	00
बाबर कॉ राहुल बो हार्दिक	23	26	05	00
शकील कॉ अक्षर बो हार्दिक	62	76	05	00
रिजवान बो अक्षर	46	77	03	00
सलमान कॉ जडेजा बो कुलदीप	19	24	00	00
तैय्यब बो जडेजा	04	06	00	00
खुशदिल कॉ कोहली बो हर्षित	38	39	00	02
शाहीन एलबीडब्ल्यू बो कुलदीप	00	01	00	00
नसीम कॉ कोहली बो कुलदीप	14	16	01	00
हारिस रऊफ रन आउट	08	07	00	01
अबरार अहमद नॉट आउट	00	00	00	00

अतिरिक्त: 17.
विकेट पतन: 1-41, 2-47, 3-151, 4-159, 5-165, 6-200, 7-200, 8-222, 9-241, 10-241. **गेंदबाजी:** शमी 8-0-43-0, हर्षित 7.4-0-30-1, हार्दिक 8-0-31-2, अक्षर 10-0-49-1, कुलदीप 9-0-40-3, जडेजा 7-0-40-1.

भारतीय पारी	42.3 ओवर में 244/4			
रोहित शर्मा बो शाहीन	20	15	03	01
शुभमन गिल बो अबरार	46	52	07	00
विराट कोहली नॉटआउट	100	111	07	00
श्रेयस कॉ इमाम बो शाहीन	56	67	05	01
हार्दिक कॉ रिजवान बो शाहीन	08	06	01	00
अक्षर पटेल नॉट आउट	03	04	00	00

अतिरिक्त: 11. **विकेट पतन:** 1-31, 2-100, 3-214, 4-223. **गेंदबाजी:** शाहीन 8-0-74-2, नसीम 8-0-37-0, हारिस 7-0-52-0, अबरार 10-0-28-1, खुशदिल 7.3-0-43-1, सलमान 2-0-10-0

जीत का हीरो: 100* रन ठोके

सही समय गरजा विराट का बल्ला, 15 महीने बाद शतक

■ ***दिग्गज बल्लेबाज*** विराट ने आखिरकार वनडे क्रिकेट में शतक का सूखा खत्म कर दिया। उन्होंने आखिरी बार 2023 वनडे विश्व कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ 117 रन ठोके थे।

■ ***82वां*** अंतरराष्ट्रीय शतक विराट ने लगाया। उनके नाम वनडे में 51, टेस्ट में 30 और टी-20 में एक शतक लगाया है। उनसे आगे सिर्फ सचिन तेंदुलकर (100) हैं।

पाक के खिलाफ शानदार रेकॉर्ड : विराट का पाकिस्तान के खिलाफ वनडे में शानदार रेकॉर्ड रहा है। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ कुल 17 वनडे खेले हैं और 778 रन ठोके हैं। इसमें चार शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं।

विराट सर्वाधिक कैच लपकने वाले भारतीय: विराट ने पाकिस्तान के खिलाफ दो कैच लपके और पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन (156) का रेकॉर्ड तोड़ा। विराट के नाम 158 कैच हो गए हैं। अब उनसे आगे महेला जयवर्धने (218) और रिकी पोंटिंग (160) हैं।

मेरा काम आखिर तक डटे रहना था : कोहली

रोहित शर्मा के आउट होने के बाद मेरा काम स्पिनरों के खिलाफ जोखिम नहीं लेना और आखिर तक विकेट पर टिके रहना था। मैं अपने खेल के बारे में जानता हूं और इस कारण बाहर से हो रही आलोचनाओं पर ध्यान नहीं देता।

बैडमिंटन : उन्नति फाइनल में हारकर खिताब से चूकी

नई दिल्ली @ पत्रिका. भारत की 17 वर्षीय युवा बैडमिंटन खिलाड़ी उन्नति हुड्डा सिंगापुर इंटरनेशनल चैलेंज में खिताब जीतने से चूक गई। भारतीय खिलाड़ी को महिला एकल के फाइनल में इंडोनेशिया की रुजाना के खिलाफ 42 मिनट तक चले मुकाबले में 17-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा।

फुटबल: इंटर मियामी ने न्यूयॉर्क सिटी के खिलाफ इंजुरी टाइम में दागा बराबरी का गोल, मैच 2-2 से ड्रॉ

मेसी और सेगोविया ने टीम को हार से बचाया

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

न्यूयॉर्क. स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी और टेलास्को सेगोविया के दम पर इंटर मियामी ने न्यूयॉर्क सिटी के साथ यहां एमएलएस लीग 2025 के पहले मैच में 2-2 से ड्रॉ खेला।

न्यूयॉर्क सिटी ने हालांकि इंजुरी टाइम तक 2-1 से बढ़त हासिल कर रखी थी लेकिन खेल खत्म होने से कुछ सेकेंड पहले मेसी ने जलवा दिखाया। उन्होंने विपक्षी टीम के डिफेंस में सेंध लगाते हुए गेंद सेगोविया को दी, जिन्होंने गोल करके टीम को हार से बचा लिया।

इंटर मियामी के लिए 5वें मिनट में टॉमस ने दागा गोल

गोल होने के बाद साथी खिलाड़ियों के साथ जश्न मनाते मेसी (बीच में)।

रचा इतिहास

मेसी ने भले ही गोल नहीं किया लेकिन इसके बावजूद इतिहास रच दिया। वह एमएलएस इतिहास में सबसे तेज 40 गोल अस्टिट करने वाले खिलाड़ी बने।

इन्होंने दागे गोल: इंटर मियामी के टॉमस एविलास ने पांचवें मिनट में ही गोल कर दिया था, पर मित्जा (26वें) और अलांसो मार्टिनेज (55वें) के गोल से न्यूयॉर्क सिटी ने 2-1 से बढ़त बना ली थी।

बैडमिंटन : श्रीकांत ने गोपीचंद के बयान का समर्थन किया

नई दिल्ली @ पत्रिका. अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी पारुपल्ली कश्यप ने कोच पुलेला गोपीचंद के बयान का समर्थन किया है। गोपीचंद ने हाल में एक बयान में कहा था कि जिन माता-पिता के पास पैसे नहीं हैं, उन्हें अपने बच्चों को स्पोर्ट्स में करियर बनाने के लिए नहीं भेजना चाहिए। कश्यप ने कहा, गोपी सर ने भारत में खेलों का जो माहौल है, उस स्थिति को बयान किया है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि हमारे देश में खेलों में करियर बनाना बेहद चुनौतीपूर्ण और मुश्किल है। हमें इस पर काफी ध्यान देने की जरूरत है।

आज का पोल

क्या बांग्लादेश की टीम चैंपियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड को शिकस्त दे पाएगी?

NO | YES

हमारे एक्स/फेसबुक पेज पर जाएं और विस्तार से अपनी राय रखें। 𝕏 @PatrikaNews

रविवार का जवाब: हां 65% नहीं 35%

पिछला सवाल: क्या भारतीय क्रिकेट टीम पाकिस्तान के खिलाफ जीत हासिल कर सकती है?

महिला हॉकी: एफआइएच प्रो लीग में 23 व 25 फरवरी को खेला जाएगा मैच

डच टीम के खिलाफ भारत की राह कठिन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भुवनेश्वर. भारतीय महिला हॉकी टीम सोमवार से नीदरलैंड्स के खिलाफ एफआइएच प्रो लीग में अपने अभियान का आगाज करेगी। दोनों टीमों के बीच पहला मुकाबला 23 और दूसरा 24 फरवरी को खेला जाएगा। सलीमा टेटे की अगुआई वाली भारतीय टीम के लिए अभी तक का सफर खास नहीं रहा है। भारतीय टीम वर्तमान में छह मैचों में सात अंकों के साथ तालिका में सातवें स्थान पर है। पिछले मैच में भारतीय टीम ने जर्मनी को हराया था।

एक मैच के दौरान भारतीय कप्तान सलीमा टेटे।

डच टीम दूसरे नंबर पर: शानदार फॉर्म में चल रही नीदरलैंड्स की टीम ने छह मैचों में पांच जीते हैं और सिर्फ एक हारा है। वह 15 अंकों के साथ तालिका में दूसरे पायदान पर चल रही है। ऐसे में टीम इंडिया के लिए चुनौती आसान नहीं होगी।

नई दिल्ली मैराथन: खिताब जीतने पर मिली 2-2 लाख रुपए की इनामी राशि

उत्तराखंड के मानसिंह व भागीरथी बने चैंपियन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. उत्तराखंड के धावक मानसिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यहां रविवार को आयोजित हुई नई दिल्ली मैराथन में शीर्ष स्थान हासिल किया। 42.195 किमी की इस रेस में 35 वर्षीय मानसिंह ने दो घंटे 15.24 सेकेंड का समय निकाला। वहीं, महिला वर्ग में भी उत्तराखंड का दबदबा रहा और भागीरथी बिष्ट ने शीर्ष पर जगह बनाई। उन्होंने दो घंटे 48.59 सेकेंड के साथ खिताब जीता। मानसिंह और भागीरथी को दो-दो लाख रुपए की इनामी राशि मिली।

भारतीय धावक मानसिंह।

जेरेमियो ने खिताब कायम रखा

लंदन. ब्रिटेन के धावक जेरेमिया अजू ने रविवार को बर्मिंघम इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 60 मीटर इंडोर स्पर्धा में बादशात कायम रखी। उन्होंने 6.56 सेकेंड के साथ अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और लगातार दूसरी बार खिताब जीता।

टेनिस का युवा सितारा // रूसी खिलाड़ी ने दुबई ओपन के फाइनल में डेनमार्क की क्लारा को हराकर करियर का सबसे बड़ा खिताब जीता

17 वर्षीय मीरा डब्ल्यूटीए चैंपियन बनने वाली सबसे युवा खिलाड़ी

सबसे युवा डब्ल्यूटीए चैंपियन बनीं

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

दुबई. रूस की 17 वर्षीय महिला टेनिस खिलाड़ी मीरा आंद्रिवा ने यहां शानदार प्रदर्शन करते हुए दुबई टेनिस चैंपियनशिप ट्रॉफी जीतकर इतिहास रच दिया है।

मीरा ने महिला एकल के फाइनल में डेनमार्क की खिलाड़ी क्लारा टुसोन को 7-6, 6-1 से शिकस्त दी। मीरा ने 17 साल 299 दिन की आयु में यह खिताब जीता है और वह डब्ल्यूटीए 1000 चैंपियन बनने वाली सबसे युवा खिलाड़ी बन गई हैं। इस जीत से खुश मीरा ने कहा कि वह अपने करियर का सबसे बड़ा खिताब जीतकर रोमांचित महसूस कर रही हैं।

टॉप-10 में जगह बनाना था लक्ष्य

मैंने सीजन की शुरुआत से पहले लक्ष्य बनाया था कि इस साल के अंत तक मुझे शीर्ष 10 खिलाड़ियों में जगह बनानी है। मुझे खुशी है कि मैं अपने लक्ष्य में सफल रही। ***यह खिताब मेरे लिए बेहद अहम हैं लेकिन मुझे अभी लंबा सफर तय करना है।***

मीरा, रूसी खिलाड़ी

जीत के बाद सुकून के पल : खिताब जीतने के बाद ट्रॉफी के साथ रूसी टेनिस खिलाड़ी मीरा आंद्रिवा।

इन दिग्गजों के पदचिन्हों पर चलीं

मीरा ने काफी छोटी उम्र से अपनी बड़ी बहन के साथ टेनिस खेलना शुरू कर दिया था। वह स्विट्जरलैंड के पूर्व टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर और अमरीका बास्केटबॉल खिलाड़ी लिबोर्न जेम्स को अपना आदर्श मानती हैं। मीरा ने कहा कि वे इन दोनों खिलाड़ियों के इंटरव्यू देखती हैं और जिंदगी में उनके जैसा बनने की कोशिश करती हैं।

5वीं खिलाड़ी बनीं... मीरा आंद्रिवा पिछले 20 साल में 18 साल की उम्र से पहले डब्ल्यूटीए खिताब जीतने वाली पांचवीं महिला खिलाड़ी हैं। इस सूची में मारिया शारापोवा (रूस), मिशेला क्राजिसेक (नीदरलैंड्स), निकोल वेडिसोवा (जर्मनी) और कोको गॉफ (अमरीका) शामिल हैं।

खिताबी सफर में शीर्ष खिलाड़ियों को हराया... अपने खिताबी सफर के दौरान मीरा ने तीन दिग्गज खिलाड़ियों को हराया। उन्होंने दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी बेलारूस की आर्यना सबालेंका, पोलैंड की नंबर दो खिलाड़ी इगा स्विटेक और सातवें नंबर की रूसी खिलाड़ी एलेना सबालेंका की चुनौती खत्म की।

पहली बार शीर्ष टॉप-10 में शामिल होंगी... दुबई ओपन चैंपियनशिप जीतने के बाद मीरा सोमवार को जारी होने वाली डब्ल्यूटीए विश्व रैंकिंग में शीर्ष दस खिलाड़ियों में जगह बना लेंगी। वह अभी विश्व महिला रैंकिंग में 14वें स्थान पर कायम हैं।

CROSSWORD (वर्ग पहेली) **7265...**

बाएं से दाएं... 1. चोट खाया हुआ, घायल (4), 4. अनवरत, निरन्तर (4), 7. लौ का झोंका, अग्नि शिखा (3), 9. आनंद, स्वाद (2), 10. बड़ाई, गुण-कथन (5), 12. मेरा (2), 13. दौड़-धूप, जल्दी (5), 15. कृतज्ञता (3), 17. मूल्य, मोल, कीमत (2), 18. मिष्ठान्न बनाने वाला (4), 20. धनवान, संपन्न (2), 22. हाथी (2), 23. मुस्लिम जियारत जो मक्का में होती है (2), 24. चित्त, दिल, जी (2), 25. आकाश, गगन (2), 26. उत्तर (3), 27. मैं का बहुवचन (2), 28. भेजा, दिमाग (3), 29. चांदी, धवल (3)

ऊपर से नीचे... 2. नतीजा, फल (4), 3. पगतल (3), 4. जुल्फ, अलका (2), 5. धातु की डोर (2), 6. प्रेम-रस (2-2), 8. उत्तरदायित्व (2-2), 10. पथभ्रष्ट, भटका हुआ (4), 11. आय (4), 14. बोझ, वजन (2), 15. ध्वनि, शोर (3), 16. बंधु, भ्राता (2), 19. अनुमानित, अंदाजन (4), 20. विचित्र, अनोखा (3), 21. लोगों की राय (2-2), 23. उदाहरण, सुपुर्दगी (3), 24. केवल, सिर्फ (3), 25. आर्द्र, गीला (2)

हल 7264

SUDOKU 7000...

	6			3	8		9	
4	3							
			6	4				
		7					3	9
5			9					
2	4				7			1
	9	1	5				2	3
8								
						5		

हल 6999

1	8	4	5	3	9	2	7	6
3	5	2	7	6	4	1	8	9
7	6	9	1	2	8	4	5	3
2	4	7	3	1	6	8	9	5
9	3	5	8	4	2	7	6	1
6	1	8	9	7	5	3	4	2
8	9	3	4	5	1	6	2	7
5	2	1	6	8	7	9	3	4
4	7	6	2	9	3	5	1	8

कैसे खेलें: वर्ग को 1 से 9 तक अंकों से ऐसे भरें कि आड़ी व खड़ी पंक्ति के साथ ही 3 गुणा 3 के बॉक्स में 1 से 9 तक अंक आएं। कोई अंक दुबारा नहीं आए।

भोज नगरी में निवेश का उत्सवी रंग

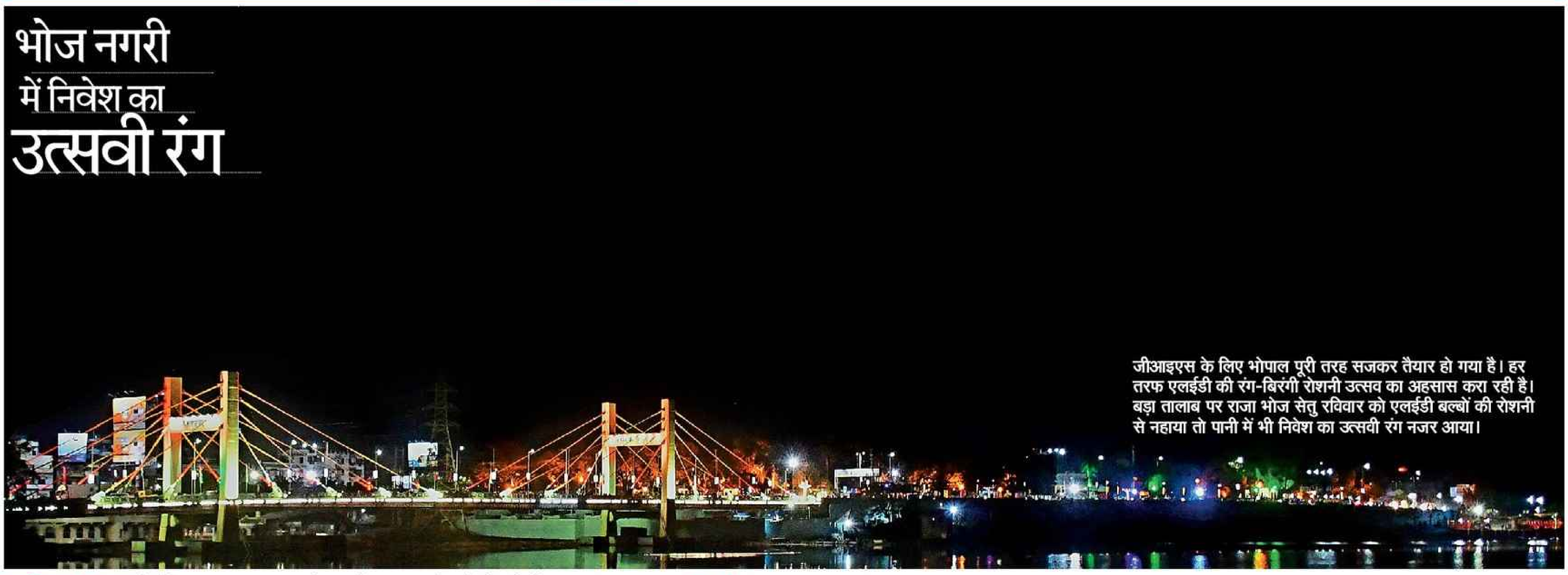

जीआइएस के लिए भोपाल पूरी तरह सजकर तैयार हो गया है। हर तरफ एलईडी की रंग-बिरंगी रोशनी उत्सव का अहसास करा रही है। बड़ा तालाब पर राजा भोज सेतु रविवार को एलईडी बल्बों की रोशनी से नहाया तो पानी में भी निवेश का उत्सवी रंग नजर आया।

बागेश्वर धाम में कैंसर अस्पताल के भूमिपूजन में बोले मोदी

आयुष्मान फ्री, कोई रुपए मांगे तो चिट्ठी लिखना-मैं देख लूंगा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

छतरपुर. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने भाषण में धीरेंद्र शास्त्री को अपना छोटा भाई कहा। कार्यक्रम के समापन पर वे शास्त्री का हाथ थामकर जाते दिखाई दिए।

झुककर किया जनता को प्रणाम

पीएम ने झुककर जनता का आर्शीवाद लिया। उन्होंने मतंगेश्वर, बागेश्वर और जटाशंकर को प्रणाम कर जयकारा लगाया।

छतरपुर. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बागेश्वर धाम में रविवार को कैंसर अस्पताल का भूमिपूजन करते हुए कहा कि यह धार्मिक क्षेत्र अब आरोग्य केंद्र भी बन जाएगा। इस अस्पताल के पहले चरण में 100 बिस्तरों की सुविधा मिलेगी। सरकार का विजन सबका साथ, सबका विकास, सबका इलाज और सबका आरोग्य है। आयुष्मान भारत योजना में गरीबों को 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज प्रदान किया जा रहा है। 70 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए आयुष्मान कार्ड मुफ्त में बनवाए जा रहे हैं। इसके लिए कोई पैसे मांगे तो मुझे चिट्ठी लिख देना, बाकी सब मैं देख लूंगा। उन्होंने लोगों से पूछा कि चिट्ठी लिखोगे ना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को शेष रहे बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाने के अभियान को तेज करने के निर्देश मोदी ने दिए।

39 मिनट और 6 सेकंड के भाषण में प्रधानमंत्री ने कहा, कैंसर का पता चलता है तो परिवार में मातम छा जाता है। हमारी सरकार आम जन की इस मुश्किल को आसान करने जा रही है। दवाइयां सस्ती की जा रही हैं। कैंसर डे केयर सेंटर खोले जा रहे हैं। कैंसर से सुरक्षा के लिए आपको भी सावधान और जागरूक होना होगा। कैंसर की शुरुआत में ही पहचान करने के लिए महाअभियान चला रहे हैं। बीड़ी सिगरेट, तंबाकू से कैंसर का खतरा ज्यादा है, इसलिए इस नशे से खुद भी दूर रहें और दूसरों को भी रखें। बागेश्वर धाम में भजन, भोजन और आरोग्य का आशीर्वाद मिलेगा।

उधर, मोदी ने इस मौके पर विपक्षी दलों पर हमला बोला और कहा, धर्म का अपमान करने वाले मंदिरों और संस्कृति पर हमला करते हैं। ऐसे लोग केवल देश की एकता को तोड़ने का प्रयास करते हैं। यह महाकुंभ सिर्फ धार्मिक दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि देश की एकता का भी प्रतीक बन चुका है। उन्होंने इसे एकता का महाकुंभ बताया और कहा कि यह आयोजन सदियों तक भारत की एकता का संदेश देता रहेगा।

पीएम की माता के नाम से वार्ड: धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, प्रधानमंत्री की माता के नाम से हमारे अस्पताल में एक विशेष वार्ड बनाया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने पंडित धीरेंद्र शास्त्री की माता की 'पर्ची' निकाली

मोदी ने कहा कि आज मैं दादा हनुमान के चरणों में आया तो मुझे लगा, क्या धीरेंद्र शास्त्री ही पर्ची निकालेंगे या मैं निकाल पाऊंगा। हनुमान दादा की कृपा होती है या नहीं। दादा ने आशीर्वाद दिया तो आज मैंने पहली पर्ची निकाली, जो उनकी माता जी की थी। इस पर्ची का जिक्र करते हुए पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने प्रधानमंत्री से पहले मंच से कहा कि प्रधानमंत्री मेरी माता से बातचीत कर रहे थे और कह रहे थे कि उनके मन में मेरे ब्याह की बात चल रही है। धीरेंद्र ने कहा कि आप मेरी शादी में भले न आ पाओ, कैंसर हॉस्पिटल के उद्घाटन में जरूर आइएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं शादी में भी आऊंगा।

बुंदेलखंड में सूखा पड़ता था, आज खुशहाली

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि केन-बेतवा नदी योजना के माध्यम से पीएम ने बुंदेलखंड को बड़ी सौगात दी है। जहां कभी सूखा पड़ता था, वहां आज खुशहाली का आशीर्वाद मिला है। इस परियोजना से पानी के झगड़े समाप्त हो गए हैं। पीएम मोदी इस परियोजना के लिए 90 फीसदी राशि दे रहे हैं, जो देश के लिए स्वर्ण काल की तरह है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सनातन संस्कृति पुनर्स्थापित हो रही है।

अब भारत की भूमिका विश्व मित्र की

बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि पीएम मोदी 60 दिन में दूसरी बार यहां आए हैं। अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी उन्हें द ग्रेट प्राइम मिनिस्टर कहते हैं। भारत की भूमिका विश्व मित्र की है।

39 मिनट, 6 सेकंड में ये भी बोले पीएम

सेहत का ध्यान रखना है। ध्यान रखेंगे तो अस्पतालों पर भी बोझ नहीं बढ़ेगा।

जन औषधि केंद्रों में सस्ती दवाइयां मिल रही हैं। हजारों डायलिसिस सेंटर खोले गए हैं।

राजधानी में निवेशकों का महाकुंभ, ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का प्रधानमंत्री करेंगे शुभारंभ

देश के 'दिल' में आज निवेश की दरियादिली

34 देशों के राजनयिक और वाणिज्य दूतों के साथ 30 हजार से ज्यादा उद्यमी और निवेशक होंगे शामिल

सवा घंटे पीएम मोदी का संबोधन, फिर सीएम करेंगे उद्योगपतियों से वन-टू-वन चर्चा

निवेश प्रदेश
ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट
24-25 फरवरी

भोपाल. जीआइएस के कार्यक्रम स्थल मानव संग्रहालय तैयार है। इसी मंच पर प्रधानमंत्री मोदी कार्यक्रम का आगाज करेंगे।

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. देश के 'दिल' में बसे प्रदेश में सोमवार को निवेशक दरियादिली दिखाएंगे। पहली बार भोपाल में हो रही 8वीं ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआइएस) की थीम 'अनंत संभावनाएं' रखी गई हैं। राजधानी के मानव संग्रहालय में करीब सुबह 11 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जीआइएस का शुभारंभ करेंगे। करीब सवा घंटे उद्योगपतियों को संबोधित करेंगे। राज्य की 18 नीतियों का अनावरण भी करेंगे। इससे पहले मप्र की औद्योगिक और निवेश क्षमता को प्रदर्शित करने वाली 5 मिनट की वीडियो फिल्म दिखाई जाएगी। शुभारंभ कार्यक्रम के बाद सीएम डॉ. मोहन यादव उद्योगपतियों से वन-टू-वन चर्चा करेंगे। नवकरणीय ऊर्जा और आइटी समिट में शामिल होंगे। शाम में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ डिनर होगा। दो दिन की समिट में 34 देशों के राजनयिक और वाणिज्य दूतों के साथ अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी, बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला, आइटीसी के सीएमडी संजीव पुरी समेत देश-विदेश के उद्योग जगत की प्रमुख हस्तियां शामिल होंगी। समिट में 30 हजार प्रतिभागी शामिल होंगे। इनमें उद्योग जगत के 3,903 विशेष आमंत्रित व 8,046 डेलीगेट्स हैं। 300 से अधिक गेस्ट ऑफ ऑनर, 133 अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागी, 3398 स्टार्टअप्स प्रतिनिधि, 562 एनआरआइ व मप्र के प्रवासी, समेत 10,491 प्रतिभागी आएंगे। समापन मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में शाम 4.30 से 6 बजे तक होगा।

निवेश प्रदेश बनाने आएंगे अदाणी, बिरला, गोदरेज समेत 300 बड़े उद्योगपति

गौतम अदाणी,
अध्यक्ष,
अदाणी समूह

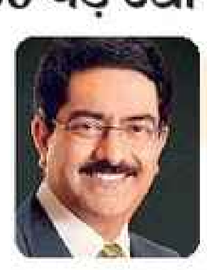

कुमार मंगलम बिरला
अध्यक्ष,
आदित्य बिड़ला समूह

संजीव पुरी
सीएमडी
आइटीसी

नादिर गोदरेज
सीएमडी
गोदरेज इंडस्ट्रीज

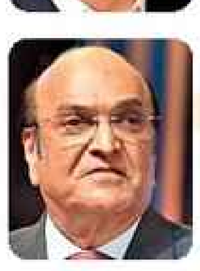

रघुपति सिंघानिया
सीएमडी
जेके टायर

प्रकाश चौहान
चेयरमैन
पारले

विनोद अग्रवाल
एमडी,सीईओ
वी कमर्शियल वीकल्स

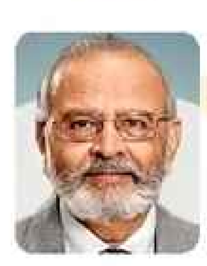

अभय फिरोजिया
अध्यक्ष,
फोर्स मोटर्स

हिरोशी योशिजाने
एमडी
ब्रिजस्टोन इंडिया

कुमार वेंकट सुब्रमण्यम
एमडी
प्रॉक्टर एंड गैंबल

मोदी ने जीता भोपालवासियों का दिल

बच्चों की परीक्षा, इसलिए पौन घंटे देर से जाएंगे कार्यक्रम में

प्रधानमंत्री मोदी ने भोपालवासियों का दिल जीत लिया। उन्होंने स्कूली बच्चों की परीक्षा देख जीआइएस के शुभारंभ कार्यक्रम का समय घंटेभर बढ़ा दिया। अब वे सोमवार सुबह 10 बजे राजभवन से निकलेंगे। करीब सुबह 11 बजे मानव संग्रहालय में शुभारंभ करेंगे। पहले सुबह 9.40 बजे राजभवन से निकलना था। 10.15 बजे शुभारंभ करना था। उन्हें पता चला कि सीबीएसई 12वीं व 5वीं, 8वीं की परीक्षा सुबह 9.30 बजे से है। ट्रैफिक में हुए बदलाव से बच्चों को परेशानी होगी। यह देख उन्होंने समय में तब्दीली कराई।

बड़े उद्योगपतियों से बड़े निवेश की आस

समिट में देश की टॉप कंपनियों के 300 से अधिक अध्यक्ष, एमडी, सीईओ शामिल होंगे। इनमें सीएमडी जेके टायर, बालकृष्ण गोयनका अध्यक्ष, वेल्सपेन वर्ल्ड, एमके अग्रवाल, एमडी ग्रासिम, कैलाश झंवर, एमडी अल्ट्राटेक, सुचिता ओसवाल जैन, उपाध्यक्ष वर्धमान, रंजिदर गुप्ता ट्राइडेंट, सीएमडी ब्लू स्टार, पार्थ प्रतिम सेन गुप्ता, एमडी बंधन बैंक आदि शामिल हैं।

यूनिकॉर्न के एमडी-सीईओ भी: 15 से अधिक यूनिकॉर्न बने स्टार्टअप के एमडी-सीईओ भी आ रहे हैं। बोट के को-फाउंडर अमन गुप्ता, अपना के बिजनेस हेड कौशिक बनर्जी, फॉर आई के सीईओ गौतम कुमार, ईज माय ट्रिप को-फाउंडर निशांत पिट्टी, जेरोधा के दिनेश पाई समेत अन्य भी शामिल होंगे।

जीआइएस में कुछ संभावित निवेश

कंपनी	सेक्टर	संभावित निवेश
एक्सिस एनर्जी वेंचर्स तेलंगाना	नवीकरणीय ऊर्जा	48000 करोड़
अवाडा एनर्जी प्रालि महाराष्ट्र	नवीकरणीय ऊर्जा	45000 करोड़
जिंदल इंडिया आरई	नवीकरणीय ऊर्जा	10000 करोड़
अदाणी ग्रुप	नवीकरणीय ऊर्जा	10000 करोड़
डालमिया सीमेंट भारत	खनिज उद्योग	3000 करोड़
सन फार्मास्युटिकल्स	फार्मा एंड हेल्थकेयर	2000 करोड़

बड़े दिलवाला किसान... हरदा के ग्रामीण ने पेश की मिसाल; धन लौटाया, मांगे पौधे

दहेज लौटा, 5 पौधों के साथ बहू की विदाई

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

हरदा. एक साड़ी में बहू को घर लाने के किस्से तो बहुत सुने होंगे, लेकिन हरदा के किसान ने दहेज लौटाकर सिर्फ 5 पौधों के साथ बहू की विदाई कराई। ऐसा करने वाले ऐड़ाबेड़ा गांव के किसान मोहन साईं ने समाज में बढ़ते दहेजलोभियों के बीच एक मिसाल पेश की। उनके छोटे बेटे हेमंत का 21 फरवरी को विवाह पीपलघटा के बनवारीलाल की बेटी आयुषी के साथ हुआ। शादी की रस्में पूरी हुईं और लड़की के पिता ने दहेज में 2.50 लाख रुपए की पेशकश की। लेकिन लड़के के पिता ने दरियादिली दिखाते हुए दहेज लौटा दिया।

बेटे-बहू के हाथों लगवाया पौधा

दहेज लौटाने की बात पर बहू का पीहर भौचक था। वे इसे शादी में किसी बात पर नाराजगी मानते हुए दहेज स्वीकारने दूल्हे के पिता को मनाते रहे। इस पर परिवार का सम्मान रखते हुए कृषक मोहन ने खेजड़ी के पांच पौधों के साथ बहू की विदाई कराई। शनिवार को गृह प्रवेश हुआ और बेटे-बहू ने इन पौधों को अपने खेत में रोपित किया।

कलेजे का टुकड़ा दिया, अब कुछ नहीं चाहिए

दूल्हे के पिता मोहन साईं ने कहा, दहेज समाज की एक बुराई है। लड़की के पिता ने हमें अपने कलेजे का टुकड़ा दिया। इससे बड़ा दहेज और कुछ नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, दहेज ने कई घर तबाह किए। वे अपने बच्चों को इस कुप्रथा से दूर रखना चाहते हैं। विश्नोई समाज में खेजड़ी के पौधों की विशेष मान्यता है। ये वही पेड़ हैं, जिन्हें बचाने के लिए 1730 ई. में जोधपुर के खेजड़ी में मां अमृता देवी विश्नोई के साथ 363 महिला पुरुषों ने अपनी जान दे दी थी।

तकनीक और बिजनेस ट्रेंड पर **नादिर गोदरेज** ने दिए टिप्स

फैमिली बिजनेस से हटकर ढूंढ़ने दें बच्चों को राह

आज की युवा पीढ़ी में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। वे खुद की मंजिल तलाशना चाहती हैं। कई बार बच्चे फैमिली के परंपरागत व्यापार से हटकर नया करना चाहते हैं। उन पर पारिवारिक व्यवसाय से जुड़ने का दबाव नहीं बनाना चाहिए। यह कहना है, गोदरेज इंडस्ट्रीज के चेयरपर्सन नादिर बी. गोदरेज का। वे शनिवार को आइएमए के 32वें इंटरनेशनल कॉन्क्लेव में इंदौर आए थे। नादिर ने बिजनेस के बदलते ट्रेंड पर अपनी बातें रखीं। 40 की उम्र में रिटायरमेंट का सोचने वाले युवाओं को संदेश दिया कि मैं आज भी काम करता हूं। मतलब यह नहीं कि अधिक कर रहा हूं।

नादिर बी. गोदरेज

नॉलेज बेस्ड इंडस्ट्रीज सफल

अभी उन्हीं इंडस्ट्रीज को ज्यादा सफलता मिल रही है, जो नॉलेज पर आधारित है। सोशल सेक्टर आधारित जो उद्योग पिछले वर्षों में बने, उनमें भारत को ज्यादा सफलता मिली है। इसलिए ऐसी इंडस्ट्री बढ़ रही है।

बच्चों की सोच को नजरअंदाज न करें

नादिर ने कहा, जब छोटा था, पिता के साथ ऑफिस जाता था। वे इंडस्ट्रियल इंजीनियर थे। उनसे प्रेरित होकर इंजीनियरिंग किया। मां टीचर और दादी कवयित्री थीं तो मेरी कविता में भी रुचि बढ़ी। वे कविताएं भी लिखते हैं। वे बोले-बच्चों को अपने व्यवसाय के बारे में बताएं, पर परिवार के व्यापार से जुड़ने या न जुड़ने की उनकी सोच नजरअंदाज न करें।

एआइ से इकोनॉमी को भी होगा फायदा

उन्होंने कहा, एआइ का फायदा विभिन्न क्षेत्रों में हो रहा है। इससे इकोनॉमी को बहुत फायदा होगा। इससे रोजगार के रास्ते खुल रहे हैं। इसका कुछ नुकसान रोजगार पर पड़ सकता है। कितना असर करेगा, अभी नहीं कह सकते। इंदौर मैनेजमेंट एसोसिएशन ने गोदरेज के चेयरपर्सन नादिर बी. गोदरेज को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया। उन्हें यह दूरदर्शी उद्यमी, कृषि-रसायन उद्योग में बदलाव के साथ गुड एंड ग्रीन पहल के लिए दिया गया।

साड़ी रन: फिटनेस की राह में परिधान नहीं बन पाए रुकावट

हैदराबाद. नेकलेस रोड स्थित पीपुल्स प्लाजा में रविवार को आयोजित 'तनीरा साड़ी रन' में महिलाओं का जोश। फिटनेस के सफर में साड़ी को बाधा नहीं मानने का संदेश देने वाले इस इवेंट में 3,000 से अधिक महिलाएं शामिल हुईं। इस दौरान मोटरसाइकिल पर सवार महिलाएं, वहीं अपने बच्चे को लेकर दौड़ती हुई एक महिला। आयोजन में समूचे देश में पहनी जाने वाली अलग-अलग साड़ियों की झलक भी देखने को मिली।

केंद्र सरकार व तमिलनाडु में टकराव

त्रि-भाषा नीति से क्यों फिर सुलगा भाषाई विवाद

पत्रिका एक्सप्लेनर

केंद्र सरकार ने तमिलनाडु को समग्र शिक्षा योजना के तहत मिलने वाली 2,152 करोड़ रुपए की राशि रोक दी। यह फैसला राज्य के प्रधानमंत्री स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया योजना में शामिल न होने पर लिया गया। तमिलनाडु योजना में शामिल होना चाहता है लेकिन इसके साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत लागू की जा रही तीन-भाषा नीति का विरोध कर रहा है। जानिए क्या है पूरा मामला...

हिंदी-विरोधी प्रदर्शन के बीच पोल्लाची रेलवे स्टेशन पर रविवार को एक शख्स ने साइन-बोर्ड पर लिखे हिंदी शब्दों को काले रंग से पोत दिया।

त्रि-भाषा नीति क्या है?

एनईपी 2020 के अनुसार, स्कूलों में छात्रों को तीन भाषाएं सीखनी होंगी, जिनमें से कम से कम दो भारतीय मूल की भाषाएं होंगी। इसका मतलब है कि राज्य की भाषा के अलावा, बच्चों को कम से कम एक अन्य भारतीय भाषा सीखनी होगी - जरूरी नहीं कि वह हिंदी ही हो। हालांकि, तमिलनाडु को आशंका है कि यह हिंदी को 'पिछले दरवाजे' से थोपते हुए राज्य की भाषाई स्वतंत्रता को छीनने की कोशिश है।

नया नहीं है 'हिंदी थोपने' का विरोध

तमिलनाडु में कथित 'हिंदी थोपने' का विरोध नया नहीं है। साल 1937 में पहली बार हिंदी अनिवार्य करने की कोशिश का भारी विरोध हुआ था और ब्रिटिश सरकार को आदेश वापस लेना पड़ा। इसी तरह 1965 में हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के खिलाफ हुए प्रदर्शनों में 70 लोगों की जानें गईं। राज्य 1968 से दो-भाषा नीति (तमिल और अंग्रेजी) पर चलता है।

सरकारों का रुख?

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने स्पष्ट कर दिया है कि तीन-भाषा नीति में कोई छूट नहीं दी जाएगी। वहीं, तमिलनाडु के सीएम एम.के. स्टालिन ने केंद्र के फैसले को 'भाषाई जबरदस्ती' करार देते हुए जोर देकर कहा है कि राज्य 'ब्लैकमेल' के आगे नहीं झुकेगा और अपनी दो-भाषा नीति को नहीं छोड़ेगा।

आगे का रास्ता?

इसका एकमात्र व्यवहार्य समाधान शिक्षा जैसे मुद्दे पर केंद्र और राज्य के बीच रचनात्मक बातचीत और व्यावहारिक समझौता हो सकता है, जिसे आपातकाल के दौरान राज्य सूची से समवर्ती सूची में डाल दिया गया था। शिक्षा जैसे विषय पर टकराव से विद्यार्थियों का नुकसान हो सकता है।

प्रस्तुतिः अमित पुरोहित

हिमाचल मंडी में 3.7 तीव्रता का भूकंप

शिमला@पत्रिका. हिमाचल प्रदेश के मंडी में रविवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। जिससे लोग दहशत में आ गए। मौसम विभाग के अनुसार भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.7 मापी गई। भूकंप से किसी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है।

फ्रांस आतंकी हमले में एक की मौत

पेरिस@पत्रिका. फ्रांस के मुलहाउस शहर में एक आतंकवादी हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। पीड़ितों में तीन पुलिस अधिकारी और एक नागरिक शामिल हैं। 37 वर्षीय अल्जीरियाई हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे 'इस्लामी आतंकवाद' करार दिया।

दिल्ली

पनामा से 12 प्रवासी भारतीय दिल्ली पहुंचे

नई दिल्ली@ पत्रिका. अमरीका से पनामा भेजे गए 12 भारतीय नागरिकों को लेकर एक विमान रविवार शाम को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचा।

यहां से नागरिकों को उनके घरों को रवाना कर दिया गया। ये लोग पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। यह पनामा से वापस लाए जाने वाले भारतीयों का पहला जत्था है। इससे पहले अमरीका ने लगभग 332 अवैध अप्रवासी भारतीयों को निर्वासित किया था।

कन्नड़-मराठी विवाद

पुणे में कर्नाटक की बसों पर कालिख पोती, लिखे नारे

बेंगलूरु@ पत्रिका. भाषा विवाद के बीच रविवार को शिवसेना (यूबीटी) कार्यकर्ताओं ने पुणे में कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों पर कालिख पोतकर मराठी समर्थक नारे लिख दिए गए। पुलिस ने कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। शनिवार को कोल्हापुर में कर्नाटक की बस पर कालिख पोती गई थी। उधर, कर्नाटक रक्षण वेदिके कार्यकर्ताओं ने बेलगावी जिले के अथनी और रामदुर्ग में महाराष्ट्र की कुछ बसों को रोक दिया।

आंदोलन पर सवाल: छात्रों-बच्चों का हुआ इस्तेमाल

भाड़े पर लाए गए थे बांग्लादेश के जुलाई आंदोलनकारी: यूएन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

ढाका. बांग्लादेश में हुई जुलाई क्रांति पर अब खुद संयुक्त राष्ट्र ने ही सवाल उठा दिए हैं। संयुक्त राष्ट्र के फैक्ट फाइंडिंग मिशन की रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले साल जुलाई-अगस्त में हुए छात्रों के कथित आंदोलन के दौरान पिछली अवामी लीग सरकार और विपक्षी दलों ने बच्चों की भर्ती की, उन्हें पैसे दिए और उनका इस्तेमाल किया। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि किस प्रकार हाईस्कूल और मदरसा के छात्र, युवा श्रमिक और यहां तक कि सड़क पर रहने वाले बेसहारा बच्चे भी विरोध प्रदर्शनों में शामिल हो गए, जिसके परिणाम अक्सर दुखद रहे।

यूएन की यह रिपोर्ट ऐसे समय सामने आई है जबकि अमरीका की डॉनल्ड ट्रंप सरकार आरोप लगा रही है कि बांग्लादेश में राजनीतिक परिदृश्य बदलने के लिए अमरीका के यूएसएआइडी संगठन की ओर से बांग्लादेश को 2.9 करोड़ डॉलर दिए गए थे। हैरानी की बात यह है कि इतने गंभीर आरोपों के बावजूद बांग्लादेश की मुहम्मद यूनुस सरकार और बांग्लादेशी मीडिया में इसको लेकर कोई बयान, चिंता नहीं है।

आंदोलन के दौरान बच्चों की मौत

रिपोर्ट में कहा गया है कि आंदोलन के दौरान कम से कम 118 लोग मारे गए, जिनमें 12 से 13 प्रतिशत बच्चे थे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सुरक्षा बलों ने कथित तौर पर जानबूझकर बच्चों को अपंग बनाने, मनमाने ढंग से गिरफ्तार करने, यातना देने के साथ नाबालिगों को अमानवीय तरीके से हिरासत में रखा।

सरकार गिरने के बाद कई अपराधी रिहा, हिंसक किशोर गिरोहों में खतरनाक वृद्धि

रिपोर्ट के बाद, बांग्लादेश के एनजीओ मानुषेर जोनो फाउंडेशन (एमजेएफ) की वरिष्ठ समन्वयक शहाना हुडा रंजना ने हिंसक विद्रोह में बच्चों को शामिल करने के लिए सरकारी अधिकारियों और राजनीतिक गुटों दोनों की आलोचना की है। रंजना ने कहा कि हमने बड़ी संख्या में बेघर बच्चों को भी सड़कों पर देखा, और उनमें से अधिकांश पैसे के लिए वहां थे। रंजना ने यह भी कहा है कि, सरकार गिरने के बाद से कई अपराधी रिहा हो गए हैं और अब वे कमजोर युवाओं का शोषण कर रहे हैं...हम हिंसक किशोर गिरोहों में खतरनाक वृद्धि देख रहे हैं। यह एक सामाजिक बीमारी बन गई है और यह बेहद चिंताजनक है।

मस्क को बुलाया बांग्लादेश... अंतरिम सरकार के मुखिया मुहम्मद यूनुस अब अमरीका को साधने में जुट गए हैं। यूनुस ने एलन मस्क को ढाका आने का निमंत्रण दिया है। यूनुस ने मस्क से बांग्लादेश में स्टारलिंक इंटरनेट शुरू करने को कहा है।

दावा: जेलेंस्की खनिज डील को राजी

ट्रंप अगले सप्ताह खत्म करा सकते हैं यूक्रेन में जंग: वाइट हाउस

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कीव. यूक्रेन युद्ध के तीन साल पूरे होने के मौके पर वाइट हाउस प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने कहा है कि अमरीकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप अगले सप्ताह की शुरुआत में क्रेमलिन के साथ 'समझौता' करके यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध को समाप्त कर सकते हैं।

वाइट का यह बयान ऐसे समय में आया है जब ट्रंप ने शनिवार को ही वाशिंगटन के निकट कंजर्वेटिव पॉलिटिकल एक्शन कॉन्फ्रेंस (सीपीएसी) को संबोधित करते हुए कहा था, मैं चाहता हूं कि यूक्रेन हमारे द्वारा लगाए गए सभी पैसों के बदले हमें वापस में कुछ लौटाए। हम दुर्लभ खनिज और तेल मांग रहे हैं। ट्रंप ने कहा, मुझे लगता है कि हम समझौते के बहुत करीब हैं और बेहतर होगा कि हम समझौते के बहुत करीब हों, क्योंकि यह युद्ध एक भयावह स्थिति में है। वहीं, अमरीका यात्रा पर जा रहे ब्रिटेन के पीएम कीर स्टार्मर ने कहा है कि यूक्रेन शांति समझौते में यूक्रेन को ही शामिल नहीं किया जाए, यह कतई सही नहीं है।

रूस का सबसे बड़ा ड्रोन हमला

युद्ध की तीसरी बरसी की पूर्व संध्या पर रूस ने यूक्रेन पर सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रविवार को कहा कि मॉस्को ने रात भर में 267 से अधिक ड्रोन हमले किए। जेलेंस्की ने कहा कि पिछले हफ्ते रूस ने यूक्रेन पर कुल मिलाकर लगभग 1,150 ड्रोन, 1,400 से ज्यादा हवाई बम और विभिन्न प्रकार की 35 मिसाइलें दागी हैं। यूक्रेन की वायु सेना ने एक बयान में कहा कि इनमें से अधिकांश ड्रोन हमलों को नाकाम कर दिया गया।

जेलेंस्की को जेल में डाल देंगे... जेलेंस्की के पूर्व सलाहकार एलेक्सी एरेस्टोविच ने कहा है कि अगर वह देश के नए राष्ट्रपति बनते हैं तो वह वर्तमान यूक्रेनी नेता वोलोदिमिर जेलेंस्की और उनके पूरे 'गिरोह' को जेल में डाल देंगे। एरेस्टोविच ने कहा कि उनके भाग्य का फैसला अंततः अदालत को करना है।

नीमच की घटना: बांसवाड़ा से पकड़े गए आरोपी

जिस मंदिर में चोरी की, वहां नाक रगड़कर मांगी माफी

नीमच के हरकियाखाल बालाजी महाराज के दरबार में माफी मांगते हथकड़ियों में जकड़े चोर।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नीमच (मध्य प्रदेश). मंदिर में चोरी करने वाले बदमाशों को पुलिस ने न्यायालय ले जाने से पहले भगवान बालाजी के दरबार में पेश किया। दोनों आरोपियों ने नाक रगड़ी, हाथ जोड़कर माफी मांगी। मामला नीमच के हरकियाखाल बालाजी मंदिर का है। यहां 22 दिन पहले चोरों ने भगवान के मुकुट-आभूषण सहित दानपात्र पर हाथ साफ किया। वारदात में राजस्थान के बांसवाड़ा के 6 आरोपियों का पेशेवर गिरोह शामिल था। पुलिस ने इनमें से खानू मीणा, मोहन मीणा, राजू मीणा, महेंद्र मीणा व लक्ष्मण मीणा को गिरफ्तार कर सामान बरामद कर लिया। एक आरोपी रोहित लबाना फरार है। आरोपियों को गिरफ्तारी के बाद हथकड़ी में मंदिर लाया गया। सभी ने दंडवत प्रणाम कर भगवान के दर पर नाक रगड़ते हुए अपराध के लिए माफी मांगी।

गिरफ्तारी के बाद ही पुलिस ने रखा कदम

एसपी अंकित जायसवाल ने बताया कि हमने संकल्प लिया था कि मंदिर में तभी प्रवेश करेंगे जब चोरों को पकड़ लेंगे। आरोपियों से नाक रगड़कर माफी मंगवाने की बात है तो ऐसा इसलिए किया, ताकि उनके लिए यह सबक बने।

पत्रिका पोल

Q क्या एलन मस्क की सरकारी कामकाज में दखलंदाजी राष्ट्रपति ट्रंप की मुसीबत बनेगी?

कल का सवाल था

क्या एक साल का बीएड कोर्स फिर से शुरू करना सही फैसला है?

जवाब

85% हां | 15% नहीं

क्यूआर कोड स्कैन करें...

मेरे पिता नीतीश कुमार से ज्यादा फिट': तेजस्वी ने बिहार सीएम के बेटे को दिया जवाब

बिहार की प्रमुख खबरें पढ़ने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

थाने के मालखाना से 38.78 लाख की कैश और ढाई लाख के जेवर चोरी

उत्तर प्रदेश की प्रमुख खबरें पढ़ने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

पाकिस्तान

यूनिवर्सिटी में होली मनाने पर हिंदू छात्रों पर एफआइआर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कराची. कराची की दाउद यूनिवर्सिटी में हिंदू छात्रों पर होली मनाने को लेकर कार्रवाई की गई है। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने इसे देश विरोधी गतिविधि बताते हुए छात्रों को शो-कॉज नोटिस जारी किया है। पाकिस्तान के पूर्व सांसद लाल मल्ही ने सोशल मीडिया पर इस घटना को लेकर सवाल उठाया है, 'क्या होली मनाना अपराध है?' स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, कुछ छात्रों पर कथित देश-विरोधी नारे लगाने का आरोप लगाकर एफआइआर भी दर्ज की गई है।

दिखाई ताकत: नसरल्लाह के जनाजे में उमड़ा जनसैलाब

बेरुत. करीब पांच महीने पहले 27 सितंबर को इजरायली हमले में मारे गए हिजबुल्लाह के पूर्व नेता हसन नसरल्लाह और उसके उत्तराधिकारी हाशिम सफीउद्दीन को फिर से दफनाया गया। केमिली चामौन स्पोर्ट्स सिटी स्टेडियम में ठंड की परवाह किए बिना हजारों लोग काले कपड़े पहनकर आए। इस दौरान आसमान में इजरायली जेट मंडरा रहे थे। अंतिम संस्कार को हिजबुल्लाह की ताकत के प्रदर्शन के रूप में भी देखा जा रहा है।

तमिलनाडु श्रीलंका ने 32 मछुआरे पकड़े

रामनाथपुरम@पत्रिका. श्रीलंका की नौसेना ने शनिवार आधी रात को कथित तौर पर अवैध शिकार करने के आरोप में 32 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया और पांच मशीनीकृत ट्रॉलर जब्त कर लिए। रामेश्वरम के रहने वाले मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना ने उन्हें मन्नार के उत्तर में समुद्र से मछली पकड़ते समय गिरफ्तार किया।

वर्ल्ड@ शॉर्ट रीड

अमरीका अस्पताल में गोलीबारी, दो की मौत

वाशिंगटन@पत्रिका. यूपीएमसी मेमोरियल हॉस्पिटल में एक बंदूकधारी ने आइसीयू में घुसकर स्टाफ को बंधक बना लिया और गोलीबारी की। जवाबी कार्रवाई में हमलावर मारा गया, जबकि एक पुलिस अधिकारी की भी जान चली गई। जिला अटॉर्नी टिम बार्कर ने बताया कि हमलावर एक महिला स्टाफ सदस्य को बंधक बनाए हुए था।

ट्रेंडिंग न्यूज

ट्रंप करते थे केजीबी में काम

रूस की खुफिया एजेंसी केजीबी के एक पूर्व अधिकारी अलनूर मुसायेव ने दावा किया है कि अमरीकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प को 37 साल पहले रूसी जासूस रूप में तैयार किया गया था।

ट्रूडो की नीतियों से कनाडा बर्बाद

डॉनल्ड ट्रंप ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को लूजर कहा है, जिसकी रेडिकल वामपंथी नीतियों ने देश को बर्बाद कर दिया। ट्रंप का बयान ट्रूडो के उस तंज पर आया है जिसमें ट्रूडो ने कहा था कि ट्रंप उनका देश नहीं ले सकते।

हमलावर: वामपंथियों पर बरसीं इटली की पीएम

मोदी, ट्रंप और मेरे आगे बढ़ने से वामपंथी परेशान: मेलोनी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रोम. इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने वैश्विक वामपंथी राजनीति को दोहरे मापदंडों वाली बताते हुए तीखा हमला बोला है।

वाशिंगटन डीसी में कंजर्वेटिव पॉलिटिकल एक्शन कॉन्फ्रेंस में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित करते हुए मेलोनी ने लिबरल्स और लेफ्टिस्ट पर डबल स्टैंडर्ड अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि दुनिया में मोदी, ट्रंप और मुझ जैसे दक्षिणपंथी नेताओं के उभरने से सारे वामपंथी नेता परेशान हो गए। जब 90 के दशक में बिल क्लिंटन और टोनी ब्लेयर ने ग्लोबल लेफ्टिस्ट लिबरल नेटवर्क बनाया, तब उन्हें बहुत बड़ा नेता कहा गया, लेकिन आज ट्रंप, मेलोनी, मिलेई और यहां तक कि मोदी बात करते हैं तो इसे लोकतंत्र के लिए खतरा कहा जाता है।

कबूतरों से 60 से ज्यादा बीमारियों का खतरा, 15% बढ़े सांस के रोगी

हेमंत शर्मा
patrika.com

कोटा के किशोर सागर तालाब की पाल पर कबूतरों को चुग्गा डालते लोग।

कोटा. कबूतरों की बीट में पाए जाने वाले सूक्ष्म जीवाणु और कीटाणु सेहत पर भारी पड़ रहे हैं। इनकी बीट व पंखों में पाए जाने वाले कवक व सूक्ष्मजीव खांसी, जुकाम, अस्थमा और फेफड़ों में संक्रमण समेत 60 से अधिक बीमारियों के कारण बन सकते हैं। कोटा विश्वविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के शोध में यह खुलासा हुआ है। शोध को अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशन के लिए स्वीकृत भी मिली है।

दिसंबर 2023 में कबूतर के संपर्क में रहने से हुई एलर्जी के कारण 10 साल की बालिका के फेफड़े खराब हो गए थे। बच्ची को सांस लेने में तकलीफ हुई तब बीमारी का पता चला। दरअसल, कबूतर बालकनी व एसी डक्ट में अपने घोंसले बना लेते हैं। बाद में उनकी बीट व पंखों के अवशेष बालकनी में जमा होते रहते हैं। साफ सफाई करते समय ये अवशेष सांस के जरिए हमारे शरीर में प्रवेश कर संक्रमण फैलाते हैं। शोध में सामने आया कि गत 5 वर्षों में कबूतरों के संपर्क में आने से श्वसन संबंधी बीमारियों में 10 से 15% की वृद्धि हुई है।

बीट व पंखों में 20 से अधिक बैक्टीरिया

शोध में कबूतर के बीट व पंखों में 20 से अधिक पैथोजेनिक बैक्टीरिया और फंगस पाए गए। इनमें बेसिलस एसपीपी, ई कोलई, सेल्मोनेला एसपी, प्यूडोमोनस एसपी, क्लेब्साइला एसपी व फंगस एस्परजिलस, फ्यूसारियम, माइक्रोस्पोरम, क्राइसोस्पोरियम, पेनीसिलीयम, ट्राइकोफीटोन व केनडिडा प्रमुख हैं। ये खतरनाक बीमारियों के कारक हैं। इनके अलावा ऐरोमोनस एसपी जैसे कई घातक सूक्ष्मजीवों के भी वाहक हैं।

खुले मैदानों में ही दाना डालें

कबूतर कई बीमारियों के कारण बन सकते हैं। कई डॉक्टरों ने भी इसकी पुष्टि की है। घर के आंगन, बालकनी या छत पर कबूतरों को दाना नहीं खिलाएं। खुले मैदान में ही इन्हें दाना डालना चाहिए। लंबे समय तक खुले में पानी भरकर न रखें।

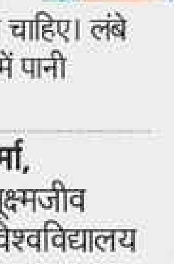

डॉ. पल्लवी शर्मा, विभागाध्यक्ष, सूक्ष्मजीव विज्ञान, कोटा विश्वविद्यालय

'स्वत्वाधिकारी राजस्थान पत्रिका प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक गजराज भण्डारी द्वारा 2/3 आई एन एस बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं राजस्थान पत्रिका प्रा. लि. भूखण्ड संख्या 68-69, फेज VII , सैक्टर-35, गुरुग्राम (हरियाणा) एवं मैसर्स विभा पब्लिकेशन प्राईवेट लिमिटेड, डी-160 बी, सैक्टर 7, गौतमबुद्ध नगर (यू.पी.) से मुद्रित। आर.एन.आई. नं. डेलहिन/2005/15156, सम्पादक: भुवनेश जैन।